दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति 3 | राजधानी 7 | आंचलिक 12 | देश-विदेश

रांची शुक्रवार, 15 मई, 2026, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष त्रयोदशी/चतुर्दशी, विक्रम संवत-2084 वर्ष-11 अंक-29 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

साहस का मतलब यह नहीं है कि आप डरें नहीं। साहस का मतलब है कि आप डर को अपने रास्ते में आने नहीं दें।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:09
अस्त : 06:22

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	35.0	20.0
जमशेदपुर	36.0	25.0
हजारीबाग	34.0	20.0
डालटनगंज	41.0	28.0

खूंटी में अनूठी पहल: डीजे बैन, अब पाइका नाच और ढोल-नगाड़े पर झूमेंगे बाराती

नव प्रदेश संवाददाता

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले के कई गांवों में ग्राम सभाओं की ओर से शादियों और सामाजिक समारोहों में डीजे पर रोक लगाने का फैसला लिया। डीजे की जगह पाइक नाच और ढोल-नगाड़े पर नृत्य की सलाह दी गई है। सदियों पुरानी परंपरा और संस्कृति को बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। अभी गांव में डीजे के उपयोग से कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही थी।

ग्रामसभा के फरमान का उल्लंघन करने पर 5000 का जुर्माना

खूंटी के कई ग्राम सभाओं के फरमान का उल्लंघन करने पर पांच हजार रुपये जुमार्ना लगाने का फैसला लिया है। ग्राम सभा के इस फरमान का असर खूंटी जिले के मुरहू प्रखंड अंतर्गत कुदा, जिउरी, एटके, नामसिली और बलंगा सहित कई गांवों में देखा जा रहा है। मुरहू प्रखंड के जिउरी गांव के पाहन गोपाल मुंडू ने बताया कि अपनी परंपरा और संस्कृति को बचाने के लिए यह फैसला लिया गया।

डीजे के कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही थी

खूंटी के जिन गांवों में डीजे पर रोक लगाई गई है, उन गांवों के पाहन और अन्य बुजुर्गों का कहना है कि डीजे की आवाज के गांव और आसपास रहने वाले पशु पक्षियों के साथ ही वृद्ध और बीमार लोगों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस कारण मजबूरी में ये फैसला लेना पड़ा।

> आदिवासी परंपरा में का प्रचलन नहीं है। डीजे की वजह से कई तरह की परेशानी हो रही थी। छेड़छाड़ की घटनाएं भी बढ़ रही थी।
>
> **गोपाल मुंडू, पाहन, जिउरी गांव**

क्या हो रही थीं समस्याएं

- डीजे की आवाज से गांव और आसपास जंगल में रहने वाले पशु-पक्षियों की परेशानी
- डीजे की आवाज के गांव-घर के बुजुर्गों और मरीजों की परेशानी
- डीजे का प्रचलन आने के गांव में छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ी
- डीजे की धून पर आसपास के गांव से अवांछित मेहमान भी पहुंच जाते थे
- अवांछित मेहमान नाचने के बाद खाने भी बैठ जाते, इससे खर्च में बढ़ोतरी
- शादी की परंपरा निभाने की जगह सभी नाचने में जुट जाते

संक्षिप्त खबरें

चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए कच्ची, सफेद और रिफाइंड चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सितंबर तक लागू रहेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 13 मई को देररात इस आशय की अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार, चीनी निर्यात नीति में बदलाव किया है। सरकार ने आईटीसी (एचएस) कोड 1701 14 90 और 1701 99 90 के तहत चीनी के लिए एक्सपोर्ट नीति को प्रतिबंधित से बदलकर निषिद्ध कर दिया है। इस आदेश में कच्ची चीनी, सफेद चीनी और रिफाइंड चीनी के एक्सपोर्ट को शामिल किया गया है।

वेतन मद से फर्जी निकासी मामले में ईडी ने दर्ज की ईसीआईआर

रांची। झारखंड में वेतन मद में ट्रेजरी से हुई फर्जी निकासी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) दर्ज कर ली है। इस ईसीआईआर में रांची, हजारीबाग और बोकारो ट्रेजरी से हुई फर्जी निकासी के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी को शामिल किया गया है। इससे वेतन मद मे फर्जी निकासी करने के लिए कानूनी रूप से जिम्मेवार और गलत तरीके से पैसा निकालने के बाद वापस लौटाने वाले अधिकारियों (डीएसपी रैंक के कुछ अफसर) की परेशानियां बढ़ सकती है। पुलिस और एसआईटी की ओर से मामले की जांच के दौरान अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उल्लेखनीय है कि प्रधान महालेखाकार (अकाउंटस) चंद्र मौली सिंह ने ट्रेजरी की जांच के दौरान पुलिस महकमे द्वारा वेतन मद में फर्जी निकासी करने की सूचना वित्त विभाग को भेजी थी। पहले भेजी गयी सूचना में सिर्फ बोकारो और हजारीबग ट्रेजरी से हुई फर्जी निकासी की सूचना दी गयी थी। इस सूचना के बाद राज्य सरकार ने जिला स्तर पर वेतन मद में की गयी निकासी की जांच का आदेश दिया। साथ ही उच्च स्तरीय जांच के लिए उत्पाद विभाग के प्रधान सचिव अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। उच्चस्तरीय समिति की ओर से फिलहाल बोकारो ट्रेजरी से लिये गये दस्तावेज की जांच पड़ताल की जा रही है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम टिप्पणी, पूछा-पैनल में स्वतंत्र सदस्य क्यों नहीं

'नेता विपक्ष की भूमिका बस दिखावा'

नई दिल्ली। देश में चुनाव आयोग के शीर्ष पदों मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के कानून पर सवाल खड़े किए हैं। अदालत ने कहा कि मौजूदा चयन प्रणाली में कार्यपालिका का प्रभाव इतना अधिक दिखाई देता है कि यह चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सवाल खड़ा करता है।

यह टिप्पणी उस समय आई जब सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा शामिल थे, 2023 के उस कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसके तहत सीईसी और ईसीएस की नियुक्ति प्रक्रिया तय की गई है। सुनवाई अभी पूरी नहीं हुई है और मामले की अगली तारीख पर आगे विचार किया जाएगा।

चयन समिति पर उठाए सवाल

वर्तमान कानून के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री शामिल होते हैं। इसी संरचना पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें किसी भी स्वतंत्र सदस्य को शामिल क्यों नहीं किया गया। अदालत ने टिप्पणी की कि इस व्यवस्था में निर्णय प्रक्रिया लगभग तय हो जाती है, क्योंकि दो सदस्य सरकार से जुड़े होते हैं और तीसरे सदस्य का प्रभाव सीमित रह जाता है।

'विपक्ष का नेता केवल औपचारिक भूमिका में'

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि चयन समिति में विपक्ष के नेता की भूमिका केवल प्रतीकात्मक बनकर रह जाती है। कोर्ट ने सवाल किया कि यदि अंतिम निर्णय 2:1 के अनुपात में पहले से ही तय है, तो इस समिति में संतुलन का दावा कितना वास्तविक है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या किसी कैबिनेट मंत्री से यह उम्मीद की जा सकती है कि वह प्रधानमंत्री के निर्णय के खिलाफ जाएगा।

'आयोग केवल स्वतंत्र नहीं दिखना चाहिए, वास्तव में होना चाहिए'

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि केवल स्वतंत्रता का दावा पर्याप्त नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता वास्तविक और स्पष्ट रूप से दिखाई भी देनी चाहिए। कोर्ट ने दोहराया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का हिस्सा हैं और इसके लिए चुनाव आयोग की स्वतंत्रता अनिवार्य है।

सरकार का पक्ष : कानून पर संसद का अधिकार

केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है और इसे अदालत में केवल संभावित आशंकाओं के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पहले के निर्देश अंतरिम व्यवस्था थे, जो संसद द्वारा बनाए गए कानून को बाधित नहीं कर सकते। सरकार के वकील ने यह भी तर्क दिया कि जब तक यह साबित न हो जाए कि चुनाव आयोग वास्तव में पक्षपाती है, तब तक कानून को असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता।

'स्वतंत्र सदस्य क्यों नहीं जोड़ा गया?'

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह यह नहीं कह रहा कि चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश को ही शामिल किया जाए, लेकिन सवाल यह जरूर है कि कोई भी स्वतंत्र सदस्य क्यों नहीं रखा गया। अदालत ने कहा कि अन्य संस्थाओं में, जैसे जांच एजेंसियों के प्रमुखों की नियुक्ति में स्वतंत्र सदस्य शामिल होते हैं, तो चुनाव आयोग जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में ऐसा क्यों नहीं किया गया। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि उसका काम नीति बनाना नहीं है, बल्कि यह देखना है कि क्या 2023 का कानून संविधान के अनुच्छेद 14 और 324 के अनुरूप है या नहीं।

मामला बड़ी पीठ को भेजने पर चर्चा

सुनवाई के दौरान इस मामले को संविधान पीठ (पांच जजों की बड़ी बेंच) को भेजने पर भी विचार हुआ, क्योंकि यह अनुच्छेद 14 और 324 की व्याख्या से जुड़ा महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न है। हालांकि, इस पर सभी पक्षों में सहमति नहीं बन सकी और सुनवाई को आगे जारी रखने का निर्णय लिया गया।

2023 में किया गया था प्रक्रिया में संशोधन

गौरतलब है कि 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अंतरिम व्यवस्था के तहत नियुक्तियों में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने का निर्देश दिया था। लेकिन बाद में संसद ने नया कानून पारित कर इस समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर एक केंद्रीय मंत्री को शामिल कर दिया।

झामुमो प्रवक्ता धीरज दूबे की शादी समारोह में पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शुक्रवार को रांची के बोरेया स्थित ब्लेसिंग बैंक्वेट एंड रिसॉर्ट पहुंचे, जहां उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता धीरज दुबे एवं पोटका की अंचल अधिकारी (सीओ) निकिता बाला के विवाह उपरांत आयोजित आशीर्वाद समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवविवाहित दंपति को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन की कामना की।

अप्रैल में बढ़ी थोक महंगाई

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। ईंधन, बिजली और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण अप्रैल में थोक महंगाई दर बढ़कर 8.30 फीसदी हो गई है, जो मार्च में 3.88 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को आंकड़ों में बताया कि ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई दर अप्रैल में 24.71 फीसदी हो गई, जो मार्च में 1.05 फीसदी थी। इसके साथ ही कच्चे तेल की महंगाई दर अप्रैल में 88.06 फीसदी रही, जबकि मार्च में यह 51.5 फीसदी थी। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं में महंगाई दर अप्रैल में 1.98 फीसदी रही, जो मार्च में 1.90 फीसदी थी। गैर-खाद्य वस्तुओं में महंगाई दर बढ़कर अप्रैल में 12.18 फीसदी हो गई, जो पिछले महीने मार्च में 11.5 फीसदी थी।मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल 2026 में मुद्रास्फीति खनिज तेल, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस, मूल धातु, अन्य विनिर्माण और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण अधिक रही है। ईंधन और बिजली श्रेणी में एलपीजी में महंगाई दर अप्रैल में 10.92 फीसदी रही।

पहले से बेहतर होंगे अमेरिका-चीन के रिश्ते : ट्रंप

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच गुरुवार को बीजिंग में बहुप्रतीक्षित वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने आपसी हित के द्विपक्षीय मुद्दों के साथ पश्चिम एशिया, यूक्रेन संकट और कोरियाई प्रायद्वीप समेत कई अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर होने वाले हैं। जिनपिंग ने वैश्विक स्थिरता के लिए दोनों देशों के रिश्ते को महत्वपूर्ण बताया। चीन की सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग स्थित ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में करीब दो 2 घंटे तक चली इस वार्ता के दौरान जिनपिंग ने कहा कि दुनिया इस समय बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है और अमेरिका-

चीन रिश्ते वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं। दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक दूसरे का सहयोगी बनना चाहिए। बार-बार साबित हुआ है कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। जिनपिंग ने कहा कि वह ट्रंप के साथ मिलकर चीन-अमेरिका संबंधों को नई दिशा देना चाहते हैं ताकि वर्ष 2026 दोनों देशों के संबंधों में एक ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित हो। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने रणनीतिक स्थिरता पर आधारित रचनात्मक चीन-अमेरिका संबंध की नई अवधारणा पर सहमति जताई है। उनके अनुसार यह संबंध सहयोग, संतुलित प्रतिस्पर्धा, मतभेदों के प्रबंधन और शांति की प्रतिबद्धता पर आधारित होना चाहिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन की अपनी राजकीय यात्रा को सम्मान की बात बताते हुए जिनपिंग को महान नेता और चीन को महान देश बताया। ट्रंप ने कहा कि वह जिनपिंग के साथ संवाद और सहयोग को मजबूत करने, मतभेदों को सही तरीके से संभालने और द्विपक्षीय संबंधों को पहले से बेहतर बनाने के लिए तैयार हैं।

ओमान. एक भारतीय ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर हमला

दुबई। भारतीय अधिकारियों ने जानकारी दी है कि ओमान के तट के पास एक भारतीय ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई और बाद में वह डूब गया। यह जहाज सोमालिया से यूएई के शारजाह की ओर जा रहा था। जहाज पर सवार सभी 14 भारतीय चालक दल को ओमान की तटरक्षक टीम ने सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों के अनुसार, सभी नाविक सुरक्षित हैं और उन्हें चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को

गंभीर और अस्वीकार्य बताते हुए नागरिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की है। हमले के पीछे कौन था, इसकी जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। यह घटना बुधवार को उस समय हुई जब जहाज ओमान के तट के पास से गुजर रहा था। मंत्रालय ने यह भी बताया कि सभी भारतीय चालक दल को ओमान की तटरक्षक टीम ने सुरक्षित बचा लिया और उन्हें दिबा बंदरगाह पर पहुंचाया गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में रणनीतिक चिंता

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग एक-चौथाई हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता सीधे तौर पर वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करती है। इन घटनाओं के बीच पश्चिम एशिया में पहले से ही राजनीतिक तनाव चरम पर है।

अपराध

ई-चालान और गैस सिलिंडर डिलीवरी का झांसा

मैसेज खोलते ही बैंक खाता हो जाता था खाली

चरनबारी-कोठाहरिया जंगल से किया गया गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड में सुदूरवर्ती और घने जंगलों पर लैपटॉप या मोबाइल पर काम करते कुछ युवाओं को देखकर आप यह मत समझ लीजिएगा कि प्राइवेट या सरकारी कंपनियों में नौकरी करने वाले ये लोग के काम बोझ से दबे है। दरअसल, ये सुनसान स्थानों पर पहुंचकर लोगों के साथ ठगी करते हैं। वहीं पुलिस के मौके पर पहुंचने के पहले ही वहां से फरार हो जाते हैं। गिरिडीह पुलिस ने ऐसे छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार

किया है। एसपी डॉ बिमल कुमार ने बताया कि इन सभी साइबर ठगों को बेंगाबाद थाना इलाके के चरनबारी, कोठाहरिया जंगल से गिरफ्तार किया गया। ये सभी साइबर अपराधी एपीके फाइल भेजकर लोगों से ठगी करते थे। इन सभी की गिरफ्तारी साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में हुई।

गिरफ्तार अपराधियों की पहचान महेंद्र कुमार मंडल, कृष्णा कुमार मंडल, ईश्वर मंडल, पंकज कुमार मंडल, रंजीत कुमार मंडल वऔर आदित्य कुमार मंडल उर्फ राजा बाबू के रूप में की गई है।

एपीके फाइल का लिंक भेजकर लोगों से ठगी

एसपी डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी फर्जी एपीके फाइल का लिंक भेजकर लोगों को झांसे में लेते थे। किसी को गैस कनेक्शन, किसी को गैस सिलिंडर डिलीवरी तो किसी को ई-चालान का लिंक भेजा जाता था। लोग जैसे ही लिंक को क्लिक करते तो मोबाइल ही हैक हो जाता। इसके बाद बैंक खाते में ये अपराधी सेंधमारी करते थे। इनके पास से 11 मोबाइल, 13 सिम कार्ड और 5 बाइक बरामद किया है।

कृष्णा और महेंद्र पहले भी जा चुका है जेल

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों में कृष्णा मंडल गिरिडीह साइबर थाना कांड संख्या-38/2023 एवं 43/2023 में पहले भी जेल जा चुका है। वहीं महेंद्र कुमार मंडल सफदरगंज थाना, दिल्ली से साइबर अपराध में जेल जा चुका है। एसपी डॉ. बिमल कुमार ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और ठगी की आशंका पर तुरंत साइबर थाना या हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

यात्रीगण ध्यान दें! जून में झारखंड-बिहार की 50 से अधिक ट्रेनें होंगी रद्द

जमशेदपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन के चांपा स्टेशन पर बुनियादी ढांचे के विकास के लिए चौथी लाइन जोड़ने का कार्य किया जाना है। इस मेगा ब्लॉक के कारण जून 2026 के दूसरे और तीसरे सप्ताह में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के बीच चलने वाली ट्रेनें रद्द रहेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 180 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। अब चांपा स्टेशन पर इसे मुख्य लाइन से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य 07 जून से 19 जून 2026 तक चलेगा। हालांकि इससे भविष्य में ट्रेनों की गति और समयबद्धता बढ़ेगी, लेकिन फिलहाल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस ब्लॉक का सबसे ज्यादा असर

टाटानगर और आरा-बक्सर रूट पर पड़ने वाला है। टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस (18113/18114) और टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस (18109/18110) को 19 जून तक के लिए रद्द कर दिया गया है। वहीं, बिहार जाने वाले यात्रियों की लाइफलाइन मानी जाने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस (दुर्ग-आरा) भी 10 से 16 जून के बीच अलग-अलग तारीखों पर रद्द रहेगी। इसके अलावा बिलासपुर-बक्सर और पटना-बिलासपुर एक्सप्रेस भी प्रभावित होंगी।

गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब जाना मुश्किल

ब्लॉक की वजह से केवल लोकल ही नहीं, बल्कि लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें भी रद्द की गई हैं। हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस, उत्कल एक्सप्रेस (ऋषिकेश-पुरी), हटिया-पुणे एक्सप्रेस और हीराकुंड एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें जून के दूसरे सप्ताह में पटरी पर नहीं दिखेंगी। शालीमार-भुज, पुरी-जोधपुर और एलटीटी-गया जैसी ट्रेनों को भी रद्द की सूची में डाला गया है।

संक्षिप्त खबरें

मनरेगा मजदूरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल 15 को

रांची। वीबी-जी राम जी के लागू करने संबंधी केंद्र सरकार की अधिसूचना को झारखंड खेत और ग्रामीण मजदूर यूनियन ने आलोचना की है। वीबी-जी राम जी के विरोध में यूनियन की ओर से 15 मई को मनरेगा मजदूर राष्ट्रव्यापी हडताल करेंगे। यह जानकारी गुरुवार को झारखंड खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन (जेकेजीएमयू) के नेता वीरेंद्र कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने विकसित भारत : गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी को लागू करने की तिथि की अधिसूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि यह अधिसूचना भी पूरे कानून की तरह झूठे वादों से भरी हुई है। यह मनरेगा मजदूरों और यूनियनों की ओर से उठाई गई चिंताओं को यह कहकर कूड़ेदान में फेंकने की कोशिश है कि सारी चिंताएं झूठी हैं और वीबी-जी राम जी मनरेगा से बेहतर है। इस कानून की आलोचना और इस अधिसूचना के माध्यम से फैलाया जा रहा प्रचार पहले से ही मजदूरों और कार्यकताओं के सामने उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि 125 दिनों के रोजगार का वादा वास्तव में निरर्थक है, क्योंकि भाजपा सरकार औसतन 55 दिनों का काम भी सुनिश्चित नहीं कर पा रही है। फेसियल रिकॉग्निशन और डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर जैसी तकनीकों के इस्तेमाल से भ्रष्टाचार खत्म होने के बजाय जॉब कार्डों और पात्र मजदूरों को बड़े पैमाने पर बाहर किया गया है। मजदूरी भुगतान का भारी बकाया पड़ा हुआ है, जो कई जगहों पर एक वर्ष से भी अधिक समय से लंबित है।

केंद्र सरकार का पुतला दहन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

रांची। देशभर में आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (यूजी) नीट में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर छात्रों के बीच बढ़ते आक्रोश के मद्देनजर आज झारखंड प्रदेश भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा राजधानी रांची में केंद्र सरकार एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और एनटीए का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पहल पर शुरू हुई नियमावली-2026

अनाधिकृत मकानों को मिला वैधता का मौका, ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च

दो माह में आवेदन, छह माह में निर्णय का लक्ष्य

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड में अनाधिकृत रूप से बने मकानों के लिए बड़ी राहत की घोषणा करते हुए नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन से झारखंड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली, 2026 के तहत ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए राज्य के लोग अब अपने बिना नक्शा या मानक के बने मकानों को निर्धारित शर्तों के तहत नियमित करा सकेंगे। मंत्री ने इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि लंबे समय से ऐसे हजारों परिवार असमंजस में थे, जिनके मकान तकनीकी रूप से अनियमित थे। अब सरकार ने उन्हें एक वैध अवसर प्रदान किया है, जिससे वे अपने घरों को कानूनी मान्यता दिला सकें। उन्होंने कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सोच का परिणाम है, जिनकी मंशा रही है कि आम लोगों को राहत दी जाए और उन्हें नियमों के दायरे में लाकर व्यवस्थित शहरी विकास सुनिश्चित किया जाए।

जनभागीदारी से ही योजना होगी सफल

सुदिव्य कुमार ने स्पष्ट किया कि इस योजना की सफलता के लिए जनता की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नियमावली को सरल और व्यावहारिक बनाया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भवन नियमितीकरण का उद्देश्य अवैध निर्माण को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि पहले से बने अनियमित ढांचों को एक बार के अवसर के तहत वैधता प्रदान करना है। इसके तहत लोगों को तीन किस्तों में शुल्क जमा करने की सुविधा दी गई है, जिससे आर्थिक बोझ भी कम होगा। मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर पोर्टल पर आवेदन करें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

इन भवनों को ही मिलेगा लाभ

सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, केवल जी+2 (ग्राउंड प्लस दो मंजिल) और 300 वर्गमीटर से कम क्षेत्रफल में बने मकानों को ही नियमितीकरण के दायरे में रखा गया है। इससे छोटे और मध्यम वर्ग के मकान मालिकों को विशेष रूप से राहत मिलने की उम्मीद है।

केवल जी+2 और 300 वर्गमीटर से कम क्षेत्रफल में बने मकानों को ही नियमितीकरण

उद्देश्य : अवैध निर्माण को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि पहले से बने अनियमित ढांचों को एक बार के अवसर के तहत वैधता प्रदान करना

दो माह में आवेदन, छह माह में निर्णय

नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने जानकारी दी कि पोर्टल लॉन्च होने के बाद से दो महीने के भीतर आवेदन करना अनिवार्य होगा। इसके बाद अधिकतम छह महीने के अंदर नियमितीकरण पर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहरी विकास को व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। रांची सहित अन्य शहरों में आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं चल रही हैं। रांची में तीन फ्लाईओवर बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि सिरमटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर पर काम जारी है। इसके अलावा अरगोड़ा, करमटोली और हरमू में नए फ्लाईओवर को मंजूरी मिल चुकी है। जमशेदपुर और धनबाद में भी इसी तरह की परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

व्यवस्थित शहरीकरण पर सरकार का फोकस

प्रधान सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि शहरीकरण अव्यवस्थित न हो। शहरों में सड़क, फुटपाथ, नाली, टाउन हॉल और बस स्टैंड जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही नगर निकायों की आय बढ़ाने, तकनीकी मानव संसाधन जैसे टाउन प्लानर और इंजीनियर की नियुक्ति तथा शहरी प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

लोगों के लिए राहत का बड़ा कदम

राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के निदेशक सूरज कुमार ने इस योजना को आम जनता के लिए राहतकारी बताते हुए कहा कि कई लोगों ने विभिन्न कारणों से बिना नक्शा पास कराए मकान बना लिए थे। अब सरकार ने उन्हें एक मौका दिया है कि वे अपने भवन को कानूनी रूप से सुरक्षित कर सकें। उन्होंने बताया पोर्टल के माध्यम से आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम के दौरान पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया का लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया गया।

मौके का उठाएं लाभ

कार्यक्रम में नगर विकास विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह एक सीमित अवधि का अवसर है, इसलिए पात्र नागरिक समय रहते आवेदन कर अपने मकानों को नियमित कराने की प्रक्रिया पूरी करें। इस पहल से न केवल लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि राज्य में योजनाबद्ध और व्यवस्थित शहरी विकास को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

एक नजर

डॉ रवीन्द्र भक्त पशुपतिनाथ टेंपल मैनेजमेंट सोसायटी के अध्यक्ष बने

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित 6-7 दशक प्राचीन पशुपतिनाथ मंदिर के सुचारू प्रबंधन के लिए नई समिति गठित की गई है। रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पशु पोषण विभाग के अवकाशप्राप्त प्रोफेसर डॉ रबीन्द्र भक्त को सात सदस्यीय पशुपतिनाथ टेंपल मैनेजमेंट सोसायटी का नया अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ भक्त रामाश्रम सत्संग और बदलाव फाउंडेशन से सक्रियता से जुड़े हुए हैं।पंकज वत्सल को सचिव जबकि वानिकी संकाय के डॉ आशीष कुमार चक्रवर्ती, रांची कृषि महाविद्यालय के डॉ अरविंद कुमार सिंह एवं डॉ सुशील कुमार पांडेय तथा पशु चिकित्सा महाविद्यालय के डॉ शैलेंद्र कुमार रजक को सदस्य बनाया गया है। पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सहायक नियंत्रक सोसाइटी के पदेन कोषाध्यक्ष होंगे। डॉ रामदेव प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता वाली समिति का कार्यकाल समाप्त हो गया था।

झारखंड में 17 और 18 को बारिश और आकाशीय बिजली को लेकर ऑरेंज अलर्ट

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में 17 और 18 मई को बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। मौसम विभाग ने इसे लेकर गुरुवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग की ओर से 17 और 18 मई को राज्य के जिन जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है उनमें उत्तर पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिले शामिल हैं। इनमें धनबाद, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, रांची और रामगढ़ शामिल है। उल्लेखनीय है की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 15 दिनों से बारिश हो रही है इससे गर्मी में कमी आई है। हालांकि बारिश के कारण सब्जियों के फसल को नुकसान हो रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश पाकुड़ जिले के अमरपारा में 35 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। राज्य के जिन अन्य इलाकों में बारिश रिकार्ड की गई उनमें नाला में 27.6 मिलीमीटर, नारायणपुर में 26.6, मझगांव में 26 मिलीमीटर, हरिहरगंज में 25.4, बरही डीवीसी में 25.2, चक्रधरपुर में 25.2, जामताड़ा में 25, कमाटांड़ में 24.4, पथरगामा में 24.2, चाईबासा में 23.2, तांतगर नगर में 21.2 मिमी, सिमडेगा में 20.2, बुढ़मू में 18.2 और रांची में 14.4 मिलिमीटर शामिल है। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 42 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 17.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और कड़ी धूप रही। वहीं, रांची में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री और न्यूनतम 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। साथ ही जमशेदपुर में अधिकतम 36 डिग्री और न्यूनतम 23.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 42 और न्यूनतम 21.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 34.1 डिग्री और न्यूनतम 21.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास पर झारखंड हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने बंधुआ मजदूरों को मुआवजा, पुनर्वास और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने गढ़वा जिले के डीसी को निर्देश दिया कि वह प्रार्थी द्वारा उपलब्ध कराए गए बंधुआ मजदूर सूची का सत्यापन करें। जिन बंधुआ मजदूर को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है उन्हें अविलंब लाभ दिलाए। सरकार की ओर से अधिवक्ता गौरव राज ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम के तहत मुक्त कराए गए 300 से अधिक मजदूरों को तत्काल मुआवजा, पुनर्वास और अन्य सरकारी सुविधाएं दिलाया जाए। लेकिन सरकार की ओर से इस दिशा में ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरकार की ओर से कहा गया है कि इससे संबंधित 300 से अधिक लोगों की सूची सरकार को दी गई है। सुनवाई के दौरान गढ़वा डीसी कोर्ट के आदेश के आलोक में आज हाजिर हुए। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि सोलापुर, महाराष्ट्र से मुक्त कराए गए महिला बधुआ मजदूर को वर्ष 2017 में ही आवास, मनरेगा कार्ड आदि सरकारी सुविधाएं दी गई है। उत्तर प्रदेश के चार जिलों मिजापुर, भदोही, कानपुर और प्रयागराज से मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूर के बारे में उत्तर प्रदेश के संबंधित जिलों से प्राप्त दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने मौखिक कहा था की बंधुआ मजदूरों को सरकारी लाभ दिया जाना चाहिए। इसे लेकर सरकार को संवेदनशील होना चाहिए। सरकार द्वारा दाखिल जवाब को पूरी तरह संतोषजनक नहीं माना था। कोर्ट ने गढ़वा के वर्तमान और पूर्व उपायुक्त को तलब किया था। कोर्ट ने कहा था कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर मजदूरों को सरकारी लाभ दिलाने की योजना को अमली जामा नहीं पहनाया जा सका है।

चेंबर भवन में अध्यक्ष और महासचिव के केबिन का अनावरण

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यालयीय भवन में नव सौन्दयीर्कृत अध्यक्ष और महासचिव केबिन का गुरुवार को अनावरण किया गया। अध्यक्ष के केबिन का उद्घाटन चेंबर के पूर्व अध्यक्ष आरके सरावगी ने किया। इस अवसर पर चेंबर के पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा, कुणाल अजमानी और किशोर मंत्री सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष के केबिन में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना भी हुई। उपस्थित सदस्यों ने नव सुसज्जित केबिन की सराहना करते हुए इसे चेंबर की गरिमा एवं कार्यसंस्कृति के अनुरूप बताया। इस अवसर पर चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष उदयशंकर दुबे, कार्यकारिणी सदस्य डॉ अभिषेक रामाधीन, मनीष सराफ, आस्था किरण, अमित शर्मा सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने दिव्यांगों में बांटा व्हील चेयर

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन सृजन शाखा रांची की ओर से जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए गुरूवार को दो दिव्यांदों को व्हीवल चेयर सौंपा। संस्था की ओर से चटकपुर, पंडरा रातू रोड निवासी जयराम चौधरी (68) और राधा देवी (60) को व्हील चेयर दिया गया। दोनों दिव्यांग दोनों पैरों से असहाय हैं। लंबे समय से चलने-फिरने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। यह जानकारी देते हुए शाखा की मीडिया प्रभारी रीता मोदी ने कहा कि संस्था आगे भी सामाजिक सेवा से जुड़े कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर संस्था के नेहा सरावगी ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करना संगठन का मुख्य उद्देश्य है। व्हील चेयर मिलने के बाद दोनों लाभुकों और उनके परिजनों ने संस्था के प्रति आभार जताया। इस पहल से उन्हें दैनिक जीवन में काफी सहूलियत मिलेगी। इस मौके पर संस्था की नेहा सरावगी, निधि सराफ, शालू सिंघानिया, आकृति सिंघानिया, नम्रता बागला, राशि सरावगी, सोनम सरावगी, निधि इंदौरिया, निकिता पाटोदिया सहित अन्य मौजूद थे।

नीट पेपर लीक मामला व्यवस्था में विफलता, नहीं हुई कार्रवाई तो होगा उग्र आंदोलन : एनएसयूआई

रांची। देशभर में नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर बढ़ते विरोध के बीच राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किया है। गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एनएसयूआई के नेताओं ने कहा कि परीक्षा में हुई अनियमितताओं ने लाखों छात्रों और उनके परिवारों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। मौके पर प्रदेश एनएसयूआई के अध्यक्ष विनय उरांव ने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में गड़बड़ी होना बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि देशभर के 22 लाख से अधिक परीक्षार्थी और उनके परिवार मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। यह शिक्षा व्यवस्था की विफलता है। एनएसयूआई के नेताओं ने आरोप लगाया कि लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा शिक्षा प्रणाली से उठाना शुरू कर दिया है।

संगठन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। एनएसयूआई ने मांग की कि पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में राज्यभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सम्मान | सतत विकास के क्षेत्र में सीसीएल के उल्लेखनीय योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति

सीसीएल को ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया प्लेटिनम अवार्ड

रांची। सेण्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) को उत्कृष्ट कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के लिए प्रतिष्ठित ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सीसीएल की ओर से गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि यह सम्मान सीसीएल के हजारीबाग कोयला खनन क्षेत्र में संचालित समग्र सामुदायिक विकास परियोजना के लिए प्रदान किया गया, जिसने आसपास के नौ गांवों के लगभग 5000 परिवारों के जीवन में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है।

नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में यह पुरस्कार सीसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर) सिद्धार्थ शंकर लाल के नेतृत्व वाली टीम ने प्राप्त किया।

यह सम्मान ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन तथा सतत विकास के क्षेत्र में सीसीएल के उल्लेखनीय योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है।

सीसीएल की ओर से संचालित इस परियोजना के अंतर्गत जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बहुआयामी प्रयास किए गए। परियोजना के तहत गांवों में तालाब निर्माण एवं पुनर्जीवन, वाटरशेड विकास, जैविक खेती को बढ़ावा, पशुधन विकास, सूक्ष्म उद्यमों का सृजन, सौर आधारित पेयजल व्यवस्था तथा सोलर स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं विकसित की गईं।

परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि इसमें महिलाओं की सक्रिय एवं नेतृत्वकारी भागीदारी सुनिश्चित की गई। महिला स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण महिलाओं को आजीविका आधारित गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया गया। इसके परिणामस्वरूप प्रत्येक परिवार की औसत वार्षिक आय में वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही, रोजगार एवं आय के स्थानीय अवसर बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले पलायन में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

यह परियोजना केवल आधारभूत सुविधाओं के विकास तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने ग्रामीण समुदायों में आत्मनिर्भरता, सामाजिक सहभागिता और पर्यावरणीय संतुलन की भावना को भी मजबूत किया है। जल संरक्षण एवं जैविक कृषि जैसे उपायों ने स्थानीय पर्यावरण को सुदृढ़ करने के साथ-साथ किसानों की उत्पादन क्षमता एवं आय में भी सकारात्मक प्रभाव डाला है।

सीसीएल निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। कंपनी का विश्वास है कि वास्तविक विकास तभी संभव है जब उद्योग और समुदाय साथ-साथ आगे बढ़ें।

सीसीएल सदैव समाज के समग्र उत्थान, ग्रामीण आत्मनिर्भरता एवं समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्ध रही है। ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया प्लेटिनम अवार्ड कंपनी के इसी जनकेंद्रित दृष्टिकोण एवं सतत विकास की भावना का प्रमाण है।

भविष्य में भी सीसीएल अपने खनन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

आधा किमी सड़क में 'गड्ढों का राज'

प्रखंड मुख्यालय से काठीटांड़ तक आधा किमी सड़क में गड्ढे ही गड्ढे

एक साल पहले ही हुआ था इस सड़क का निर्माण

नव प्रदेश संवाददाता

रातू। प्रखंड मुख्यालय से काठीटांड चौक तक बनी महज 300 मीटर की सड़क अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। इस सड़क का निर्माण महज एक साल पहले ही हुआ था, लेकिन घटिया सामग्री और भ्रष्टाचार के चलते छह माह में ही यह सडक गड्ढों में तब्दील हो गई है। थाने के सामने ही सबसे पहले सडक खराब हुई। रातू थाना गेट से लेकर काठीटांड चौक तक जाने वाली यह सड़क कई जगहो पर पूरी तरह उखड़ चुकी है। जिनमें बारिश का पानी भर जाता है। दोपहिया वाहन चालक रोज दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाने के सामने ही सड़क की यह हालत पथ निर्माण विभाग की कार्यशैली पर सवालिया निशान है। स्थानीय दुकानदार राजेश चौधरी ने बताया, पिछले साल ही इस सड़क को बनाया गया था। ठेकेदार ने इतनी घटिया क्वालिटी का काम किया कि छह माह में ही गिट्टी, अलकतरा उखड़ने लगी। अब तो पूरी सड़क कई जगह तालाब बन जाती है। संजय कुमार ने कहा कि विभाग और ठेकेदार की मिलीभगत से सरकारी पैसे की खुलेआम बंदरबांट हुई है।

एक साल में उजड़ी सड़क ने खोली भ्रष्टाचार की पोल

राहगीर और स्कूली बच्चे परेशान

इस सड़क में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, जेसीईआरटी, पावर सब स्टेशन, कई निजी बडे हॉस्पीटल, रातू थाना के अलावे स्वयं प्रखंड मुख्यालय है। इस सडक से रोज सैकड़ों स्कूली बच्चे, थाने आने-जाने वाले फरियादी और बाजार जाने वाले लोग गुजरते हैं। गड्ढों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। ऑटो चालक गफार कहते हैं, गड्ढों में गाड़ी फंसने से रोज नुकसान हो रहा है। सवारी बैठने से मना कर देती है। थाना सामने है फिर भी कोई सुनवाई नहीं।

आप नेता के सवाल

अधिवक्ता सह आम आदमी पार्टी के नेता लक्ष्मण सिंह ने मौके का दौरा कर कहा, प्रखंड मुख्यालय एवं रातू थाना के सामने ही एक साल में सड़क का उखड़ जाना साफ बताता है कि कितने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। यह सरकारी पैसे की लूट है। जिस ठेकेदार और इंजीनियर ने इस सड़क को पास किया है, उनके खिलाफ जांच हो।

जिप अध्यक्ष ने कहा

इस संबंध में जिप अध्यक्ष रांची निर्मला भगत से बात करने पर उन्होने बताया कि यह काम जिला के द्वारा कराया गया था। स्थानीय अधिकारियो को इसकी जानकारी नही थी। आधा किमी सडक बनाने में भी घोटाला दिख रहा है। जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिसके कारण दुर्घटना भी बढ़ रही है। इसकी जानकारी ग्रामीण विकास मंत्री को दूंगी और सड़क निर्माण कार्य की जांच करायी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

जमानत मिल जाना निर्दोष होने का प्रमाण नहीं : बाबूलाल मरांडी

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आलमगीर आलम को जमानत मिलने और इसपर कांग्रेसियों की ओर से मनाए जा रहे जश्न पर को लेकर कहा है कि यह केवल उम्र और बीमारी के आधार पर कड़ी शर्तों के साथ मिली अंतरिम राहत है, अंतिम फैसला नहीं। उन्होंने कहा है कि मनी लॉन्ड्रिंग और टेंडर कमीशन घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को उच्चतम न्यायालय से राहत मिलने के बाद गुरुवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार से जमानत पर बाहर आने का मौका मिला। लेकिन इसे बाइज्जत बरी होना समझने की भूल कोई न करें। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि हैरानी की बात है कि उनके समर्थक और लाभार्थी जमानत पर ऐसे जश्न मना रहे हैं मानो कोई क्रांतिकारी आजादी की लड़ाई लड़कर लौटा हो। मिठाइयां बांटी जा रही है, पटाखे फोड़े जा रहे हैं, आतिशबाजी हो रही है। क्या करोड़ों रुपये की कथित काली कमाई, कमीशनखोरी और गरीबों के हिस्से पर डाका डालने के आरोप अब उत्सव मनाने लायक उपलब्धि बन चुके हैं।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 लागू करें उपायुक्त : विकास आयुक्त

रांची। झारखंड में ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक गुरुवार को आयोजित हुई, जिसमें राज्यभर में ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त सहित अन्य अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश दिया कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल-2026 के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। विकास आयुक्त ने पंचायत स्तर पर कचरा पृथक्करण के लिए स्थल चिन्हित कर वहां प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने की योजना तैयार करने को कहा। प्रत्येक जिले में दो से तीन क्लस्टर विकसित कर वैज्ञानिक तरीके से कचरे की डंपिंग और प्रोसेसिंग करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए थर्ड पार्टी एजेंसी को जोड़ने, पंचायतों की जवाबदेही तय करने और गांव स्तर पर ट्राई-साइकिल और विशेष डिजाइन वाले ई-रिक्शा के उपयोग पर बल दिया। बैठक में डंप साइट की सफाई, पौधरोपण और आबादी एवं जलस्रोतों से दूर प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नगर विकास विभाग, पर्यावरण विभाग, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा पंचायती राज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

संत कोलंबस स्कूल मुरगु तनमय को 94% अंक

रातू। संत कोलंबस स्कूल मुरगु के विद्यार्थियों ने बुधवार को सीबीएसई 12वीं के घोषित शैक्षणिक परिणामों में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। छात्रों की मेहनत, लगन और शिक्षकों-अभिभावकों के मार्गदर्शन का नतीजा एक बार फिर परिणामों में दिखा। विद्यालय के अनुसार, तनमय सिन्हा ने 94% अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। जान्हवी कुमारी झा 92% अंकों के साथ द्वितीय और आदित्य राज 91% अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे। शांभवी राज ने 89% अंक अर्जित किए। प्रियांशु कच्छप, उत्कर्ष ठाकुर और स्लोक नाथ ने 88% अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा साबित की। इसके अलावा अभिनव रंजन ने 87% और शौक्तिका श्रीवास्तव ने 86% अंक हासिल किए। विद्यालय के प्राचार्य अभिनव आर्य ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सीबीएसई 12 वीं में गुरू गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल का दमदार प्रदर्शन

विज्ञान में अशप्रीत व निम्मी टॉपर

NIMMI KUMARI | KARUNA KUMARI | NISHI KUMARI | ASHPREET KAUR

रातू। सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025-26 के परिणाम में गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। तीनों संकायों में छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का परिचय दिया। विद्यालय द्वारा जारी परिणाम के अनुसार, विज्ञान संकाय में अशप्रीत कौर और निम्मी कुमारी ने 94% अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया। दोनों छात्राओं ने नियमित पढ़ाई और शिक्षकों के मार्गदर्शन को अपनी सफलता का आधार बताया।

वाणिज्य संकाय में निशी कुमारी ने 92% अंक लाकर स्कूल में टॉप किया। कला संकाय में करुणा कुमारी ने 91% अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। सफल छात्रों के साथ शिक्षकों और अभिभावकों ने भी एक-दूसरे को बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या शालिनी विजय ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि छात्र आगे भी इसी तरह मेहनत कर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।

एक नजर

संत माईकल + 2 स्कूल मुरी का सीबीएसई कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में परिणाम बेहतर रहा

सिल्ली/मुरी। संत माईकल + 2 स्कूल मुरी का सीबीएसई कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में परिणाम बेहतर रहा । सीबीएसई 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में संत माईकल + 2 स्कूल मुरी के छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें पूजा दत्ता ने 89.2 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल टॉपर रही। साथ ही शुभम चौधरी 86.2 प्रतिशत, आयुषी कुमारी 86 प्रतिशत, रितिका कुमारी 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के निदेशक डॉ. राकेश कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने ये भी कहा कि ये परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का ही फल है। साथ ही उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के सभी शिक्षकों को भी दिया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने गुणवत्ता शिक्षा प्राप्त करके इस मुकाम को हासिल किया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. रूपेश कुमार ने शिक्षकों एवं विद्याथीर्यों की बधाई के साथ विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिए। उन्होंने उन सभी अभिभावकगण को धन्यवाद दिए। जिन्होंने विद्यालय के प्रति भरोसा जताया। विद्यालय के प्राचार्य सीएल प्रजापति ने इतनी बड़ी सफलता के लिए सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किए एवं सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दिए। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपनी खुशी जाहिर की।

चार दिन बाद सकुशल मिला लापता किशोर प्रमित, परिवार ने ली राहत की सांस

रातू। थाना क्षेत्र के जीटी सेंटर के पास से रविवार सुबह लापता हुआ किशोर प्रमित रंजन पटेल पिता प्रदीप पटेल बुधवार रात आठ बजे के करीब सकुशल मिल गया। बच्चे के सुरक्षित मिलने की खबर से परिवार और क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। प्रमित को रेलवे पुलिस ने लोहरदगा ट्रेन में पकड़ा। इसके बाद रेलवे पुलिस द्वारा रातू थाना को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद रातू पुलिस तुरंत प्रमित को लाने के लिए पिस्का स्टेशन पहुंची और उसे अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद गुरूवार सुबह परिजनो को प्रमित के मिलने की जानकारी दी। ज्ञात हो कि प्रमित के लापता होने के बाद परिजन काफी परेशान थे और लगातार उसकी तलाश में जुटे थे। मामले की जानकारी मिलते ही रांची सांसद संजय सेठ भी उसके परिजनो से मिलकर जानकारी ली। उन्होने पुलिस के उच्च अधिकारियो से बात कर उसकी खोजबीन की बात कही। परिजनो ने रातू पुलिस सहित रेलवे पुलिस को धन्यवाद दिया। बच्चे के सकुशल घर लौटने से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। इस संबंध में प्रमित की मां ने बताया कि उनका बेटा मिल गया है। हम सभी प्रेस का आभारी है जिन्होने पुलिस पर बच्चे के तलाश को लेकर दबाव बनाया। उन्होने रातू पुलिस के अधिकारियो को धन्यवाद दिया है। उन्होने बताया कि प्रमित से बात करने पर उसने लोहरदगा घुमने जाने की बात कही। पैसा के संबंध में पुछने पर उसने बताया कि पॉकेट मनी को बचाकर रखता था।

बाँध-गाढ़ा कमेटी के बुजुर्ग तेजू मियां ने फीता काटकर किया उद्घाटन

राँची। बुढ़मू प्रखंड के मक्का बाँधगढ़ा गाँव में आज गुरुवार दोपहर 1 बजे 25 केबी ट्रांसफार्मर का बुढ़मू प्रखंड क्षेत्र के जाने माने चर्चित समाज सेवीयों ने विधिवत पूर्वक फीता काटकर उद्घाटन किया। बताया जाता है कि इससे पूर्व 25 केबी का ही ट्रांसफार्मर लगा हुआ था, पर 25 केबी के हिसाब से अत्यधिक आबादी एवं काफी पुराना होने के कारण बिजली का भार ट्रांसफार्मर नहीं उठा पा रहा था, बार बार ट्रांसफार्मर का फ्यूज कट जा रहा था। हालांकि ग्रामीणों के अनुसार भीषण गर्मी में पिछले 10 दिनों से क्वैल जलना और वोल्टेज की कमी से ग्रसित लोग काफी मशक्कत से दिन रात गुजारने पर बेबस थे। ये सूचना ग्रामीणों व क्षेत्र के समाज सेवीयों ने जैसे ही ऊर्जा विभाग में कार्यरत डिंपू और अइनुल अंसारी को दिया, कानों-कान सूचना मिलते ही दोनों कर्मचारियों ने भीषण गर्मी से तरस्ते बाँधगढ़ा ग्रामीणों के बीच आज गुरुवार को 25 केबी नए ट्रांसफार्मर सौंप कर बड़ा मिशाल कायम किया है। उद्घाटन के दौरान बुढ़मू प्रखंड में नव निर्मित कमेटी, बुढ़मू प्रखंड निगरानी कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने इस पहल को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी तो है ही, पर ऊर्जा संकट के बीच सबसे ज्यादा शिक्षा हासिल करने वाले बच्चे बच्चियां ज्यादा प्रभावित थे। इस दौरान बुढ़मू निगरानी कमेटी के सदर नौशाद अहमद सेक्रेट्री गुलशाद राजा, खजाँची वारिस अंसारी के साथ में बाँधगाढ़ा कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। बुजुर्ग तेजू मियॉ, हाजी मनिरुद्दीन साहब, बुढ़मू अंजुमन के सदर मुश्ताक अंसारी, मतवे जामा मस्जिद के सदर मजिबुल अंसारी, इमरान अंसारी, शेरू उर्फ शाहरुख, इम्तियाज अंसारी, इस्तियाक अंसारी, शमशाद अंसारी, सउद अंसारी, कलाम अंसारी, रफीक अंसारी, हुसैन अंसारी, युनूस अंसारी, सफरुद्दीन अंसारी, हसीब अंसारी, मुस्लिम अंसारी, सलमान अंसारी (सोनी टेंट) इत्यादि लोग शामिल रहे।

होमगार्ड भर्ती में देरी पर उबाल: 16 मई को अधिकार यात्रा व महाघेराव

देवेन्द्र नाथ महतो ने उठाई पारदर्शिता की मांग, हजारों छात्रों के जुटने का दावा

नवप्रदेश संवाददाता

सिल्ली/रांची। रांची जिला में 1614 पदों पर चल रही होमगार्ड नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर अब युवाओं का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। रिजल्ट प्रकाशन में लगातार हो रही देरी से नाराज अभ्यर्थियों ने आंदोलन का ऐलान कर दिया है। 16 मई 2026 को दिन के 11 बजे मोराबादी मैदान से उपायुक्त कार्यालय तक अधिकार यात्रा सह महा घेराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मोराबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क में आयोजित सामूहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जेएलकेएम आंदोलनकारी नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि होमगार्ड नियुक्ति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब युवाओं के धैर्य की परीक्षा ले रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हजारों अभ्यर्थियों ने लंबे समय तक कड़ी मेहनत और अभ्यास कर सभी चरणों को पूरा किया, लेकिन अब तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अब युवा चुप नहीं बैठेंगे। 16 मई को बड़ी संख्या में छात्र-युवा मोराबादी मैदान में एकत्रित होंगे और वहां से अधिकार यात्रा निकालते हुए उपायुक्त कार्यालय का घेराव करेंगे। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही रिजल्ट जारी नहीं किया गया, तो आंदोलन और भी उग्र रूप ले सकता है। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल रिजल्ट जारी करने का मामला नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य और उनके अधिकारों से जुड़ा मुद्दा है। अभ्यर्थियों ने अपने सपनों को साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत की है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण उनके सपनों पर संकट मंडरा रहा है। इस दौरान जिला उपायुक्त के समक्ष कई मांगें भी रखी गईं। प्रमुख मांगों में होमगार्ड नियुक्ति का रिजल्ट अविलंब जारी करने, रिजल्ट में हो रही देरी का कारण सार्वजनिक करने, पूरी नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने की बात शामिल है। इसके अलावा शहरी क्षेत्र के कुछ अभ्यर्थियों द्वारा फर्जी स्थानीय प्रमाण पत्र इस्तेमाल करने की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी उठाई गई, ताकि स्थानीय युवाओं के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। आंदोलनकारी नेताओं का कहना है कि यदि समय रहते इन मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। फिलहाल 16 मई को प्रस्तावित ह्यअधिकार यात्रा सह महा घेरावह्न को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं और इसमें रांची जिला के हजारों छात्रों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

साई नारकोस ने 10 विकेट से जीता एसपीएल 2026 का खिताब

रांची। साई क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित साई प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल मुकाबले में साई नारकोस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए साई पाइरेट्स को 10 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबला मोराबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क मैदान में खेला गया। मैच के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के क्रिकेट कोच चंचल भट्टाचार्य रहे, जिन्होंने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में हेमंत राय और दिलीप कुमार भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के कोच मणिक चंद्र घोष थे। टॉस जीतकर साई पाइरेट्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 18 ओवर में 91 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से धीरज कुमार ने सर्वाधिक 26 रन बनाए, जबकि कार्तिक कुमार महतो ने 15 रनों का योगदान दिया। साई नारकोस की ओर से समीर अंसारी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर 3 विकेट झटके। युवराज और हर्ष ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि पिंटू और सूर्यांश को एक-एक सफलता मिली।

92 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साई नारकोस की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए बिना कोई विकेट खोए 13 ओवर में 94 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। अभिषेक कुमार ने नाबाद 49 रन और हर्ष ने नाबाद 41 रन की शानदार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने शुरूआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और टीम को आसान जीत दिलाई। फाइनल मुकाबले में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए हर्ष स्वासी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, पूरे टूनार्मेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द टूनार्मेंट का पुरस्कार भी दिया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में अभिषेक कुमार को बेस्ट बल्लेबाज, समीर अंसारी को बेस्ट गेंदबाज, अवरन सिंह को बेस्ट विकेटकीपर, पिंटू कुमार को बेस्ट फील्डर तथा केशव तिवारी को इमर्जिंग प्लेयर का पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर खिलाड़ियों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने साई क्रिकेट अकादमी की सराहना की।

मंत्री ने ओलावृष्टि पर डीसी से मांगी रिपोर्ट

रांची। झारखंड में हालिया बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को लेकर आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी ने गुरुवार को सभी जिलों के उपायुक्तों से दिनों के भीतर स्थल निरीक्षण कर क्षति रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के कई जिलों में आम, लीची, तरबूज, खरबूज, सब्जी, मक्का और दलहन की फसलें प्रभावित हुई हैं। खेतों में तैयार फसलों और फलदार पेड़ों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

तीन साल की अनाथ बच्ची को पाल पोसकर पढ़ाया-लिखाया, अब करा दी शादी

मानवता की मिसाल : अनाथ को मिला जीवन साथी

क्षेत्र में चर्चा का विषय है शादी

बच्ची के तीन वर्ष के दौरान माता- पिता की हो चुका है निधन

मंदिर में भव्य तरीके से हुई शादी

नव प्रदेश संवाददाता

रातू। मानवीय संवेदना और सेवा की मिसाल पेश करते हुए झखराटांड निवासी एक समाजसेवी मोहन साहु ने तीन साल की उम्र से अनाथ हुई बच्ची को बेटी की तरह पाल-पोसकर बड़ा किया और बुधवार को झखराटांड स्थित मां वैष्णवी मंदिर में उसकी शादी करा दी। यह शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार बच्ची के माता-पिता की मृत्यु जब बच्ची तीन साल की थी तब ही हो चुकी थी। इसके बाद समाजसेवी ने बच्ची की जिम्मेदारी उठाकर उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह रखा। शिक्षा से लेकर हर जरूरत का ख्याल रखते हुए उसे बड़ा किया। आज उसी बच्ची की मंदिर में भव्य शादी संपन्न हुई। शादी में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, स्थानीय नागरिक और शुभचिंतक शामिल हुए। काठीटांड़ के समाजसेवी पृथ्वीनाथ शाहदेव, महेश महतो, अरविंद पांडेय, धर्मेन्द्र सिंह, कृष्णा उरांव, मृत्युजंय शर्मा, आदित्य तिर्की, अमर उरांव, लक्ष्मण सिंह सहित कई लोगो का कहना है कि इस पहल ने समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। लोगों का कहना है कि समाजसेवी का यह कदम मानवता की सच्ची सेवा है।

क्या कहते हैं मोहन साहु

इस संबंध में मोहन साहु ने बताया कि अनाथ बच्ची मीना कुमारी अब अनाथ नहीं है। उसे हम लोगों ने मां- बाप, दादा- दादी, भाई-बहन सभी का प्यार दिया। बुधवार को उसकी शादी कांके थाना के कमडे निवासी सुदामा पांडेय के पुत्र पंकज पांडेय से करा दी गयी। इस विवाह में वह सारे काम किए गये, जो अपनी सगी बेटी की शादी में करत हैं। मीना का घर बस गया, तो मन को शांति मिली।

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

Sl. No.	Particulars	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period for construction
1.	SUPPLYING, INSTALLATION & COMMISSIONING OF 1 NO. V.T. PUMPSET AND OTHER ALLIED ACCESSORIES ALONG WITH ASSOCIATED WORKS AT RAW WATER [illegible] PUMPING PLANT FOR URBAN WATER SUPPLY, HAZARIBAG	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

नगर आयुक्त, नगर निगम, हजारीबाग।

PR 379816 Urban Development and Housing(26-27)D

संक्षिप्त खबरें

आंजन टोल प्लाजा में 15 मई को गूंजेगा विरोध

नवप्रदेश/गुमला। नागफेनी स्थित आंजन टोल प्लाजा के द्वारा स्थानीय लोगों से मनमाना ढंग से वसूली के आलोक में गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में सभी व्यवसायी एकजुट होकर नागफनी स्थित टोल प्लाजा जाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश लोहानी ने सभी व्यापारियों और आम नागरिकों से आह्वान किया है कि भारी संख्या चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल के साथ टोल प्लाजा जाने का कष्ट करें और मनमाना वसूली के खिलाफ एकजूटता का परिचय दें।

चासः प्रसव के दौरान 19 वर्षीय महिला की मौत, शिव अस्पताल में परिजनों का भारी हंगामा

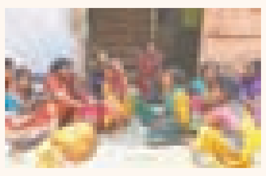

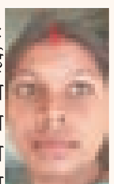

नवप्रदेश/बोकारो: चास के आईटीआई मोड़ स्थित 'शिव हॉस्पिटल' में इलाज के दौरान भारी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहाँ प्रसव (डिलिवरी) के दौरान एक 19 वर्षीय प्रसूता की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में जमकर बवाल काटा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, चंदनकियारी थाना क्षेत्र के खेड़ा बेड़ा गांव निवासी राजेश महतो की पत्नी लक्ष्मी कुमारी को प्रसव के लिए शिव हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने तय तारीख से पहले ही प्रसव कराने का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान महिला की हालत बिगड़ गई और उसकी जान चली गई।

अस्पताल छोड़कर भागे डॉक्टर और स्टाफ

घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि जैसे ही लक्ष्मी की मौत हुई, अस्पताल के डॉक्टर और तमाम कर्मचारी मरीज को उसी हाल में छोड़कर मौके से फरार हो गए। इस संवेदनहीनता से ग्रामीण और अधिक आक्रोशित हो गए।

परिजनों ने गेट पर दिया धरना

मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर 'मेडिकल नेग्लिजेंस' का आरोप लगाते हुए अस्पताल के मुख्य द्वार को जाम कर दिया और धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है किः डॉक्टरों की लापरवाही के कारण एक नवविवाहिता की जान गई है। दोषी डॉक्टर पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए। अस्पताल का लाइसेंस रद्द किया जाए।

पुलिसिया कार्रवाई और जांच

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परिजनों के लिखित बयान के आधार पर मामले की गहनता से जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजड़ गई हैं। जब तक न्याय नहीं मिलेगा, हम पीछे नहीं हटेंगे।

— राजेश महतो (मृतिका के पति) यह घटना निजी अस्पतालों की कार्यशैली और सुरक्षा मानकों पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करती है।

घर में घुसकर चोरी व छेड़खानी करने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

नवप्रदेश/बोकारो, बालीडीह: बालीडीह थाना क्षेत्र के अंतर्गत बियाडा बाजार में एक महिला के साथ हुई अभद्रता और चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 14 मई 2026 को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शशि शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, घटना 2 मई 2026 की रात की है जब पीड़िता अपने परिवार के साथ घर में सो रही थी। उसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति चोरी की नियत से घर में घुसा और अंधेरे का फायदा उठाकर महिला के साथ छेड़खानी की कोशिश की महिला के शोर मचाने पर आरोपी घर से एक मोबाइल और 2000 नकद लेकर फरार हो गया। हैरानी की बात यह रही कि अगले दिन आरोपी ने चोरी किया हुआ मोबाइल महिला के घर के बाहर फेंक दिया।

CCTV फुटेज से हुई पहचान

घटना के बाद जब पीड़िता ने पास में लगे CCTV फुटेज की जाँच की, तो उसमें पड़ोस में ही रहने वाला शशि शर्मा मोबाइल फेंककर भागते हुए दिखाई दिया। इसके बाद 5 मई को बालीडीह थाना में कांड संख्या 79/26 के तहत मामला दर्ज किया गया।

गिरफ्तारी और बरामदगी

गुप्त सूचना के आधार पर बालीडीह पुलिस ने आज आरोपी शशि शर्मा (पिता- राजेश शर्मा, निवासी- छतनीटांड़) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से निम्नलिखित वस्तुएं बरामद की हैं: मोटरसाइकिलः हीरो होण्डा ग्लैमर (नंबर- JH09J-3291), जो घटना में प्रयुक्त की गई थी। अन्यः एक प्लास्टिक का डिब्बा, जिसमें आधा डिब्बा लाल मिर्च पाउडर भरा हुआ था।

पुराना आपराधिक इतिहास

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त शशि शर्मा का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर पहले भी बालीडीह थाना में चोरी से संबंधित दो मामले (कांड सं. 102/14 और कांड सं. 47/22) दर्ज हैं

इस सफल छापेमारी दल में मुख्य रूप से पु०अ०नि० अविनाश कुमार गौतम, नित्यानंद भोक्ता, जितेन्द्र कु० यादव और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेजः उत्कृष्ट प्लेसमेंट के साथ नए सत्र में नामांकन शुरू

नवप्रदेश/गुमला। गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज ने वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट कैंपस चयन परिणामों को साझा करते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ करने की घोषणा की है। इस संबंध में कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता में निदेशक अभिजीत कुमार एवं शासी निकाय की सदस्या रेणुका यशस्वी ने जानकारी दी। निदेशक अभिजीत कुमार ने बताया कि वर्ष 2025-26 में यांत्रिक, विद्युत, सिविल, ऑटोमोबाइल एवं खनन अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है, जो संस्थान के उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण और उद्योगों से मजबूत संबंधों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि सत्र 2026-27 में सिविल (90 सीट), विद्युत (90 सीट), यांत्रिक (90 सीट), खनन (30 सीट) अभियांत्रिकी एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग (60 सीट) में नामांकन की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही कार्यरत युवाओं के लिए विशेष डिप्लोमा कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। रेणुका यशस्वी ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी शिक्षा के साथ उद्योगों के अनुरूप कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना है। कॉलेज निरंतर अपने पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण पद्धतियों को अद्यतन कर रहा है। प्रेस वार्ता में प्राचार्य डॉ. शिबा नारायण साहू सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज कार्यालय या आधिकारिक माध्यमों से नामांकन संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बोकारो: महिला की गला रेतकर हत्या करने वाला आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार, खून से सना चाकू बरामद

नवप्रदेश/बेरमो (बोकारो): नावाडीह थाना क्षेत्र के चपरी गाँव में हुई एक सनसनीखेज हत्या के मामले को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस ने हत्या के आरोपी पिंटू कुमार महतो को गिरफ्तार कर लिया है और उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया धारदार खून लगा चाकू भी बरामद कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 मई 2026 को नावाडीह थाना क्षेत्र के ग्राम चपरी में एक महिला की गला काटकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में नावाडीह थाना कांड संख्या 36/26, धारा 103(1) बी.एन.एस. के तहत चपरी निवासी पिंटू कुमार महतो (पिताः मितन महतो) के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए बोकारो पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (रक्ळ) का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिंटू कुमार महतो को 24 घंटे के अंदर धर दबोचा।

छापामारी दल में शामिल अधिकारी इस सफल कार्रवाई में निम्नलिखित पुलिस अधिकारी शामिल थेः

नवल किशोर सिंहः पुलिस उपाधीक्षक, बेरमो अंचल।

राजीव रंजनः अनुसंधानकर्ता, नावाडीह थाना।

अमित कुमार सोनीः थाना प्रभारी, नावाडीह।

मनीष कुमारः थाना प्रभारी, दुग्दा।

श्रीनिवास कुमार सिंहः ओ.पी. प्रभारी, बोकारो झरिया।

नितिश कुमारः थाना प्रभारी, पेंक नारायणपुर।

नावाडीह थाना सशस्त्र बल।

पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही घटना में प्रयुक्त खून लगा चाकू भी विधिवत जब्त कर लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

पानी पीकर जीता भरोसा! अबुआ आवास लाभुक के घर पहुंचे डीसी, योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी

नवप्रदेश/बोकारो: सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव लाएं - इसी सोच के साथ उपायुक्त अजय नाथ झा ने गुरुवार को पेटरवार प्रखंड के गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आम बागवानी और अबुआ आवास योजना का निरीक्षण कर लाभुकों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। **सावित्री देवी के घर पहुंचकर पिया पानी** ओरदाना गांव में अबुआ आवास योजना की लाभुक सावित्री देवी के घर पहुंचे उपायुक्त ने परिवार के साथ बैठकर आत्मीय बातचीत की। इस दौरान घर में दिया गया पानी उन्होंने सहज भाव से स्वीकार किया। प्रशासनिक अधिकारी का यह व्यवहार ग्रामीणों के लिए भावुक पल बन गया और गांव में इसकी खूब चर्चा हुई।

पुलिस को बड़ी सफलताः दो घरों में चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, चार गिरफ्तार

नवप्रदेश/बेरमो, बोकारोः बोकारो जिले के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत चंद्रपुरा पुलिस ने दो अलग-अलग घरों में हुई चोरी की घटनाओं का सफल उद्भेदन करते हुए गिरोह के तीन मुख्य आरोपियों और चोरी का सामान खरीदने वाले एक स्वर्णकार को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में चोरी के गहने और मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं.

घटना का विवरण

पुलिस द्वारा जारी प्रेस-विज्ञप्ति के अनुसार, चोरी की पहली घटना दिनांक 10.05.2026 की रात स्टेशन रोड गुरुद्वारा के पास स्थित जितेंद्र कुमार चौधरी के घर (हाउस नं-492) में हुई थी. चोरों ने रात 12:00 से 02:00 बजे के बीच घर में घुसकर गहने, मोबाइल फोन और लगभग 8-10 हजार रुपये नकद उड़ा लिए थे, जिसके संबंध में चंद्रपुरा थाना में कांड सं0-54/26 दर्ज किया गया था.

इससे पूर्व, चंद्रपुरा के चर्च रोड स्थित एक अन्य घर में भी गृहभेदन (चोरी) की घटना हुई थी, जिसे लेकर कांड संख्या-53/2026 दर्ज थी.

SIT टीम ने की कार्रवाई

इन वारदातों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो तेनुघाट के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मानवीय सूचनाओं के आधार पर छापेमारी कर गिरोह के तीन मुख्य सदस्यों को धर दबोचा.

गिरफ्तार अभियुक्तः

गोलू कुमार (बिरसा बस्ती, चंद्रपुरा) - इसके खिलाफ पूर्व में भी 8 आपराधिक कांड दर्ज हैं.

विवेक रविदास उर्फ राहुल रविदास (प्रेमनगर पहाड़ी, चंद्रपुरा).

रोहन कुमार (प्रेमनगर पहाड़ी, चंद्रपुरा).

गणेश कुमार स्वर्णकार (लुकैया, पेटरवार) - चोरी का सामान खरीदने वाला.

बरामद सामान की सूची

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने चोरी के गहने पेटरवार स्थित स्वर्णकार गणेश कुमार के पास बेचे थे. पुलिस ने स्वर्णकार को गिरफ्तार कर उसके पास से निम्नलिखित सामान बरामद किया हैः

420 ग्राम चांदी (चार जोड़ी पायल, बिछिया, चैन आदि).

10 ग्राम सोना (गला हुआ).

5 मोबाइल फोन (जिसमें एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल भी शामिल है).

पुलिस टीम में शामिल अधिकारी

इस सफल कार्रवाई में चंद्रपुरा थाना प्रभारी विक्रम कुमार, दुग्दा थाना प्रभारी मनीष कुमार, बोकारो झरिया ओ०पी० प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह, अनुसंधानकर्ता कुन्दन कुमार पासवान, अमरजीत कुमार और चंद्रपुरा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे.

चांडिल में 3 करोड़ 33 लाख की लागत से बनने वाले दो सड़कों का विधायक ने किया शिलान्यास

चांडिलः- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत चांडिल प्रखंड की दो महत्वपूर्ण सड़कों का शिलान्यास गुरुवार को विधायक सविता महतो ने विधिवत शिलापट्ट अनावरण कर किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि चांडिल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बानसा-रेयारदा पथ के लपाईबेड़ा से गुटिउली देवरागोड़ा तक 2.8 किलोमीटर सड़क का निर्माण 2 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। वहीं एनएच-33 से हुमीद ग्राम तक 1.47 किलोमीटर सड़क का निर्माण 84 लाख रुपये की लागत से होगा। दोनों योजनाओं पर कुल 3 करोड़ 33 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

बोकारो पुलिस की बड़ी सफलताः महाराष्ट्र का शातिर चैन स्नैचर सिटी सेंटर से गिरफ्तार

नवप्रदेश/बोकारोः जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में बोकारो पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर में चैन छीनकर भाग रहे एक शातिर अपराधी को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी महाराष्ट्र का रहने वाला है और उस पर देश के विभिन्न राज्यों में दर्जनों मामले दर्ज हैं। **क्या है पूरा मामला?** बीती 12 मई 2026 को सिटी सेंटर के प्लॉट संख्या HA-07 के पास एक अज्ञात अपराधी ने चैन छिनतई की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में सेक्टर-4 थाना में कांड संख्या 36/2026 दर्ज करते हुए पुलिस जांच में जुटी थी। घटना के वक्त भागने के क्रम में ही पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। **गिरफ्तार अपराधी की पहचान** पकड़े गए अपराधी की पहचान भारत गुरुदास वासवानी (42 वर्ष), पिता- गुरुदास मल वासवानी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से ग्राम सिंधानपुर, अमरावती (महाराष्ट्र) का रहने वाला है। **बरामदगी का विवरण** पुलिस ने आरोपी के पास से छिनतई के सामान सहित अपराध में इस्तेमाल की गई वस्तुएं बरामद की हैंः सोने की चैन (टूटी हुई) एक होंडा एसपी मोटरसाइकिल (नंबर- BR02BZ-8727) एक विवो मोबाइल एक काली टोपी और मुंह ढंकने वाला कपड़ा **लंबा है आपराधिक इतिहास** पुलिस जांच में पता चला है कि भारत गुरुदास वासवानी एक आदतन अपराधी है। उस पर महाराष्ट्र के अमरावती और नागपुर सहित पश्चिम बंगाल के आसनसोल में कुल 13 मामले पहले से दर्ज हैं। इनमें लूट (धारा 392), चोरी (धारा 379) और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज हैं। वर्ष 2025 में भी उसने आसनसोल क्षेत्र में कई छिनतई की वारदातों को अंजाम दिया था।

चास CO की कार्यशैली से जनता पस्त, भाजपा नेता ने SDM को सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश/बोकारो/संवाददाता। चास अंचलाधिकारी की कार्यप्रणाली और प्रमाण पत्र निर्गत करने में हो रही देरी के खिलाफ भाजपा मुखर हो गई है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने गुरुवार को अनुमंडलाधिकारी प्रांजल डांढा से मुलाकात कर चास अंचल की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि अंचलाधिकारी की मनमानी के कारण आम जनता, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और विस्थापित ग्रामीण बेहद परेशान हैं। **EWS प्रमाण पत्र के लिए मांगे जा रहे अनावश्यक कागजात** SDM को सौंपे ज्ञापन में कुमार अमित ने कहा कि चास के वर्तमान अंचलाधिकारी ने जब से पदभार संभाला है, ई.डब्लू.एस (EWS) प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। पूर्व में आय और आवासीय प्रमाण पत्र के आधार पर यह बन जाता था, लेकिन अब अनावश्यक दस्तावेजों की मांग कर आवेदकों को दौड़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के अन्य अंचलों में पुरानी व्यवस्था ही लागू है, लेकिन चास में नियमों को ताक पर रखकर जनता को परेशान किया जा रहा है। **अंचलाधिकारी द्वारा जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करना चिंताजनक है। विस्थापित ग्रामीण अपने ही हक के कागजातों के लिए भटक रहे हैं। — कुमार अमित, भाजपा नेता- विस्थापितों की समस्याओं पर जताई चिंता** भाजपा नेता ने बोकारो स्टील प्लांट के विस्थापितों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विस्थापित ग्रामीणों के आय, आवासीय और जाति प्रमाण पत्र नहीं बनाए जा रहे हैं। अपनी जमीन देकर शहर बसाने वाले ये लोग आज अपनी पहचान और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। उन्होंने मांग की कि उद्धछफद्वारा निर्गत विस्थापित प्रमाण पत्र के आधार पर ही उनके दस्तावेज बनाए जाएं। **जल्द कार्रवाई का आश्वासन** मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडलाधिकारी प्रांजल डांढा ने कुमार अमित को आश्वासन दिया कि वे स्वयं इन विषयों की समीक्षा करेंगे और नियमों के अनुसार जनता को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

सरायकेला एसपी निधि द्विवेदी ने किया मासिक अपराध गोष्ठी

सरायकेलाः सरायकेला में पुलिस कार्यालय सभागार में अप्रैल माह की मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निधि द्विवेदी ने की। गोष्ठी में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में हाल ही में पुलिस द्वारा शुरू किए गए विभिन्न प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की गई तथा बेहतर कार्य करने वाले थानों की सराहना की गई। एसपी ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया था, जिसका अनुपालन करते हुए चौपाल और पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। एसपी ने जानकारी दी कि प्रोजेक्ट 'डिवाइस' के 20-25 दिनों में 75 मोबाइल उनके मालिकों को लौटाए गए हैं। इसका विस्तृत डेटा जल्द जारी किया जाएगा। अप्रैल माह में दर्ज मामलों की तुलना में अधिक मामलों का निष्पादन किया गया, जिसे एसपी ने सराहनीय बताया। सभी थाना प्रभारियों को परमानेंट वारंट, जिसे 'लाल वारंट' कहा जाता है,

फल दुकानों व स्ट्रीट फूड वेंडरों पर खाद्य सुरक्षा विभाग का कसता शिकंजा

स्वच्छता में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

नवप्रदेश गुमला। आमजनों को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त महोदय, गुमला के निर्देश एवं अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गुमला के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री प्रकाश चंद्र गुग्गी के नेतृत्व में सिसई प्रखंड के विभिन्न चौक-चौराहों पर फल दुकानों, स्ट्रीट फूड वेंडरों, गुपचुप एवं चाट ठेलों का निरीक्षण किया गया।सभी दुकानदारों को साफ पानी इस्तेमाल करने, खाद्य सामग्री को सही तरीके से ढक्कर रखने का निर्देश दिया गया।अभियान के दौरान कई स्थानों पर साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर अधिकारियों ने तत्काल सुधार करने के निर्देश देते हुए सख्त चेतावनी जारी की। साथ ही साथ सभी दुकानदारों को एप्रन, ग्लव्स, मास्क आदि का प्रयोग करने का निर्देश दिया गया।अभियान के तहत गुपचुप विक्रेताओं एवं स्ट्रीट फूड वेंडर्स को ग्लव्स, कैप एवं साफ-सुथरे बर्तनों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया तथा स्वच्छ पेयजल के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम से संबंधित आवश्यक नियमों एवं मानकों की जानकारी भी दी गई,खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री प्रकाश चंद्र गुग्गी ने बताया कि जिले में यह अभियान लगातार जारी रहेगा और आमजनों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो भी विक्रेता नियमों की अनदेखी करेंगे या खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करते पाए जाएंगे अथवा दुबारा औचक निरीक्षण में सुधार नहीं पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के सुसंगत धारा के अंतर्गत नियमानुसार कड़ी करवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे संदिग्ध खाद्य पदार्थों की जानकारी विभाग को दें और साफ-सफाई का ध्यान रखने वाले विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री खरीदें।

एक नजर

कोब्जा पंचायत के ग्रामीणों ने सड़क और पेयजल समस्या को लेकर गुमला उपायुक्त से लगाई गुहार

नवप्रदेश/गुमला जिला अंतर्गत रायडीह प्रखंड के सुदूरवर्ती कोब्जा पंचायत के पांच गांव बुचीडाड़ी, आवंरा लोंगड़ा, गलगुटरी, नवाटोली और गिनजिनडांड़ — के ग्रामीणों ने समाहरणालय पहुंचकर गुमला उपायुक्त दिलेश्वर महतो को हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने गांवों में सड़क और पेयजल की गंभीर समस्या से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि इन गांवों में आज तक पक्की (कालीकरण) सड़क नहीं बन सकी है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर बारिश के दिनों में स्थिति और बदतर हो जाती है। ग्रामीणों ने सभी गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए नई पक्की सड़क निर्माण कराने की मांग की। इसके अलावा पेयजल संकट को लेकर भी ग्रामीणों ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गांव में पर्याप्त चापाकल नहीं होने के कारण लोग आज भी डाड़ी का पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने नए चापाकल लगाने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि आगामी बुधवार, 20 मई 2026 को गांव में जिला प्रशासन की ओर से विशेष शिविर लगाया जाएगा, जहां समस्याओं का ऑन–द–स्पॉट समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान कमल किशोर किसान, इन्द्रमति देवी, सालों सुगंती खलखो, सनमईत कुजूर, कलिंद्र मुंडा, दशमु मुंडा, समरू महतो, पितरु मुंडा, किरण कुजूर, अजीत खलखो शटेफन मिंज,बिलचदान खलखो, भीम सिंह,अलबर्ट केरकेट्टा सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

पालकोट प्रखंड, ग्राम बंगरु के बांस कारीगरों को मिला रहा प्रशिक्षण

नवप्रदेश/गुमला। बाजार मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, गुमला एवं नीड्स के द्वारा किया गया पहल से सशक्त हो रहें स्थानीय कारीगर,वर्षों से अपने हाथों के हुनर से सुंदर और उपयोगी उत्पाद बनाने वाले बंगारू पालकोट के कारीगरों को अब उनकी मेहनत और प्रशिक्षण से प्राप्त उन्नत कारीगरी का हुनर केवल गांव के बाजार हाट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नगर के बड़ा बाजार तक पहुंचेगा और उनकी आमदनी को मजबूत करेगा। कारीगरों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के माध्यम से नीड्स संस्थान को 10 प्रतिशत के अंशदान पर मशीन/टूल किट का उपलब्ध कराया गया है। बांस कारीगरों को मशीन द्वारा उन्नत प्रशिक्षण, कम समय में अधिक उत्पाद का निर्माण के बारे में 14 दिवसीय प्रशिक्षण ग्राम बंगारू, प्रखंड पालकोट, गुमला में दिया जा रहा है। जिले के कारीगरों की पहचान, उनका पारंपरिक हुनर आधुनिक जरूरतों के अनुरूप और बेहतर बन सके ।बल्कि कारीगरों के लिए एक सुरक्षित और सुविधाजनक कार्यस्थल की भी व्यवस्था की गई। एससीए मद से कॉमन फैसिलिटी सेंटर भवन का निर्माण कराया गया है, जिससे कारीगर धूप, बारिश और कठिन मौसम की चिंता किए बिना नियमित रूप से काम कर सकें ।इस अवसर पर सूरज महतो, प्रखंड उद्यमी समन्वयक, पालकोट नीड्स के मास्टर ट्रेनर, मीरा देवी एवं बांस कारीगर उपस्थित रहें।

कामडारा के मिशन चौक, एवं तुरबुल चौक में परिवहन विभाग द्वारा चला सड़क सुरक्षा अभियान

अभियान में वसूला 1.42 लाख जुमार्ना, चालकों में हड़कंप

नवप्रदेश/गुमला। जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग ने गुरुवार को सख्त रुख अपनाया। जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के निदेर्शानुसार, कामडारा क्षेत्र में एक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई ।अभियान का नेतृत्व मोटरयान निरीक्षक रॉबिन अजय सिंह एवं प्रदीप कुमार तिर्की ने किया। जांच दल ने काम डारा थाना के पास चेकनाका लगाकर आने–जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी ली। इस औचक निरीक्षण से नियम तोड़ने वाले चालकों में हड़कंप मच गया। विभाग द्वारा की गई इस कार्रवाई में कुल 1,42,000 (एक लाख बयालीस हजार) रुपये का जुमार्ना वसूला गया ।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि अभियान का प्राथमिक लक्ष्य सिर्फ जुमार्ना वसूलना नहीं, बल्कि उन गलतियों को सुधारना था जो अक्सर जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। दोपहिया वाहनः बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले और 'ट्रिपल राइडिंग' (एक बाइक पर तीन सवारी) करने वाले युवाओं पर कार्रवाई की गई ।इस मौके पर दस्तावेजों की जाँच,ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, परमिट, प्रदूषण प्रमाण पत्र और रोड टैक्स **ओवरलोडिंग,ध्वनि प्रदूषण**, मोटरयान निरीक्षक रॉबिन अजय सिंह ,एवं प्रदीप कुमार तिर्की ने मौके पर पकड़े गए चालकों को व्यक्तिगत रूप से समझाया। उन्होंने बताया कि सड़क पर छोटी सी लापरवाही न केवल उनकी, बल्कि दूसरों की जान भी ले सकती जिला परिवहन विभाग ने संकेत दिए हैं कि सड़क सुरक्षा को लेकर यह सख्ती आगे भी जारी रहेगी। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे घर से निकलते समय हेलमेट/सीटबेल्ट का प्रयोग करें और अपने वाहन के सभी कागजात दुरुस्त रखें।

गुमला सदर प्रखंड कांग्रेस कमेटी की तत्वाधान में उत्तरी मंडल कोटाम पंचायत की मासिक बैठक हुई

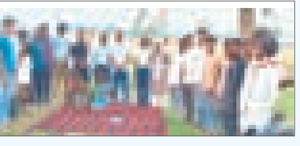

नवप्रदेश/गुमला। अध्यक्ष ब्रजकिशोर उरांव के अध्यक्षता में हुई इस मासिक बैठक में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुए मौके पर ब्रिज किशोर उरांव ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीति और सिद्धांत को आगे बढ़ाने के लिए जन समस्याओं को जानना होगा और जनता की आवाज को उनकी समस्याओं को जिला पदाधिकारी तक पहुंचने की जिम्मेदारी हम सभी पर निर्भर है की कैसे हम अपनी जनता की भलाई और कांग्रेस पार्टी की नीति समझा सकें इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप गुमला सदर प्रखंड अध्यक्ष गुलाम सरवर उपस्थित हुए और उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी पार्टी का ग्राम स्तर पर भूत स्तर पर मजबूत होनी चाहिए इस मौके पर शाहिद खान सैफ अंसारी शाहिद शाह कृष्णा उरांव अब्दुल अंसारी कृष्ण सिंह अब्दुल अंसारी मुजाहिद खान जुनैद खान तननू खान नितेश मुंडा प्रेम कुमार आकाश लोहारा समीर अंसारी राजेश उरांव मांगे उरांव मणिलाल उरांव परदेसिया उरांव दानिश खान मोबिन अंसारी एम जेड अंसारी आदि लोग मौजूद थे

पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह पंचतत्व में विलीनः राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

नवप्रदेश/बेरमो (बोकारो), झारखंडः गोमिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और एकीकृत बिहार व झारखंड सरकार में कद्दावर मंत्री रहे स्वर्गीय माधव लाल सिंह को गुरुवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। साडम पश्चिमी स्थित बोकारो नदी तट पर उनका अंतिम संस्कार पूरे विधि–विधान के साथ संपन्न हुआ, जहाँ उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। इस दुखद अवसर पर माननीय मंत्री (उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग) श्री योगेंद्र प्रसाद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश ठाकुर और उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राजकीय सम्मान के तहत पुलिस बल के जवानों ने हवा में गोलियां दागकर और शस्त्र झुकाकर उन्हें अंतिम सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी। स्वर्गीय माधव लाल सिंह एक जननेता थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा में समर्पित कर दिया। उनका जाना अपूरणीय क्षति है। अंतिम यात्रा के दौरान और घाट पर हजारों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण, विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नम आंखों से अपने प्रिय नेता को विदाई दी। अंतिम संस्कार के समय पूरा क्षेत्र 'माधव बाबू अमर रहे' के नारों से गूंज उठा। प्रशासनिक अधिकारियों और उपस्थित नेताओं ने बताया कि माधव लाल सिंह का योगदान न केवल गोमिया क्षेत्र बल्कि पूरे झारखंड के विकास में अविस्मरणीय रहेगा। उनके निधन से राजनीतिक जगत में एक शून्य पैदा हो गया है, जिसे भरना मुश्किल होगा। परिजनों को ढांढस बंधाने के लिए क्षेत्र के गणमान्य लोगों का तांता लगा रहा।

कोडरमा को चारागाह समझना बंद करे प्रशासन, पत्थर व्यवसायियों का दमन अब बर्दाश्त नहीं: सुभाष प्रसाद यादव

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कद्दावर नेता, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड सदस्य सुभाष प्रसाद यादव ने कोडरमा जिला प्रशासन के तानाशाही रवैये पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि कोडरमा की खनिज संपदा और यहाँ के मेहनतकश पत्थर व ढिबरा व्यवसायियों का शोषण अब और नहीं चलने दिया जाएगा। प्रशासन की हठधर्मिता ने न केवल जिले की अर्थव्यवस्था को गर्त में धकेल दिया है, बल्कि हजारों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट पैदा कर दिया है।

प्रशासन की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार

सुभाष प्रसाद यादव ने कहा कि कोडरमा जिला प्रशासन ने पूरे जिले को एक 'चारागाह' समझ लिया है।नियम-कानून के नाम पर छोटे व्यवसायियों और मजदूरों को प्रताड़ित करना प्रशासन की नियति बन गई है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारी अपनी गलत नीतियों और दमनकारी कार्रवाइयों से जनप्रिय राज्य सरकार की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य रोजगार देना है, जबकि कोडरमा प्रशासन रोजगार छीनने और लोगों को पलायन के लिए मजबूर करने में लगा है।

व्यवसायियो के समर्थन में अडिग संकल्प

सुभाष प्रसाद यादव ने पत्थर व्यवसायियों की आवाज बुलंद करने के लिए राजकुमार जी का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने संदेश दिया कि फिलहाल स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण मैं शारीरिक रूप से आपके बीच नहीं हूँ, लेकिन मेरी संवेदनाएं और मेरा राजनीतिक समर्थन पूरी तरह आपके साथ है।

जैसे ही स्वस्थ होकर लौटूँगा, मैं स्वयं पत्थर और ढिबरा व्यवसायियों, मजदूरों और प्रभावित परिवारों के साथ संवाद स्थापित करूँगा। हम सड़कों पर उतरेंगे और इस उद्योग के अस्तित्व को बचाने के लिए एक निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने राजद के सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि पत्थर व्यवसायियों द्वारा आहूत बैठक में पार्टी के कार्यकर्ता अपनी पूरी ताकत के साथ शामिल हों और इसे एक व्यापक जनांदोलन का रूप दें।

राज्य सरकार से उच्च स्तरीय हस्तक्षेप की मांग

सुभाष प्रसाद यादव ने राज्य सरकार से मांग की है कि कोडरमा के विशेष संदर्भ में पत्थर और ढिबरा व्यवसाय के लिए एक सुलभ और व्यावहारिक नीति बनाई जाए। उन्होंने सरकार से निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर समाधान की अपील की है।

उत्पीड़न पर तत्काल रोक

पत्थर और ढिबरा व्यवसाय से जुड़े लोगों पर दर्ज किए गए फर्जी मुकदमों को वापस लिया जाए और मशीनों व वाहनों की जब्ती पर अविलंब रोक लगे।

सरलीकरण और लीज प्रक्रिया

स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए लीज और चालान की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए ताकि छोटे व्यवसायी भी कानूनी रूप से अपना काम कर सकें।

रोजी-रोटी का संरक्षण

कोडरमा में पत्थर व्यवसाय से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोग जुड़े हैं। प्रशासन की सख्ती के कारण जो बेरोजगारी बढ़ी है, उसे दूर करने के लिए विशेष आर्थिक राहत पैकेज या वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई

जो अधिकारी सरकार की मंशा के विपरीत काम कर रहे हैं और जनता के बीच असंतोष फैला रहे हैं, उन पर उच्च स्तरीय जांच बैठाई जाए।

राजद का आह्वान

सुभाष प्रसाद यादव ने दोहराया कि राजद हमेशा से शोषितों और वंचितों की आवाज रहा है। कोडरमा के पत्थर व्यवसायी और मजदूर खुद को अकेला न समझें। प्रशासन यह याद रखे कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है। यदि समय रहते प्रशासन अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं लाता है और राज्य सरकार सकारात्मक कदम नहीं उठाती है, तो राजद पूरे जिले में चक्का जाम करने और उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।?अन्याय और शोषण का अंत निश्चित है। राजद परिवार पत्थर व्यवसायियों के हक की लड़ाई उनके घर के आंगन से लेकर रांची की विधानसभा तक लड़ेगा।

केसीसी शिविर में उमड़ी किसानों की भीड़, 0% ब्याज ऋण योजना की दी गई जानकारी

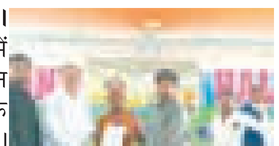

नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में गुरुवार को विशेष प्रखंड स्तरीय किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य किसानों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी ओम प्रकाश बड़ाईक, अग्रणी जिला प्रबंधक विमल कांत झा, बैंक ऑफ इंडिया बासोडीह के शाखा प्रबंधक अविनाश आनंद, बैंक ऑफ इंडिया सतगावां के संदीप कुमार सहित प्रखंड के सभी कर्मचारी मौजूद थे।शिविर के दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक विमल कांत झा ने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान समय पर ऋण चुकता कर 0 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी एवं समय पर भुगतान के फायदों से भी किसानों को अवगत कराया गया।अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र किसान केसीसी योजना के लाभ से वंचित न रहे और खेती के लिए उन्हें साहूकारों पर निर्भर न होना पड़े।इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ओम प्रकाश बड़ाईक ने कई किसानों के बीच नए केसीसी पासबुक का वितरण किया। पासबुक प्राप्त कर किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे।बताया गया कि विशेष किसान क्रेडिट कार्ड अभियान 20 अप्रैल 2026 से 20 मई 2026 तक चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक प्रखंड में विशेष शिविर आयोजित कर आवेदनों का त्वरित निष्पादन एवं लाभुकों के बीच पासबुक वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रखंड प्रशासन ने शेष किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी बैंक या विशेष शिविर में पहुंचकर योजना का लाभ अवश्य उठाएं।

मरकच्चो: पंचखेरो डेम स्थित दायां नहर में एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। थाना क्षेत्र के पंचखेरो डेम स्थित दायां मुख्य नहर में तीन दिन पूर्व से लापता अधेड़ व्यक्ति का मिला शव। वहीं शव की पहचान लक्ष्मण यादव उर्फ भोला महतो 65वर्ष पिता स्व जागो महतो ग्राम गोरहंद, थाना राजधनवार, जिला गिरिडीह के रूप में किया गया। वहीं घटना की जानकारी कुछ चारवाहों के द्वारा मिली जब लोग अपने गाय बकरी चराने के लिए उक्त नहर पर पहुंचे तो देखा गया की एक व्यक्ति उक्त नहर में गिरा पड़ा है। और शरीर से काफी बदबू आरहा है। जिसकी सूचना चारवाहों ने ग्रामीणों को दिया जिसे सुनकर उक्त घटना स्थल पर सैकड़ों ग्रामीण महिला पुरुष पहुंचे और इसकी सूचना मरकच्चो पुलिस को दिया गया तत्पश्चात मरकच्चो थाना एसआई विशाल सिंह पूरे दलबल के साथ घटना स्थलपर पहुंचे और मृतक के शव को कब्जे में लेलिया और मृतक के शव को पोस्मार्टम हेतु भेजने के तैयारी में पंचनामा की तैयारी करने लगे। वहीं ग्रामीणों द्वारा मिली जानकारी अनुसार उक्त मृतक तीन दिन पूर्व अपने पुराने मकान स्थित ग्राम गोरहंद से शाम के समय में अपने नए आवास स्थित श्री नगर मरकच्चो आया था इसके बाद वह नये घर से लापता हो गया जिसकी खोजबीन मृतक के परिजनों द्वारा काफी कियागया पर कहीं नहीं मिला। और गुरुवार की दोपहर के बाद उक्त स्थल पर मृतक का शव देखा गया। वहीं मृतक के चार पुत्र और दो पुत्री और भरापुरा परिवार है जिसका रो- रो कर बुरा हाल है।

लकड़ी माफियाओं के विरुद्ध वन विभाग को बड़ी सफलता सराजोल के पास अवैध लकड़ी और वाहन जब्त

नवप्रदेश/दुमका जिले के आसनबनी वन विभाग की टीम ने बुधवार के शाम गुप्त सूचना के आधार पर अवैध लकड़ी और वाहन को किया जप्त , जिसे सुरक्षित आसनबनी वन मंडल परिसर में रखा गया । विभिन्न कीमती लकड़ी जब्त की है वनपाल तरणी मंडल के नेतृत्व में वनकर्मियों ने सभी लकड़ी को जप्त कर , वाहन के साथ आसनबनी वन परिसर लाया है। यह कार्य वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर लगातार किया जा रहा है इसके बावजूद भी लकड़ी माफियाओं का मनोबल टूटने का नाम नहीं ले रहा बल्कि आए दिन लगातार लकड़ियों की चोरी कर पश्चिम बंगाल में ले जाकर भेजने का सिलसिला जारी है उसके बावजूद भी शिकारीपाड़ा एवं आसनबनी वनपाल द्वारा लकड़ी माफियाओं के विरुद्ध लगातार कारवाई की जा रही है।

सतगावां दौरे पर विधायक डॉ. नीरा यादव, हादसा पीड़ित परिवारों से मिलकर बंधाया ढांढस

वज्रपात, हाथी हमले, सर्पदंश और सड़क दुर्घटना से पीड़ित परिवारों से की मुलाकात, अधिकारियों को मुआवजा व इलाज में तेजी लाने का निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

सतगावां। कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने गुरुवार को सतगावां प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर हाल के दिनों में विभिन्न हादसों से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिया।विधायक ने कुछ दिन पूर्व वज्रपात की चपेट में आकर जान गंवाने वाले तीन लोगों के परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। वहीं कटैया गांव में जंगली हाथी के हमले में मृत युवक के परिवार तथा भाखरा गांव में हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति के परिजनों से भी मुलाकात की। घायल व्यक्ति के बेहतर इलाज के लिए उन्होंने रांची रिम्स के निदेशक से फोन पर बातचीत कर समुचित चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने खूँटा गांव में सर्पदंश से हुई मौत के मामले में पीड़ित परिवार से मुलाकात की तथा सड़क दुर्घटना में घायल शिवपुर निवासी अशोक कुमार उर्फ शशि सिंह का हालचाल जाना। भाजपा नेता सह अनुश्रवण समिति सदस्य मनोज भगत के आवास पहुंचकर उनकी माता के निधन पर भी गहरी संवेदना व्यक्त की। दौरे के बाद डॉ. नीरा यादव वन प्रक्षेत्र कार्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी ओम प्रकाश बड़ाईक एवं अंचलाधिकारी केशव प्रसाद चौधरी के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वज्रपात एवं जंगली हाथी के हमले में मृत लोगों के आश्रितों को शीघ्र सरकारी मुआवजा उपलब्ध कराया जाए तथा घायल व्यक्ति के इलाज हेतु सरकारी प्रावधानों के तहत त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान क्षेत्र की अन्य ज्वलंत समस्याओं पर भी चर्चा की गई। भ्रमण कार्यक्रम में जिला परिषद प्रतिनिधि धनंजय यादव, सतगावां मंडल अध्यक्ष रणजीत सिंह, बासोडीह मंडल अध्यक्ष नरेश यादव, राजकुमार यादव, परमेश्वर यादव, मुकेश राम, कुलदीप यादव, पुरुषोत्तम सिंह, अनिल सिंह, शिवराज कुमार, रामबचन यादव, व्यास यादव, सिकंदर यादव, सिंहराज कुमार यादव और पिंटू सिंह सहित कई भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मजदूर की संदिग्ध मौत

नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के आमड़ाडोभा गांव के प्रवासी मजदूर परमेश्वर लोहार का शव लेह लद्दाख से लौटते ही पूरे क्षेत्र में भारी तनाव और आक्रोश देखा गया। जैसे ही एम्बुलेंस शव लेकर शिकारीपाड़ा थाना पहुंची, इसके बाद परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। मृतक की पत्नी कोमली मुर्मू ने मेट कासिफ अंसारी के विरुद्ध गंभीर धोखाधड़ी और लापरवाही की लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए उसकी अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि करीब पांच माह पूर्व मेट कासिफ अंसारी ने परमेश्वर को मोटरसाइकिल और अच्छे वेतन का लालच देकर लद्दाख भेजा था। वहां न केवल उसके साथ फर्जीवाड़ा किया गया, बल्कि उसका फर्जी आधार कार्ड बनवाकर किसी दूसरे नाम से काम कराया गया ताकि असल पहचान छिपाई जा सके। ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि मौत की जानकारी भी परिजनों से छिपाई गई और अत्यधिक शराब व घोर लापरवाही के कारण परमेश्वर की जान चली गई।

आम बागवानी योजना से बदली रघुवीर मंडल की जिंदगी, बंजर जमीन बनी आय का स्रोत

नवप्रदेश/दुमका जिले के मसलिया प्रखंड अंतर्गत हथियापाथर पंचायत के हथियापाथर गांव निवासी रघुवीर मंडल आज अपने क्षेत्र में एक सफल किसान के रूप में पहचान बना चुके हैं। कभी उनकी लगभग एक एकड़ भूमि बंजर एवं अनुपजाऊ पड़ी रहती थी। सख्त मिट्टी एवं संसाधनों की कमी के कारण खेती करना मुश्किल था, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर बनी हुई थी। लेकिन मनरेगा अंतर्गत संचालित आम बागवानी योजना ने उनके जीवन में नई उम्मीद और समृद्धि का रास्ता खोल दिया। वित्तीय वर्ष 2020-21 में रघुवीर मंडल को आम बागवानी योजना का लाभ मिला। योजना के अंतर्गत आम के पौधों का रोपण किया गया तथा भूमि को कृषि योग्य बनाने की दिशा में कार्य शुरू हुआ। शुरूआत में पौधों एवं सब्जियों को जानवरों से बचाना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन रघुवीर मंडल ने अपनी मेहनत और लगन से बागवानी की लगातार देखभाल की। वे प्रतिदिन पौधों की निगरानी करते और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते रहे। परिणामस्वरूप आज पूरी बागवानी

हरी-भरी एवं विकसित हो चुकी है। आम के पौधों के साथ-साथ उन्होंने मिश्रित खेती को भी अपनाया। वर्तमान में वे बैंगन, भिंडी, साग, मिर्च, झींगा एवं खीरा जैसी विभिन्न सब्जियों की खेती कर रहे हैं। इससे न केवल उनकी आमदनी बढ़ी है, बल्कि अब परिवार को घर के उपयोग के लिए बाजार से सब्जी खरीदने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती। जिससे घरेलू खर्च में भी कमी आयी है 'रघुवीर मंडल बताते हैं कि आम बागवानी से उन्हें 30 हजार से 40 हजार तक की आमदनी हो जाती है । वहीं सब्जी उत्पादन से भी नियमित आमदनी हो रही है। वर्तमान में वे प्रतिमाह लगभग 6 से 7 हजार की आय अर्जित कर अपने परिवार का बेहतर ढंग से भरण-पोषण कर रहे हैं। जहां पहले उनकी जमीन परती और अनुपयोगी पड़ी रहती थी, वहीं आज वही भूमि सालभर फसलों और हरियाली से भरपूर रहती है। इस योजना से उनकी वार्षिक आय में लगभग 84 हजार की वृद्धि हुई है और उनके परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है। रघुवीर मंडल की यह सफलता कहानी दशार्ती है कि सरकारी योजनाओं का सही लाभ, मेहनत और इच्छाशक्ति के साथ लिया जाए तो बंजर जमीन को भी आय एवं आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनाया जा सकता है।

पांच दिवसीय समर कैंप का समापन

धारियाडीह स्थित ओपन माइंड वर्ल्ड स्कूल में गुरुवार को पांच दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ। समापन सत्र में रेड क्रॉस सोसाइटी, गिरिडीह के चेयरमेन एवं रफ्तार मीडिया के नेशनल कोऑर्डिनेटर अरविंद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
मौके पर प्राचार्या चंद्रमलिका घोष चौधुरी ने कहा आज का दिन बच्चों की रचनात्मकता, कौशल और सीखी गई नई चीजों का जश्न मनाने का एक यादगार पल होता है। इस अंतिम दिन बच्चों के बीच जुंबा एवं रैन डांस ,क्रिकेट,खो-खो,कला प्रदर्शनी,फन एक्टिविटी का प्रदर्शन किया गया।इस कैंप में कुल 102 बच्चों ने भाग लिया। इसके साथ ही समर कैंप में शामिल बच्चों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया,जिससे बच्चे शारीरिक व मानसिक रूप से खुश होकर कैंप से वापस घर जाएं।मैं रेड क्रॉस,गिरिडीह के चेयरमेन का तहेदिल से आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर इन बच्चों को दिया।इस अवसर पर उन्होंने हास्य योग का अभ्यास भी करवाया। अरविंद कुमार ने कहा की समर कैंप एक अद्भुत पहल है जो बच्चों को विभिन्न कलाओं और गतिविधियों में भाग लेने और अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।साथ ही बच्चों ने नए दोस्त बनाए और टीमवर्क का

महत्व सीखा। मैं पूरे विद्यालय टीम को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने इतनी सुंदर एवं व्यवस्थित ढंग से कैंप का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मो शहरयार,शाहीद रजा के साथ समस्त शिक्षक- शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का निरीक्षण, प्लास्टिक पृथक्करण केंद्र का शुभारंभ

नवप्रदेश/दुमका। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-01 दुमका अंतर्गत शिकारीपाड़ा प्रखंड में विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का निरीक्षण एवं समीक्षा की गई। इस दौरान बरमसिया पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के तहत पंचायत स्तरीय प्लास्टिक कचरा प्रबंधन हेतु निर्मित प्लास्टिक पृथक्करण केंद्र का शुभारंभ उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी एजाज आलम की उपस्थिति में किया गया।
इस अवसर पर स्वच्छता एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि

पंचायत स्तर पर प्लास्टिक पृथक्करण केंद्र शुरू होने से स्वच्छता व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन में सहायता प्राप्त होगी।
निरीक्षण के क्रम में बरमसिया पंचायत भवन का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान पंचायत में कैश बुक संधारण एवं अभिलेखों के रख-रखाव की समीक्षा की गई। संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वित्तीय अभिलेखों का नियमित एवं पारदर्शी संधारण सुनिश्चित करें ताकि पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्य सुचारू एवं पारदर्शी तरीके से संचालित हो सके।
इसके उपरांत अधिकारियों ने सिमानीजोर पंचायत में आयोजित सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा जागरूकता शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में आमजनों को सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात संकेतों एवं दुर्घटना से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। लोगों से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।
भ्रमण के दौरान शिकारीपाड़ा प्रखंड के सुंदरभलन गांव में अंगूर की खेती का भी निरीक्षण किया गया। किसानों द्वारा की जा रही वैकल्पिक एवं उन्नत खेती की सराहना करते हुए अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की खेती किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाकर बागवानी एवं नकदी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया।
साथ ही शिकारीपाड़ा पंचायत अंतर्गत गणेशपुर गांव स्थित पहाड़िया विद्यालय का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पठन-पाठन व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, साफ-सफाई, आधारभूत सुविधाओं एवं मध्याह्न भोजन व्यवस्था की समीक्षा की गई। संबंधित शिक्षकों एवं कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, विद्यालय परिसर की स्वच्छता बनाए रखने तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया।
इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी, पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य, ग्रामीणजन, जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक तथा पंचायत की सभी जलसहियाएं उपस्थित रहीं।

एक नजर

आदर्श मध्य विद्यालय में बार-बार बिजली तार काटे जाने से परेशानी, कार्रवाई की मांग

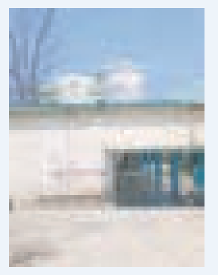

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड स्थित आदर्श मध्य विद्यालय में बीते कई दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित किए जाने का मामला सामने आया है। विद्यालय परिसर में लगाए गए बिजली के तारों को लगातार काटे जाने से स्कूल की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इस घटना से विद्यालय प्रबंधन के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय की प्राचार्या प्रतिमा राज ने बताया कि असामाजिक तत्व जानबूझकर विद्यालय को नुकसान पहुंचाने की नीयत से बार-बार बिजली के तार काट रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कारण विद्यालय में संचालित मिड डे मील योजना प्रभावित हो रही है। साथ ही शौचालय मे भी पानी नहीं होने के विशेष कर छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वही विद्यालय परिसर में की जा रही बागवानी एवं पेड़-पौधों की सिंचाई का कार्य भी बाधित हो गया है। गर्मी के मौसम में बिजली नहीं रहने से बच्चों और शिक्षकों को काफी दिक्कत हो रही है। प्राचार्या ने बताया कि विद्यालय में कई बार तार काटे जाने की घटना हो चुकी है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि शरारती तत्व सुनियोजित तरीके से इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए विद्यालय प्रबंधन की ओर से विभागीय अधिकारियों एवं स्थानीय थाना को इसकी सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि 9 मई को ही थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई थी।विद्यालय प्रबंधन ने प्रशासन से दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई करने तथा विद्यालय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

चौपारण में अवैध कारोबार पर पुलिस की सख्ती, होटलों में लगातार छापेमारी जारी

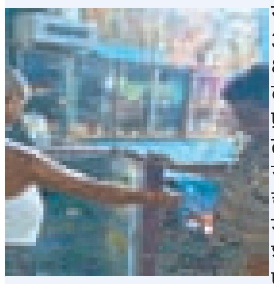

नवप्रदेश/चौपारण। जिले के पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के विभिन्न होटलों और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थों और अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाना है। पुलिस की लगातार सक्रियता से अवैध धंधे में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। होटल संचालकों और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की विशेष नजर बनी हुई है। छापेमारी के दौरान कई स्थानों की गहन जांच की जा रही है तथा संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चौपारण थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और अवैध शराब, नशे के कारोबार तथा अपराध से जुड़े लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।पुलिस की इस कार्रवाई से आम लोगों में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि यह अभियान आगे भी लगातार चलता रहेगा, ताकि क्षेत्र में अपराध और नशे के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

एक सप्ताह के भीतर सभी सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करें: डीटीओ

डोमचांच में स्कूल वाहनों की जांच अभियान, नियम उल्लंघन पर वसूला गया 97,650 का जुमार्ना

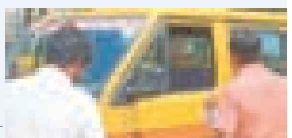

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा।
परिवहन विभाग, झारखंड सरकार, रांची द्वारा प्राप्त निदेर्शों के अनुपालन में जिला परिवहन पदाधिकारी, कोडरमा एवं मोटर यान निरीक्षक कोडरमा द्वारा डोमचाँच प्रखंड अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में संचालित वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया गया। इस क्रम में लक्ष्य कोन्वेंट स्कूल डोमचांच, जी एस पब्लिक स्कूल डोमचांच, जेपीएस सलईडीह एवं मंथन नेशनल स्कूल डोमचांच में परिचालित वाहनों के कागजातों की जांच की गई। जांच के दौरान जिन वाहनों के दस्तावेज अपूर्ण पाए गए, ऐसे कुल 19 वाहनों से 97,650 का दंड वसूला गया। इसके अतिरिक्त, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के आलोक में स्कूल वाहनों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु संबंधित वाहन संचालकों एवं विद्यालय प्रबंधन को सख्त निर्देश दिया गया कि वे एक सप्ताह के भीतर सभी सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करें, अन्यथा मोटरयान अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी ने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं स्कूली बच्चों की सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आगे भी इस प्रकार के जांच अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

कचहरी चौक में गिरिडीह नक्शा केंद्र का शुभारंभ, नक्शा संबंधी सभी कार्य अब एक ही छत के नीचे

नवप्रदेश/गिरिडीह : शहर के कचहरी चौक स्थित पुराना नगर पालिका गली में गिरिडीह नक्शा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस केंद्र के शुरू होने से अब लोगों को भवन नक्शा और उससे संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। केंद्र का संचालन अनुभवी सेवा निवृत्त अभियंता कौशलेश प्रसाद के द्वारा किया जाएगा। यहां निगम बायलॉज के अनुरूप भवन नक्शा तैयार करने सहित नक्शा से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्य किए जाएंगे।

तेलोडीह पंचायत में मैया योजना के भौतिक सत्यापन हेतु कैंप आयोजित

नवप्रदेश/तेलोडीह पंचायत सचिवालय में मैया योजना के भौतिक सत्यापन को लेकर एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी योजना का भौतिक सत्यापन कराने के लिए सचिवालय पहुंचीं। इस दौरान पंचायत के मुखिया शब्बीर आलम सहित पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर महिलाओं की योजना से जुड़ी पात्रता (अहर्ता) की जांच की और आवश्यक जानकारी प्रदान की। साथ ही जानकारी दी गई कि कल यानी जुमा नमाज के बाद भी यह कैंप पुन: आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इसका लाभ उठा सकें। इस दौरान बैंक या अन्य संबंधित समस्याओं का भी मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

दुमका में नवनिर्मित जैव विविधता पार्क चुटोनाथ पार्क का उद्घाटन

नवप्रदेश/दुमका वन प्रमंडल द्वारा दुमका जिले के नागरिकों को एक महत्वपूर्ण सौगात के रूप में नवनिर्मित जैव विविधता पार्क चुटोनाथ पार्क समर्पित किया गया। चुटोनाथ मंदिर के समीप पहाड़ की तलहटी में लगभग 3 .5 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित यह पार्क दुमका की प्राकृतिक सुंदरता एवं पर्यटन क्षमता को नई पहचान प्रदान करेगा। करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से दो वर्षों में तैयार किए गए इस पार्क का उद्घाटन आज जामा विधानसभा क्षेत्र की माननीय विधायक डॉ. लुईस मरांडी द्वारा किया गया। उद्घाटन उपरांत पार्क को आम जनता के लिए खोल दिया गया, ताकि जिलेवासी एवं पर्यटक यहाँ आकर प्राकृतिक वातावरण एवं विकसित सुविधाओं का आनंद ले सकें।

एसकेएमयू में एनईपी आधारित कॉलेज री-स्ट्रक्चरिंग पर बैठक, नए विषयों व पदों की दी गई जानकारी

नवप्रदेश/दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत किए गए कॉलेज री-स्ट्रक्चरिंग को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह ने की। वे ऑनलाइन माध्यम से बैठक में जुड़े, जबकि विश्वविद्यालय मुख्यालय से बाहर स्थित सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी एवं मुख्यालय स्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रंजन शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद एनईपी नोडल पदाधिकारी डॉ. दीपक कुमार दास ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा किए गए कॉलेज री-स्ट्रक्चरिंग एवं विभिन्न बदलावों की विस्तृत जानकारी सभी प्राचार्यों एवं पदाधिकारियों को दी। प्रस्तुतीकरण के दौरान उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय क्षेत्राधिकार के विभिन्न महाविद्यालयों को क्लस्टर प्रणाली के अंतर्गत पुनर्गठित किया गया है। दुमका में एसपी कॉलेज, एसपी महिला कॉलेज, मॉडल कॉलेज एवं विश्वविद्यालय विभागों को मिलाकर एक क्लस्टर बनाया गया है। वहीं देवघर में देवघर कॉलेज, एएस कॉलेज, आरडी बीएम कॉलेज तथा सरकारी बीएड कॉलेज को एक क्लस्टर के रूप में संगठित किया गया है। इसी प्रकार पाकुड़ में केकेएम कॉलेज, महिला कॉलेज एवं मॉडल कॉलेज को मिलाकर एक क्लस्टर बनाया गया है, जबकि साहिबगंज में साहिबगंज कॉलेज एवं महिला कॉलेज साहिबगंज को एक साथ जोड़कर क्लस्टर का गठन किया गया है। डॉ. दास ने बताया कि इस नई व्यवस्था के अंतर्गत कई महाविद्यालयों में नए विषय जोड़े गए हैं,

संपादकीय

ब्रिक्स की ताकत तोड़ रहा अमेरिका!

नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक ऐसे समय हो रही है, जब वैश्विक राजनीति तेजी से नए मोड़ ले रही है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, आर्थिक संतुलन और विकासशील देशों के हितों पर जोर दिया है। लेकिन इसी बीच अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती नजदीकियों ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं–क्या वाकई अमेरिका ब्रिक्स की एकजुटता को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहा है? ब्रिक्स, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे उभरते देश शामिल हैं, लंबे समय से पश्चिमी प्रभुत्व को संतुलित करने की कोशिश करता रहा है। खासकर डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने और वैश्विक आर्थिक ढांचे में बदलाव की उसकी मंशा अमेरिका के लिए असहज स्थिति पैदा करती रही है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया कूटनीतिक सक्रियता को महज संयोग नहीं माना जा सकता। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रंप के बीच संभावित समझौतों की चर्चा ने यह संकेत दिया है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में नई चालें चली जा रही हैं। खास बात यह है कि ब्रिक्स बैठक में चीन के विदेश मंत्री की अनुपस्थिति और उसकी जगह राजदूत की मौजूदगी ने इस आशंका को और गहरा कर दिया है कि बीजिंग फिलहाल द्विपक्षीय लाभ को बहुपक्षीय प्रतिबद्धताओं पर तरजीह दे रहा है। अमेरिका की रणनीति स्पष्ट दिखती है–वह ब्रिक्स को सीधे चुनौती देने के बजाय उसके सबसे मजबूत आर्थिक स्तंभ, यानी चीन, को अपने पाले में खींचने की कोशिश कर रहा है। यह रणनीति युद्ध या दबाव की नहीं, बल्कि आर्थिक प्रलोभनों और व्यावहारिक समझौतों पर आधारित है। बाजार पहुंच, टैरिफ में राहत, निवेश के अवसर और तकनीकी सहयोग जैसे प्रस्ताव चीन के लिए आकर्षक हो सकते हैं। दूसरी ओर, ब्रिक्स के भीतर भी कई अंतर्विरोध हैं। ईरान जैसे मुद्दों पर मतभेद, रूस की आक्रामक विदेश नीति और सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय तनाव इस संगठन की एकजुटता को चुनौती देते हैं। ऐसे में यदि कोई बड़ा सदस्य देश अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है, तो इससे पूरे समूह की दिशा प्रभावित होना स्वाभाविक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सही ही कहा है कि दुनिया तेजी से जटिल और अनिश्चित होती जा रही है। ऊर्जा, खाद्य, स्वास्थ्य और आपूर्ति श्रृंखला जैसी चुनौतियां अब केवल आर्थिक मुद्दे नहीं, बल्कि रणनीतिक हथियार बन चुकी हैं। ऐसे समय में ब्रिक्स को केवल बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस आर्थिक और संस्थागत ढांचा तैयार करना होगा। यह कहना जल्दबाजी होगी कि अमेरिका ने ब्रिक्स को तोड़ दिया है, लेकिन यह स्पष्ट है कि वह इसकी एकजुटता को कमजोर करने के लिए परोक्ष रणनीति अपना रहा है। ब्रिक्स के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती बाहरी दबाव नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और विश्वास को बनाए रखना है। यदि यह समूह अपने मतभेदों को सुलझाकर साझा एजेंडा पर आगे बढ़ता है, तभी वह वैश्विक मंच पर प्रभावी विकल्प बन सकता है।

मुद्दा -लघु कथा

संसार नहीं, बल्कि हमारी दृष्टि माया है

सुंदरचंद ठाकुर

जब भी कोई वेदांत या अध्यात्म की बात करता है, तो अक्सर एक प्रतिक्रिया सुनाई देती है कि सब माया है, संसार झूठ है, सब छोड़ दो। और इसी गलतफहमी के कारण बहुत से लोग वेदांत को व्यावहारिक जीवन से परे मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि यह दर्शन केवल जंगल में जाकर तपस्या करने वालों के लिए है, गृहस्थ के लिए नहीं, सांसारिक व्यक्ति के लिए नहीं। लेकिन यह वेदांत की सबसे बड़ी गलत व्याख्या है। वेदांत ने कभी नहीं कहा कि संसार झूठ है। वेदांत ने कहा है कि संसार को जिस दृष्टि से हम देखते हैं, वह दृष्टि अधूरी है। माया संसार में नहीं है, माया हमारी आंखों में है। हम संसार को वैसा नहीं देखते जैसा वह है। हम उसे वैसा देखते हैं जैसे हम हैं। इसे एक उदाहरण से समझते हैं चलिए। एक ही घटना है - नौकरी छूटना। एक व्यक्ति तो इसे तबाही मानता है कि अब उसके दुर्दिन आ गए। पर दूसरा व्यक्ति इसे अवसर मानता है कि अब वह कुछ नया कर पाएगा। एक टूट जाता है, दूसरा नई दिशा खोज लेता है। घटना एक है, पर दृष्टि अलग है। और यही दृष्टि का भेद जीवन को स्वर्ग या नरक बनाता है। संसार नहीं बदला बस देखने वाला बदला। आदि शंकराचार्य ने माया की व्याख्या करते हुए कहा था कि माया वह शक्ति है जो हमें वास्तविकता से भिन्न दिखाती है। जैसे रात के अंधेरे में रस्सी सांप दिखती है तो भय वास्तविक लगता है, पर कारण भ्रम है। उसी तरह हम संसार में जो दुख, भय, असुरक्षा और अभाव देखते हैं, वे सब पूरी तरह झूठ नहीं है, पर उनकी जड़ में एक गहरा भ्रम है। वह भ्रम यह है कि हम स्वयं को केवल शरीर और मन मानते हैं। और जब यह भ्रम टूटता है, तब संसार वैसा ही रहता है पर उसका भार नहीं रहता। तो असली वैराग्य क्या है? संसार छोड़ना नहीं। संसार के प्रति अपनी दृष्टि को परिष्कृत करना। जब आप जानते हैं कि आप केवल इस देह तक सीमित नहीं हैं, तब न सफलता आपको अहंकारी बनाती है और न असफलता आपको तोड़ती है। तब रिश्ते निभाते हैं पर उनमें डूबते नहीं। धन कमाते हैं पर उसके दास नहीं बनते। यही जीवन में रहते हुए मुक्त होना है जीवन्मुक्ति। आधुनिक जीवन में यह और भी जरूरी हो गया है। चारों ओर प्रतिस्पर्धा है, तुलना है, सफलता का दबाव है। ऐसे में यदि दृष्टि परिष्कृत न हो तो मनुष्य भीतर से टूटता रहता है। पर जिसने यह समझ लिया कि संसार एक रंगमंच है और वह केवल एक भूमिका निभा रहा है, उसकी आत्मा उस भूमिका से बड़ी है, तो वह हर परिस्थिति में स्थिर रहता है। संसार को बदलने की जरूरत नहीं। बस उसे देखने वाली आंखें बदलनी हैं। और जिस दिन वह दृष्टि बदली समझो उस दिन वही संसार, वही जीवन, वही रिश्ते, सब कुछ नया लगने लगता है। माया दृष्टि में है। और दृष्टि बदलना, बस यही साधना है।

भारत के बच्चों को भोजन के अलावा भी जरूरतें हैं

डॉ. सरथ गोपालन

उचित प्रशिक्षण और सहयोग से, वे शारीरिक विकास पर नजर रखने से लेकर माता-पिता को प्रारंभिक प्रोत्साहन, संवेदनशील देखभाल और बाल विकास प्रथाओं पर मार्गदर्शन देने तक अपनी भूमिका का विस्तार कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क को एकीकृत करना, जो पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल को एक सुसंगत इकाई में जोड़ता है, इस विकास के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक रोडमैप प्रदान करता है।

कुछ समय पहले मेरे क्लिनिक में पांच साल की एक बच्ची लाई गई। वह अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में विकास के कई चरणों में पीछे लग रही थी। उसकी बोलने की गति धीमी थी और वह अपने हमउम्र बच्चों जितनी सक्रिय या जुड़ी हुई नहीं दिख रही थी। उसके विकास के आकलन में वह तीन साल की बच्ची के स्तर पर पाई गई। उसकी मां बहुत चिंतित थीं। बच्ची बीमार नहीं थी। कोई ऐसी बीमारी या निदान नहीं था जो इसकी वजह समझा सके। लेकिन जब हमने कोविड-19 के पिछले दो वर्षों के बारे में बात की, तो तस्वीर साफ होने लगी। लंबे लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद रहे, वह ज्यादातर समय घर पर रही, खेल की जगह स्क्रीन ने ले ली और भोजन पहले की तुलना में अधिक साधारण और सीमित हो गया। उन शांत वर्षों में उसके मस्तिष्क को वह सब नहीं मिल पाया जिसकी उसे बढ़ने के लिए जरूरत थी। वह कोई अपवाद नहीं थी। अलग-अलग क्लिनिकों में बाल रोग विशेषज्ञ और विकास विशेषज्ञ एक ही तरह की स्थिति देख रहे थे- ऐसे बच्चे जो शारीरिक रूप से स्वस्थ थे, लेकिन विकास में पीछे रह गए थे। यह वायरस की वजह से नहीं था, बल्कि उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों की वजह से था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मस्तिष्क का 90 प्रतिशत विकास पांच वर्ष की आयु से पहले ही हो जाता है, जिससे प्रारंभिक वर्ष बच्चे के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक भविष्य को आकार देने का सबसे बड़ा अवसर बन जाते हैं। इस दौरान बनने वाले तंत्रिका संबंध सीखने, भाषा, स्मृति और जीवन भर के लिए लचीलेपन को मजबूत करते हैं।

इस अवधि में सही पोषण प्राप्त करना सबसे शक्तिशाली निवेशों में से एक है जो हम कर सकते हैं। आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, जिन्हें अक्सर तंत्रिका पोषक तत्व कहा जाता है, स्वस्थ मस्तिष्क विकास और कार्य के लिए आवश्यक हैं। फिर भी आंकड़े एक चिंताजनक कहानी बयां करते हैं। अकेले आयरन की कमी भारत में पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 50% बच्चों को प्रभावित करती है (एनएफएचएस-5)। पांच वर्ष से कम आयु के 67.1% बच्चों में एनीमिया दर्ज किया गया, जो पिछले सर्वेक्षण से अधिक है। 12-59 महीने की आयु के बच्चों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि विश्लेषण सहित हाल के साक्ष्यों से पता चला है कि 60% से अधिक बच्चों में एनीमिया के साथ या उसके बिना सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी थी। यह अकेले हीमोग्लोबिन की संख्या से कहीं अधिक व्यापक पोषण संबंधी अंतर की ओर इशारा करता है।

डोकोसाहेक्सानोइक एसिड (डीएचए), एक ओमेगा-3 फैटी एसिड, मस्तिष्क की संरचना, स्मृति निर्माण और दृश्य विकास में सहायक होता है। कोलीन, एक अन्य आवश्यक पोषक तत्व, अब मस्तिष्क के विकास के लिए अनिवार्य माना जाता है। जब माताएं गर्भावस्था के दौरान कोलीन का सेवन करती हैं, तो यह स्वस्थ जीन गतिविधि और कोशिका संरचना, तथा मस्तिष्क के प्रमुख क्षेत्रों - जिनमें स्मृति और चिंतन के लिए जिम्मेदार क्षेत्र शामिल हैं - के विकास में सहायक होता है। ये पोषक तत्व बच्चे के आहार में वैकल्पिक नहीं हैं, बल्कि उनकी क्षमता के लिए मूलभूत हैं।

बच्चे के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पोषण संबंधी हस्तक्षेप जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। मस्तिष्क का विकास भ्रूण अवस्था में ही शुरू हो जाता है, और मां की पोषण स्थिति सीधे तौर पर उस तंत्रिका आधार को आकार देती है जिससे बच्चा जन्म लेता है। डीएचए गर्भ में तंत्रिका संपर्क को सहारा देता है; गर्भावस्था के दौरान आयरन और फोलिक एसिड का सेवन कम जन्म वजन और विकास में देरी के जोखिम को कम करता है। फिर भी, भारत में केवल 44% गर्भवती महिलाओं ने अनुशंसित 180 या उससे अधिक दिनों तक आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट का सेवन किया (एनएफएचएस-5), जो एक बहुत बड़ा और लक्षित करने योग्य अवसर प्रस्तुत करता है।

यही कारण है कि किशोरियों में निवेश करना अगली पीढ़ी में निवेश करना है। एक स्वस्थ लड़की स्वस्थ मां बनती है, और एक स्वस्थ मां अपने बच्चे को सर्वोत्तम संभव शुरूआत देती है। भारत में 59% किशोरियों में एनीमिया की समस्या है, इसलिए स्कूलों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लक्षित पूरक आहार के माध्यम से इस समूह को प्राथमिकता देना संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा में प्रभावी उपायों में से एक है। हालांकि पोषण महत्वपूर्ण है, मस्तिष्क के विकास के लिए दो समानांतर इनपुट आवश्यक हैं: पर्याप्त पोषण और भावनात्मक-सामाजिक उत्तेजना। महामारी ने इसे सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। यूनिसेफ का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर सात में से एक बच्चे ने कोविड-19 के दौरान विकास या सीखने में महत्वपूर्ण हानि का अनुभव किया, जो मुख्य रूप से बीमारी के कारण नहीं, बल्कि साथियों के साथ मेलजोल, बातचीत और खेल की कमी के कारण हुआ। स्क्रीन ने मानवीय संपर्क का स्थान ले लिया, और भाषा, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित हुआ।

संवेदनशील देखभाल, मौखिक संवाद, स्पर्श संबंधी जुड़ाव और एक उत्तेजक वातावरण तंत्रिका तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और स्वस्थ मस्तिष्क संरचना के लिए आवश्यक हैं। प्रारंभिक बचपन के कार्यक्रम जो पोषण संबंधी सहायता और विकासात्मक उत्तेजना दोनों को एकीकृत करते हैं, ऐसे परिणाम देते हैं जो इनमें से कोई भी अकेले प्राप्त नहीं कर सकता। भारत की कार्यक्रम संरचना इस पर अमल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। पोषण अभियान और पीएम पोषण जैसे कार्यक्रम पहले से ही देश भर में लाखों माताओं और छोटे बच्चों तक पहुंच रहे हैं। पोषण पखवाड़ा जैसी पहल पोषण के इर्द-गिर्द निरंतर, सामुदायिक स्तर पर लामबंदी की शक्ति को दर्शाती है। वितरण संरचना, जिसमें आंगनवाड़ी नेटवर्क, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और सामुदायिक स्तर पर पहुँच शामिल है, स्थापित है। अब अवसर यह है कि इस ढांचे से मिलने वाले लाभों को और अधिक बढ़ाया जाए।

उचित प्रशिक्षण और सहयोग से, वे शारीरिक विकास पर नजर रखने से लेकर माता-पिता को प्रारंभिक प्रोत्साहन, संवेदनशील देखभाल और बाल विकास प्रथाओं पर मार्गदर्शन देने तक अपनी भूमिका का विस्तार कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क को एकीकृत करना, जो पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल को एक सुसंगत इकाई में जोड़ता है, इस विकास के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक रोडमैप प्रदान करता है। यह लक्ष्य को केवल बच्चों को भोजन कराने से आगे बढ़ाकर उन्हें वास्तव में फलने-फूलने में मदद करने की ओर ले जाता है।

शुरूआती बचपन में पोषण किसी भी देश के लिए सबसे अधिक लाभ देने वाला निवेश है। जब बच्चों को उनके विकसित होते मस्तिष्क के लिए जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व, सही देखभाल का वातावरण और सही मानसिक व सामाजिक प्रोत्साहन मिलता है तो उसका लाभ पूरी जिंदगी मिलता है। ऐसे बच्चे बेहतर विद्यार्थी बनते हैं, आगे चलकर अधिक सक्षम और उत्पादक नागरिक बनते हैं, और समाज भी अधिक मजबूत और सक्षम बनता है। भारत के पास विकसित भारत का सपना है। उसके पास व्यवस्थाएं हैं। उसके पास विज्ञान है। अब जरूरत इस बात की है कि शुरूआती बचपन के पोषण को केवल कल्याणकारी योजना का हिस्सा न माना जाए, बल्कि उसे उस बुनियाद के रूप में देखा जाए, जिस पर बाकी सब कुछ टिका है।

(लेखक, नई दिल्ली के मधुकर रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में बाल चिकित्सा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार और न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई) के अध्यक्ष हैं।)

पेट्रोल संकट का दीर्घकालीन समाधान भारत के पास है

कुलभूषण उपमन्यु

गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन दे कर आगे बढ़ाया जाए तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर, डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है, जो ज्यादा गुणवत्ता पूर्ण खाद होता है।

ईरान, इजराइल-अमेरिका युद्ध ने वैश्विक स्तर पर खनिज तेल आधारित ऊर्जा व्यवस्था को डांवाडोल कर दिया है। भारतवर्ष पर इसका खासा असर होना स्वाभाविक है क्योंकि हमारी 85 फीसद ऊर्जा जरूरतें आयात के माध्यम से ही पूरी होती हैं और इसका बड़ा भाग मध्य पूर्वी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री नौवहन में युद्ध के कारण आई रुकावट के चलते यह स्पष्ट हो चुका है कि इस तरह की स्थितियां देश की घरेलू, औद्योगिक, और सैनिक जरूरतों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध के चलते खनिज तेल की कीमतें दुगनी हो चुकी हैं।

सरकार ने अभी तक तो घरेलू ऊर्जा जरूरतों पर बढ़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरू किया है। एथनोल के प्रयोग को लगातार बढ़ाते जाने की योजना पर काम हो रहा है, लेकिन इसकी भी सीमा है जिससे आगे एथनोल उत्पादन संभव नहीं होगा। हमारे पास और भी संसाधन हैं जिनके योजनाबद्ध उपयोग से हम उर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में बड़ा योगदान कर सकते हैं। हमारे पास कृषि अपशिष्ट और गोबर का प्रचुर भंडार है, जिससे मीथेन, सीएनजी, पीएनजी बना कर खनिज तेल की आयात जरूरतों को कम किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध गोबर का उपयोग करने पर क्या स्थितियां बनेंगी इस पर विचार करते हैं।

देश में 2025 की पशु गणना के अनुसार 193.50 करोड़ गोवंश और 109.85 करोड़ भैंस हैं। कुल 303.35 करोड़ ऐसा पशु धन है जिनके गोबर से मीथेन गैस बनाई जा सकती है। एक किलो मीथेन गैस बनाने के लिए लगभग 30 किलो गोबर चाहिए, जो हमें दो पशुओं से दैनिक प्राप्त हो सकता है। इस तरह 150 करोड़ किलो गैस प्रतिदिन बनाई जा सकती है। साल में कुछ कमीबेशी को छोड़ दें तो 300 दिन का गिनते हैं। इससे 45000 करोड़ किलो गैस प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है। इसको टन में बदल लें तो 45 करोड़ टन हुए। एक सिलिंडर में 15 किलो गैस के हिसाब से एक टन से 66 सिलेंडर भरे जा सकते हैं। 45 करोड़ टन से 2970 करोड़ सिलेंडर भरे जाएंगे। देश की आबादी को 140 करोड़ मानते हुए औसत पांच प्राणियों का परिवार मानते हुए 28 करोड़ परिवार हुए। यदि हर महीने प्रति परिवार एक सिलेंडर की खपत मान कर चलें तो 12 महीने में 336 करोड़ सिलेंडर की खपत होगी। जबकि हमारे पास संसाधन 2970 करोड़ सिलेंडर भरने की है। यानि इस क्षमता का 15-20 प्रतिशत दोहन भी कर लिया जाए तो घरेलू खपत को पूरा किया जा सकता है और इससे आगे व्यवसायिक खपत की भी गुंजाइश रह जाती है।

हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा किन्तु कुछ में तो संभव होगा। शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा की ओर आत्मनिर्भर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है। जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन दे कर आगे बढ़ाया जाए तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर, डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है जो ज्यादा गुणवत्ता पूर्ण खाद होता है। इसके अलावा फसलों के अपशिष्ट, पराली या गेहूं के अपशिष्ट भी सीएनजी, पीएनजी बनाने के लिए उपयोग कर लिए जाएं तो काफी बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आ सकती है।

फसल अपशिष्ट से सीएनजी बनाने के कुछ संयंत्र तो शुरू भी हो चुके हैं। इन सब कामों के लिए तकनीक तो हमारे पास उपलब्ध ही है केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प से आरंभ करने की बात है। फसल अपशिष्ट इस तरह इस्तेमाल कर लेने से उन्हें जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों और असमय मौतों से भी बचा जा सकता है। इस कार्य में भी कुछ कठिनाइयां तो आएंगी किन्तु अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गुलामी से मुक्ति भी तो मिलेगी।

(लेखक, पर्यावरणविद और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं)

एक संवत्सर और 13वां महीना : प्राकृतिक योजना व ज्योतिषीय व्यवस्था

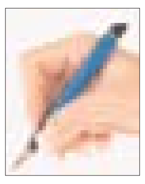

शास्त्री कोसलेन्द्र दास

मुसलमानी वर्ष केवल 354 दिन का हो गया और लगभग 33 वर्षों में सारे इस्लामी त्योहार वर्ष के सभी मासों में घूम जाते हैं। दूसरी ओर प्राचीन मिस्र वालों ने चंद्र को काल के मापक के रूप में नहीं माना और उनके वर्ष में 365 दिन थे। मिस्रियों ने 30 दिनों के बारह मास में पांच अतिरिक्त दिन और स्वीकार किए हैं। उनके पुरोहित 3000 वर्षों तक यही विधि मानते रहे।

इस 17 मई से अधिक मास शुरू हो रहा है, जो 15 जून तक चलेगा। अधिक मास के आते ही यह जिज्ञासा होने लगती है कि 12 महीनों के एक संवत्सर के भीतर तेरहवां मास कैसे आ गया? इसकी गणना कैसे होती है? इसकी शुरुआत कहां से हुई? इसे मल मास या पुरुषोत्तम मास क्यों कहा जाता है? महाभारत में पांडवों के बारह वर्षों के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास की गणना पर दुर्योधन द्वारा उठाए गए विवाद में अधिक मास का उल्लेख है। आचार्य द्रोण और कृपाचार्य सहित भीष्म और महात्मा विदुर ने दुर्योधन को समझाया कि प्रत्येक ढाई वर्ष की अवधि के बाद आने से पांडवों के वनवास में पांच बार अधिक मास आए हैं, जिससे युधिष्ठिर आदि पांडवों ने द्रौपदी के साथ पांच माह अधिक वनवास काटा है।

पुरातन इतिहास है अधिक मास का

डॉ. पांडुरंग वामन काणे की पुस्तक धर्मशास्त्र का इतिहास के अनुसार अधिक मास का इतिहास पुरातन है। यह मास मानव कृत सुविधा की व्यवस्था नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्राकृतिक योजना है, जिसे ज्योतिष शास्त्र ने व्यवस्थित किया है। ऋग्वेद में बारह के अलावा एक और अतिरिक्त मास का उल्लेख है। वेदांग ज्योतिष ने प्रत्येक पांच वर्षों में दो मास यानी ढाई–ढाई साल के अंतराल में एक–एक अधिक मास जोड़ दिया है।

प्राचीन काल में मासों की गणना चंद्र और सूर्य से होती थी। चन्द्र वर्ष में 354 दिन ही होते हैं, जो सौर वर्ष के 365 दिनों की तुलना में 11 दिन कम पड़ते हैं। ऐसे में केवल चन्द्र वर्ष की ही अभियोजना होने पर ऋतुओं को पीछे हटाना पड़ जाएगा। इससे ही कई देशों में अधिक मास की अभियोजना निश्चित हुई। कालगणना में ग्रेगेरियन कैलेंडर भी फरवरी को 28 और 29 करता है और हर महीना 30 का नहीं होता। सभी देशों में काल की मौलिक अवधियां प्रायः एक-सी हैं। वैज्ञानिक तथ्य है कि धुरी पर पृथ्वी के घूमने से दिन बनते हैं, जिसमें सूर्य के साथ पृथ्वी के जिस भाग का जुड़ाव होता है, वहां दिन होता है। सूर्य व चंद्र काल के मापक हैं। मास प्रमुखतः चांद्र अवस्थिति है और वर्ष सूर्य की प्रत्यक्ष गति है, पर वास्तव में यह सूर्य के चतुर्दिक पृथ्वी का भ्रमण है। काल गणना के इस क्रम को व्यवस्थित करने का वैज्ञानिक साधन अधिक मास है, जो प्रायः लगभग तीन साल बाद आता है।

इस्लाम ने सूर्य अयनवृत्तीय वर्ष के विस्तार पर ध्यान न देकर चंद्रमा को ही काल का मापक मानकर समाधान कर लिया। उनका वर्ष विशुद्ध चांद्र वर्ष है। इसका परिणाम यह हुआ कि मुसलमानी वर्ष केवल 354 दिन का हो गया और लगभग 33 वर्षों में सारे इस्लामी त्योहार वर्ष के सभी मासों में घूम जाते हैं। दूसरी ओर प्राचीन मिस्त्र वालों ने चंद्र को काल के मापक के रूप में नहीं माना और उनके वर्ष में 365 दिन थे। मिस्त्रियों ने 30 दिनों के बारह मास में पांच अतिरिक्त दिन और स्वीकार किए हैं। उनके पुरोहित 3000 वर्षों तक यही विधि मानते रहे। इस कारण उनके यहां अतिरिक्त वर्ष या मलमास नहीं होता। भारत में प्रचलित सभी संवतों में अधिक मास परिकल्पित है।

शुक्ल पक्ष पहले व कृष्ण पक्ष बाद में

'श्राद्धविवेक' की टीका में श्रीकृष्ण तकार्लंकार का कथन है कि जिस मास में सूर्य की संक्रांति नहीं होती, ऐसा चांद्रमास मल मास कहलाता है। उत्तर भारत में मास में कृष्णपक्ष पहले और शुक्ल पक्ष बाद में आता है। मास का अंत पूर्णिमा से होता है। पर अधिक मास में इसके विपरीत होता है। इसमें शुक्ल पक्ष पहले और कृष्ण पक्ष बाद में आता है और मास का अंत अमावस्या से होता है।

अधिक मास कई नामों से विख्यात है- अधिमास, मल मास, मलिम्लुच, संसर्प, अंहस्पति या अंहसस्पति, पुरुषोत्तम मास। यह द्रष्टव्य है कि प्राचीन काल से ही अधिक मास निन्द्य ठहराए गए हैं। इसे मल मास इसलिए कहा गया, मानो यह काल का मल है।

मलमास में नये व्रत का आरंभ नहीं होता

कुछ पुराणों ने भगवान विष्णु के नाम से जोड़कर इसे पुरुषोत्तम मास के रूप में मान्यता दी है। परंतु अग्निपुराण (175/29-30) में आया है-वैदिक अग्नियों को प्रज्वलित करना, मूर्ति-प्रतिष्ठा, यज्ञ, दान, व्रत, संकल्प के साथ वेद-पाठ, वृषोत्सर्ग, चूड़ाकरण, उपनयन, नामकरण और अभिषेक अधिमास में नहीं करने चाहिए। वैदिक साहित्य में तेरहवें मास के साथ जो पुरातन भावना थी, वही पुरुषोत्तम मास के साथ जुड़ी रही है। 'गृह्यपरिशिष्ट' ने लगभग हर तीन संवत्सर बाद पड़ने वाले तेरहवें मास के विषय में एक सामान्य नियम दिया है कि मलिम्लुच मास सभी कार्यों के लिए गर्हित (वर्जित) है। धर्मशास्त्र के ग्रंथों ने अधिक मास के धार्मिक कृत्यों का वर्णन किया है। परंपरानुसार अधिक मास में न तो किसी नए व्रत का आरंभ होता है और न ही उद्यापन पर नित्य और नैमित्तिक कृत्य, जैसे तीर्थ स्नान और मृतक के लिए प्रेतश्राद्ध अधिक मास में किए जाते हैं।

स्कूल में मौत बनकर दौड़ी आग!

गैस पाइप में लगी लपटें, बच्चों के बीच मची अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

9 महीने से खराब गैस पाइप और कुकर की शिकायत दबाते रहे प्रधानाध्यापक, रसोईया ने खोली लापरवाही की पोल

बब्लू खान

नवप्रदेश/लातेहार/मोंगर पंचायतः लातेहार जिले के मोंगर पंचायत स्थित हरखा उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मिड डे मील बनाने के दौरान गैस चूल्हे के पाइप में अचानक आग लग गई। कुछ देर के लिए स्कूल परिसर में चीख-पुकार मच गई और बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो सैकड़ों बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती थी। जानकारी के अनुसार, विद्यालय में हर दिन की तरह मिड डे मील रसोईया ममता देवी भोजन बनाने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान गैस चूल्हे से जुड़ा पाइप अचानक निकल गया और उसमें आग लग गई। आग की तेज लपटें उठते देख रसोइया जान बचाकर वहां से भागीं। घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक चंद्रिका यादव ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि इस घटना ने स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोलकर रख दी है। रसोईया ममता देवी ने पत्रकारों को बताया कि गैस पाइप खराब होने और ढीला रहने की शिकायत वे पिछले कई महीनों से प्रधानाध्यापक से करती आ रही थीं। उन्होंने कहा कि पाइप में वॉशर लगाकर उसे ठीक कराने की मांग बार-बार की गई, लेकिन हर बार इसे नजरअंदाज कर दिया गया। ममता देवी ने यह भी खुलासा किया कि स्कूल में दाल बनाने वाले कुकर की सीटी भी पिछले करीब 9 महीनों से खराब है। मजबूरी में रोज दूसरे घर से कुकर की सीटी मांगकर खाना बनाया जाता है और बाद में वापस कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो भविष्य में इससे भी बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं इस मामले में प्रधानाध्यापक चंद्रिका यादव ने कहा कि रसोइया ने उन्हें सूचना दी थी कि गैस पाइप में आग लग गई है। उन्होंने माना कि पाइप वॉशर से ठीक तरह टाइट नहीं होने के कारण यह घटना हुई। घटना के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने शिक्षा विभाग से विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

आंधी-तूफान और बारिश का कहरः लातेहार मेन रोड पर पेड़ गिरने से घंटों यातायात ठप, बिजली व्यवस्था भी रही बाधित

नवप्रदेश/ लातेहार। जिले में बुधवार को आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवा के कारण लातेहार मेन रोड स्थित डाक विभाग कार्यालय के बाहर एक बड़ा पेड़ गिर गया, जिससे सड़क पर घंटों यातायात प्रभावित रहा। पेड़ गिरने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही नगर पंचायत के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ की टहनियों को काटकर सड़क से हटाया। करीब एक घंटे की कार्रवाई के बाद यातायात व्यवस्था को फिर से बहाल किया जा सका। पेड़ गिरने से बिजली तार भी प्रभावित हुए, जिसके कारण आसपास के इलाके की बिजली व्यवस्था कुछ घंटों के लिए बाधित रही। बिजली आपूर्ति ठप होने से स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। बाद में बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तारों को दुरुस्त किया, जिसके बाद आपूर्ति सामान्य हो सकी। अचानक आए आंधी-तूफान से शहर के कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। लोगों ने प्रशासन से ऐसे मौसम में सतर्कता बरतने और आपदा प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

लातेहार की लाइफ लाइन हरखा नदी से दिनदहाड़े बालू उठाव जारी, प्रशासन मौन — आखिर किसके संरक्षण में चल रहा खेल

अवैध बालू कारोबार से सरकार को लाखों के राजस्व का नुकसान, खुलेआम ट्रैक्टरों से हो रहा उठाव

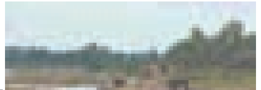

नवप्रदेश/लातेहार। जिले की जीवनरेखा मानी जाने वाली हरखा नदी इन दिनों अवैध बालू उठाव के कारण लगातार दोहन का शिकार हो रही है। हैरानी की बात यह है कि दिनदहाड़े नदी से ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों के माध्यम से बालू का उठाव किया जा रहा है, लेकिन प्रशासन इस पूरे मामले में मौन साधे हुए है। इससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर किसके आदेश या संरक्षण में यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर दिन नदी घाटों से दर्जनों ट्रैक्टर बालू लेकर निकलते हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है। अवैध बालू उठाव के कारण सरकार को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है, वहीं नदी का अस्तित्व भी खतरे में पड़ता जा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण बालू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।ग्रामीणों का कहना है कि हरखा नदी लातेहार शहर समेत आसपास के क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। नदी के लगातार दोहन से जलस्तर प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। पर्यावरणविदों ने भी चेतावनी दी है कि यदि समय रहते अवैध खनन पर रोक नहीं लगी, तो आने वाले दिनों में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से अविलंब कार्रवाई करते हुए अवैध बालू उठाव पर रोक लगाने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटिया पीसीसी सड़क निर्माण पर भड़के वार्ड पार्षद, उपायुक्त से जांच और कार्रवाई की मांग

चंदनडीह वार्ड-14 में निर्माण कार्य पर गंभीर आरोप, बिना सफाई व पानी पटवन के हो रहा निर्माण

बब्लू खान/नवप्रदेश/लातेहार। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत चंदनडीह वार्ड संख्या-14 में चल रहे पीसीसी सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर विवाद गहरा गया है। वार्ड पार्षद इन्द्रदेव उरांव ने उपायुक्त लातेहार को आवेदन सौंपकर ग्राम अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और संवेदक की मनमानी का आरोप लगाया है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि रांची-डालटनगंज मेन रोड से तीन मुहान होते हुए संजीवियर मिशन स्कूल होकर अव्वाटीकर पाण्डेयपुरा तक बन रही पीसीसी सड़क में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की जा रही है। आरोप है कि पुरानी पीसीसी सड़क की समुचित सफाई किए बिना ही सीमेंट-गिट्टी डालकर निर्माण कार्य किया जा रहा है। वार्ड पार्षद ने यह भी कहा है कि निर्माण स्थल पर पानी का छिड़काव और पटवन नहीं किया जा रहा, जिसके कारण सड़क ढलाई के तुरंत बाद ही दरारें पड़ने लगी हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने भी निर्माण कार्य का विरोध जताते हुए संवेदक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।आवेदन में कहा गया है कि यदि इसी तरह निर्माण कार्य चलता रहा तो सड़क कुछ ही दिनों में जर्जर हो सकती है। वार्ड पार्षद इन्द्रदेव उरांव ने उपायुक्त से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषी संवेदक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा गुणवत्ता पूर्ण निर्माण सुनिश्चित कराया जाए।

मुलकात कानूनी सहायता केंद्र का डालसा सचिव ने किया निरीक्षण, जेलर को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

मेदिनीनगर/झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राकेश रजंन गुरुवार को केंद्रीय कारा परिसर में मुलाकात कानूनी सहायता केंद्र का निरीक्षण किया। बिदित हो कि केंद्रीय कारा में मुलाकाती कानूनी सहायता केंद्र की शुरूआत की गई है। इसका उद्देश्य बंदी और परिजनों को कानूनी सहायता प्रदान करना हैं।व सुलभ मुलाकात सुनिश्चित करना और उनकी समस्याओं को समाधान करना है।साथ ही परिजनों को अधिकारों का प्रतीक जागरूक करना इसका मुख्य उद्देश्य है।विदित हो कि इस केंद्र में जेल बन्दियों से मिलने आने वाले परिजनों को उनके अधिकारों की जानकारी पीएलवी के माध्यम से दिया जाता हैं और न्याय तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही मुलाकातों का बिस्तृत विवरण एक तालिका में दर्ज किया जा रहा है।नाम पता व केस का विवरण संबंधित न्यायालय का नाम व केस की अगली तिथि और उपलब्ध कानून सहायता वकील की जानकारी शामिल है।इसके उपरांत डालसा सचिव के द्वारा कारा के अंदर पाकशाला, स्टोर गृह, मेडिकल वार्ड आदि का भी निरीक्षण किया गया। वह बन्दियों से जानकारी एकत्रित की गई।

चंदवा में पुलिस की बड़ी कार्रवाईः पिकअप वाहन से 12 गायें बरामद, पशु तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

बब्लू खान

नवप्रदेश/चंदवा। चंदवा थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पशु तस्करी के एक मामले का खुलासा किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार से धनबाद की ओर जा रही एक संदिग्ध पिकअप वाहन से 12 गायें बरामद की गईं। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय पशु तस्करी नेटवर्क में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि स्थानीय खुफिया तंत्र से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 12 गायों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। पुलिस ने मौके से वाहन चालक और उपचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने गायों को धनबाद के एक व्यापारी को बेचने के लिए ले जाने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब इस मामले में शामिल बड़े गिरोह और तस्करी नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुट गई है। संभावित ठिकानों पर छापेमारी की तैयारी भी की जा रही है। पुलिस ने चालक और उपचालक के खिलाफ गैरकानूनी पशु परिवहन एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इधर, इस कार्रवाई के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस की तत्परता और सक्रियता की सराहना की है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ में कई और अहम खुलासे होने की संभावना है।

मोतीराज इंटर महिला महाविद्यालय हरिहरगंज में 17 मई को व्याख्याता पदों के लिए साक्षात्कार

हरिहरगंज/मोतीराज इंटर महिला महाविद्यालय, हरिहरगंज में विभिन्न संकायों में व्याख्याता पदों पर नियुक्ति के लिए 17 मई को साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा. महाविद्यालय प्रबंधन ने मार्च माह में व्याख्याता पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे. इस संबंध में प्राचार्या वीणा सिंह ने बताया कि सभी योग्य अभ्यर्थियों को 17 मई को दिन के 11 बजे मोतीराज इंटर महिला महाविद्यालय, हरिहरगंज में साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है. उन्होंने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर अपने सभी मूल शैक्षणिक दस्तावेजों एवं प्रमाण पत्रों के साथ महाविद्यालय में उपस्थित हों. प्राचार्या ने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों के अभाव में किसी भी अभ्यर्थी को साक्षात्कार में शामिल नहीं किया जाएगा. साक्षात्कार प्रक्रिया महाविद्यालय परिसर में ही संपन्न कराई जाएगी.

रमा खलखो : संघर्ष, संगठन और महिला नेतृत्व की नई चेतना- हृदयानंद मिश्र

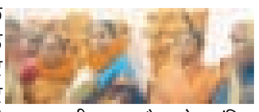

झारखंड की राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो केवल पद नहीं संभालते बल्कि अपने कार्य, व्यवहार और दूरदृष्टि से संगठन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। झारखंड महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रमा खलखो आज उसी श्रेणी की एक सशक्त, ओजस्वी और कर्मठ महिला नेत्री के रूप में उभरकर सामने आई हैं। उनका हालिया पाकुड़ और साहिबगंज दौरा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि महिला जागरण, संगठन सुदृढ़ीकरण और लोकतांत्रिक अधिकारों की चेतना का एक व्यापक अभियान था। रमा खलखो ने जिस प्रकार जिला महिला कांग्रेस की कार्यकताओं के साथ संवाद स्थापित किया, वह यह स्पष्ट करता है कि वे राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण मानती हैं। उन्होंने कार्यकताओं को यह समझाया कि कोई भी संगठन तभी मजबूत बनता है, जब उसकी जड़ें गांव-गांव तक फैली हों और महिलाएं केवल भीड़ का हिस्सा नहीं बल्कि नेतृत्व की धुरी बनें। पाकुड़ और साहिबगंज की बैठकों में उन्होंने महिलाओं को न केवल राजनीतिक रूप से सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया, बल्कि उन्हें प्रशिक्षित नेतृत्वकर्ता बनने का संदेश भी दिया। आज जब देश में महिला आरक्षण कानून को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है, तब रमा खलखो ने महिलाओं की आवाज को एक आंदोलन का स्वर देने का कार्य किया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण लागू करने में अनावश्यक विलंब और राजनीतिक कुत्सितता का आरोप लगाते हुए महिलाओं से प्रधानमंत्री को पोस्ट कार्ड लिखने का आह्वान किया। यह पहल लोकतंत्र में जनभागीदारी का एक अनूठा उदाहरण है। विशेष बात यह है कि इसकी शुरूआत उन्होंने स्वयं रांची जिले के सुदूर गांवों में जाकर की। यह बताता है कि वे केवल भाषण देने वाली नेत्री नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर संघर्ष करने वाली जननेता हैं। रमा खलखो की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सूक्ष्मदर्शी दृष्टि है। वे संगठन की छोटी-छोटी कमजोरियों को पहचानकर उसे दूर करने का प्रयास करती हैं। महिला कांग्रेस को उनके रूप में ऐसा नेतृत्व मिला है, जो केवल वर्तमान राजनीति को नहीं समझता बल्कि भविष्य के सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों को भी भांपने की क्षमता रखता है। वे जानती हैं कि आने वाला समय महिलाओं के नेतृत्व का समय है और इसलिए वे गांव की साधारण महिला कार्यकर्ता को भी आत्मविश्वास, संवाद कला और राजनीतिक समझ से सशक्त बनाने में लगी हैं। उनका राजनीतिक अनुभव भी उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाता है। रमा खलखो के रूप में उन्होंने जिस कुशलता और संवेदनशीलता से कार्य किया, उसे आज भी लोग याद करते हैं। रांची नगर निगम में उनके कार्यकाल को कई लोग स्वर्णिम युग की संज्ञा देते हैं। शहर के विकास, सफाई व्यवस्था, जनसंपर्क और प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर उनकी कार्यशैली ने यह साबित किया था कि यदि नेतृत्व ईमानदार और दूरदर्शी हो तो सीमित संसाधनों में भी बड़ा परिवर्तन संभव है। आज झारखंड की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। ऐसे समय में रमा खलखो का नेतृत्व महिला कांग्रेस के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आया है। वे महिलाओं को केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहतीं, बल्कि उन्हें सामाजिक न्याय, शिक्षा, अधिकार और लोकतांत्रिक चेतना की वाहक बनाना चाहती हैं। उनका यह प्रयास निश्चित रूप से झारखंड की राजनीति में एक नई विचारधारा और नई ऊर्जा का संचार करेगा। पाकुड़ और साहिबगंज का उनका दौरा इस बात का प्रमाण है कि यदि नेतृत्व समर्पित हो, तो संगठन केवल कार्यालयों में नहीं बल्कि जनता के दिलों में खड़ा होता है। रमा खलखो ने अपने व्यवहार, संघर्ष और विचारों से यह सिद्ध किया है कि महिला नेतृत्व केवल प्रतीक नहीं, बल्कि परिवर्तन की वास्तविक शक्ति है। झारखंड महिला कांग्रेस आज जिस मजबूती और सक्रियता के साथ आगे बढ़ रही है, उसमें रमा खलखो की दूरदृष्टि, संगठन क्षमता और जनसरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की महत्वपूर्ण भूमिका है। निस्संदेह, रमा खलखो आज झारखंड की महिलाओं के लिए केवल एक राजनीतिक चेहरा नहीं बल्कि आत्मविश्वास, संघर्ष और नेतृत्व की प्रेरणा बन चुकी हैं।

लेखकः हृदयानंद मिश्र एडवोकेट एवं सदस्य समन्वय समिति झारखंड प्रदेश कांग्रेस

हरिहरगंज में 68 वर्षीय बुजुर्ग ने 4 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, गिरफ्तार

हरिहरगंज/हरिहरगंज थाना क्षेत्र के मिश्रा कॉलोनी में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है. यहां 68 वर्षीय बुजुर्ग विद्या साव ने साढ़े चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया. पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. जानकारी के अनुसार, आरोपी विद्या साव ने गत 30 अप्रैल को बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया था. घटना के बाद से बच्ची को आंतरिक शारीरिक पीड़ा भी हो रही है. हद तो तब हो गई जब आरोपी गुरुवार को फिर चॉकलेट का लालच देकर बच्ची को घर ले जाने का प्रयास करने लगा. डरी-सहमी बच्ची भागकर मां के पास पहुंची और पूरी बात बताई. मां ने तत्काल मोहल्ले के लोगों को घटना की जानकारी दी. इससे आक्रोशित लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया. इधर, घटना से गुस्साए लोगों ने सिनेमा मोड़ के पास एनएच-139 को कुछ देर के लिए जाम कर दिया. बाद में थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार और अन्य गणमान्य लोगों के समझाने पर जाम हटाया गया और आवागमन बहाल हुआ. मामले की छानबीन करने पहुंचे छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव ने बताया कि पीड़िता की मां के आवेदन पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है. पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए मेदिनीनगर भेजा गया है. आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है.

हरिहरगंज-पीपरा में आंधी-तूफान का कहर सड़कों पर गिरे पेड़, 21 घंटे से बिजली गुल

हरिहरगंज/हरिहरगंज व पीपरा प्रखंड क्षेत्र में बुधवार शाम अचानक आए आंधी-तूफान और बारिश ने जमकर तबाही मचाई. तेज हवा और बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया. आंधी इतनी तेज थी कि घरों के छप्पर और करकट हवा में उड़ते दिखे. कई जगह पेड़ टूटकर सड़कों पर गिर गए, जिससे आवागमन घंटों बाधित रहा. तूफान का कहर ऐसा था कि कई इलाकों में बिजली के खंभे और तार टूटकर झूल गए. हरिहरगंज नदी रोड में पेड़ गिरने से मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद हो गया. वहीं सियरभूका नदी रोड स्थित मुन्ना मेहता के बड़े गोदाम का अल्बेस्टर शेड पूरी तरह ध्वस्त हो गया, जिससे लाखों का नुकसान हुआ है. सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा और सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया. तेज आंधी से क्षेत्र में सब्जी की फसल और आम के बागानों को व्यापक क्षति पहुंची है. खेतों में लगी सब्जियां बर्बाद हो गईं, जबकि आम के पेड़ों से कच्चे आम बड़ी संख्या में टूटकर गिर गए. दर्जनों जगह पेड़ गिरने से बिजली के तार और पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके कारण करीब 21 घंटे से पूरे इलाके में अंधेरा पसरा हुआ है. बिजली आपूर्ति ठप होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द राहत और बिजली बहाल करने की मांग की ह

NEET-UG 2026 पेपर लीक के विरोध में झामुमो का उग्र प्रदर्शन

आज, लातेहार में होगा पुतला दहन

डीसी ऑफिस गेट पर जुटेंगे युवा और छात्र मोर्चा के कार्यकर्ता, परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग

नवप्रदेश/लातेहार। NEET (UG) 2026 परीक्षा में कथित भारी गड़बड़ी एवं पेपर लीक मामले को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने शुक्रवार 15 मई को जिला मुख्यालय लातेहार में विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पार्टी के माननीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय के निर्देश एवं जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव को प्राप्त आदेश के आलोक में आयोजित किया जा रहा है। जारी सूचना के अनुसार सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, छात्र मोर्चा एवं केंद्रीय समिति सदस्यों को दोपहर 3 बजे कल्याण विभाग कार्यालय, लातेहार के समीप एकत्रित होने का आह्वान किया गया है। इसके बाद 3:30 बजे डीसी ऑफिस मुख्यालय गेट पर पुतला दहन कार्यक्रम किया जाएगा। झामुमो नेताओं ने कहा कि NEET जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं की खबरों से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। इसे लेकर युवाओं और छात्रों में भारी आक्रोश है। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव एवं छात्र संघ जिला अध्यक्ष राजेंद्र भगत करेंगे। नेताओं ने अधिक से अधिक संख्या में कार्यकताओं से पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

एक नजर

जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृतका के परिजन को मिला 2 लाख का लाभ

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ स्थित भारतीय स्टेट बैंक भैसादोन शाखा परिसर में गुरुवार को एक सादे समारोह का आयोजन कर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृतका के परिजन को 2 लाख की बीमा राशि प्रदान की गई। शाखा प्रबंधक जयंत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बालूमाथ प्रखंड के बसिया ग्राम निवासी सुरेंद्र उरांव की पत्नी सुनीता देवी की 9 सितंबर 2025 को वज्रपात की चपेट में आने से आकस्मिक मृत्यु हो गई थी।सुनीता देवी बालूमाथ स्थित ग्राहक सेवा केंद्र की खाताधारी थीं।ग्राहक सेवा केंद्र संचालक शशि भूषण प्रसाद द्वारा उनका प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा कराया गया था।योजना के तहत स्वीकृत 2 लाख की बीमा राशि मृतका के पति सुरेंद्र उरांव को बैंक के माध्यम से प्रदान की गई। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक ने क्षेत्र के लोगों से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि दुर्घटना या आकस्मिक घटना की स्थिति में इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बनता है।मौके पर बैंक के फील्ड ऑफिसर विश्वनाथ राय, बैंक कर्मी प्रमोद कुजूर, संजय खलखो,आशुतोष मिश्रा, सखी दीदी सोनी साहू, नंदकुमार यादव समेत कई लोग उपस्थित थे।

संगठन मजबूती अभियान में जुटे झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव

नवप्रदेश/चंदवा संवाददाताः झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव के निर्देशानुसार लातेहार जिले के सभी प्रखंड क्षेत्रों में बूथ स्तर पर संगठन मजबूती अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पार्टी संगठन को सशक्त बनाने एवं कार्यकताओं को सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।इसी क्रम में गुरुवार को जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव के नेतृत्व में चंदवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया गया।इस दौरान झामुमो प्रखंड सचिव रोबिन उरांव, मंटू कुमार, जीतन उरांव, सरीता देवी, मोहम्मद सेराज, मोहम्मद नौसाद, जमीर अंसारी, संदीप उरांव, मोहम्मद इरशाद एवं पप्पू यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।नेताओं ने बारी, ऐंटे, छातासेमर, रेची, बुलहु होस एवं सांसग गांव पहुंचकर स्थानीय लोगों और कार्यकताओं के साथ बैठक की।बैठक में संगठन विस्तार, बूथ कमेटियों की मजबूती तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई।जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने कहा कि झामुमो हमेशा गांव, गरीब और आम जनता की आवाज रही है।

भाटचतरा सुरक्षित वन में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, दो गिरफ्तार

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। वन प्रमंडल पदाधिकारी लातेहार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बालूमाथ वन विभाग ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह कार्रवाई वन क्षेत्र पदाधिकारी के निर्देश पर प्रभारी वनपाल आनंद कुमार चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई।जानकारी के अनुसार भाटचतरा सुरक्षित वन क्षेत्र में वन भूमि पर अवैध कब्जा कर कच्चा मकान निर्माण किया जा रहा था।छापेमारी के दौरान वन विभाग की टीम ने मौके से प्रसाद भुइया, पिता खीझन भुइया एवं सुलेंद्र लोहारा, पिता लालधारी लोहारा को गिरफ्तार किया।दोनों आरोपियों को वन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए मंडल कारा लातेहार भेज दिया गया।वहीं इस मामले में अन्य आठ लोगों के विरुद्ध भी वन मुकदमा दर्ज किया गया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

पेड़ की डाली गिरने से दो बाइक सवार घायल

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। बारियातू प्रखंड क्षेत्र एक सड़क हादसे में दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सकेन्दर उरांव 30 वर्ष पिता रामधनी उरांव एवं संजय उरांव 34 वर्ष पिता स्व. नागेश्वर उरांव, दोनों निवासी हिसरी बारियातू, अपने घर से मान्दर बनाने के लिए बाइक से कोमर जा रहे थे।इसी दौरान बारीखाप कर्नक्का नदी के पास गांव के कुछ लोग लेप्टस का पेड़ काट रहे थे।जैसे ही दोनों युवक उस रास्ते से गुजर रहे थे, अचानक पेड़ की एक बड़ी डाली उनके ऊपर गिर गई। घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सक अलीशा टोप्पो द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया।फिलहाल दोनों घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

अचानक आए तूफान में घर पर पेड़ गिरने से महिला की मौत, मौके पर पहुंचे सिओ, बिडीओ, सांसद प्रतिनिधि

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत भगिया पंचायत के भगिया गांव स्थित बरवाटोला में बुधवार रात आए तेज हवा-तूफान के दौरान घर पर पेड़ गिर जाने से सीमा देवी 25 वर्ष पति रमेश गंझु की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार एवं गांव में मातम छा गया।बताया जाता है कि अचानक आए आपदा तूफान के दौरान पेड़ घर पर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से सीमा देवी की मौके पर ही मौत हो गई।मृतका अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।घटना की जानकारी मिलते ही अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव तथा जिला सांसद प्रतिनिधि सह पूर्व बालूमाथ भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया।अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

जिला परिषद बैठक में जनहित के कई मुद्दे उठे, अधिकारियों ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

नवप्रदेश/लातेहार संवाददाता। लातेहार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को जिला परिषद लातेहार की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने जनहित एवं विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में कई प्रस्तावों पर सकारात्मक पहल एवं कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।बैठक में प्रत्येक माह जिला परिषद की नियमित समीक्षा बैठक आयोजित करने, स्थायी समितियों के गठन तथा 23 अप्रैल 2026 को जनसेवकों के किए गए नियमविरुद्ध स्थानांतरण आदेश को रद्द करने की मांग उठाई गई।साथ ही जिला परिषद सदस्यों को सभी विभागों की योजनाओं की जानकारी समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने की बात कही गई।उपाध्यक्ष अनीता देवी ने सरकारी उच्च विद्यालयों एवं प्लस टू विद्यालयों में नामांकन के नाम पर हो रही अवैध शुल्क वसूली का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि फिलहाल विद्यालयों में निशुल्क नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा छात्र कोष से संबंधित किसी भी प्रकार का शुल्क निर्णय होने के बाद ही लिया जाए। बैठक में डीएमएफटी से संचालित योजनाओं की विस्तृत सूची एवं प्रगति रिपोर्ट सभी जिला परिषद सदस्यों को उपलब्ध कराने तथा सूचना मांगने पर दो दिनों के भीतर जानकारी देने की मांग भी की गई।

15 वर्षीय किशोर लापता, हरिहरगंज थाने में केस दर्ज

हरिहरगंज. हरिहरगंज थाना क्षेत्र के रब्बदी गांव से 15 वर्षीय किशोर के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है. सलैया पंचायत अंतर्गत रब्बदी निवासी शिव यादव उर्फ केवल यादव का पुत्र कुंदन कुमार 12 मई से घर से गायब है. किशोर के अचानक लापता होने से परिजन परेशान हैं और अनहोनी की आशंका से सहमे हुए हैं. परिजनों ने बताया कि कुंदन 12 मई को घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा. रिश्तेदारों, आसपास के गांवों और सभी संभावित सभी जगहो पर तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला. गुरुवार को किशोर के चाचा गोपाल यादव ने हरिहरगंज थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई. थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए कांड संख्या 83/36 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है. पुलिस किशोर की तलाश में जुट गई है और सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है. परिजनों ने पुलिस से जल्द से जल्द कुंदन को खोजने की गुहार लगाई है.

पीपरा स्कूल के छत पर लगे,सोलर प्लेट को,तेज आंधी तूफान ने, किया क्षतिग्रस्त

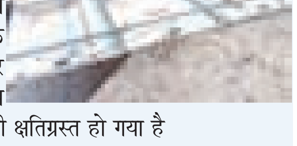

प्रतिनिधि नावा बाजार – अपग्रेड प्राथमिक विद्यालय कंडा पीपरा स्कूल में बीते बुधवार को रात्रि में तेज आंधी तूफान ने स्कूल के छत पर,लगाई गई सोलर प्लेट,सब क्षतिग्रस्त हो गया, प्रधानाध्यापक विनोद मेहता ने बताया कि,सोलर प्लेट सब क्षतिग्रस्त हो गया है साथ ही इससे कनेक्ट सब कनेक्शन भी क्षतिग्रस्त हो गया है

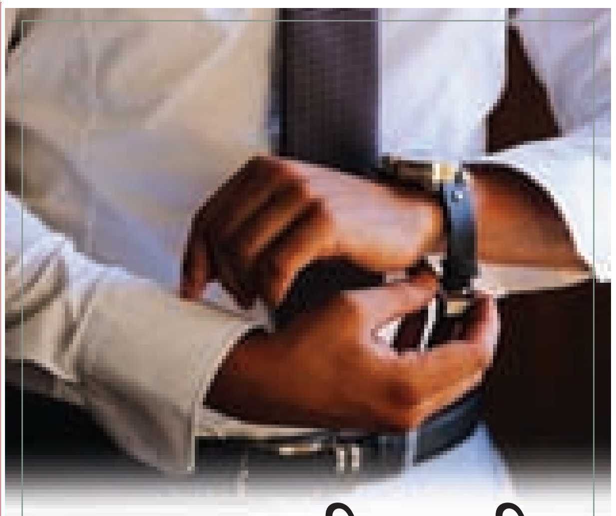

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए ! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है।आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है।निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है।

अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं।आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है।चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है।इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है।जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है।वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है।अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं!

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है।जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी।इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है।चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है।आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है।

वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं।कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं।अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं।ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं।वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं।विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं।इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है।कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है।जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं।इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं।उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है।7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं।यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

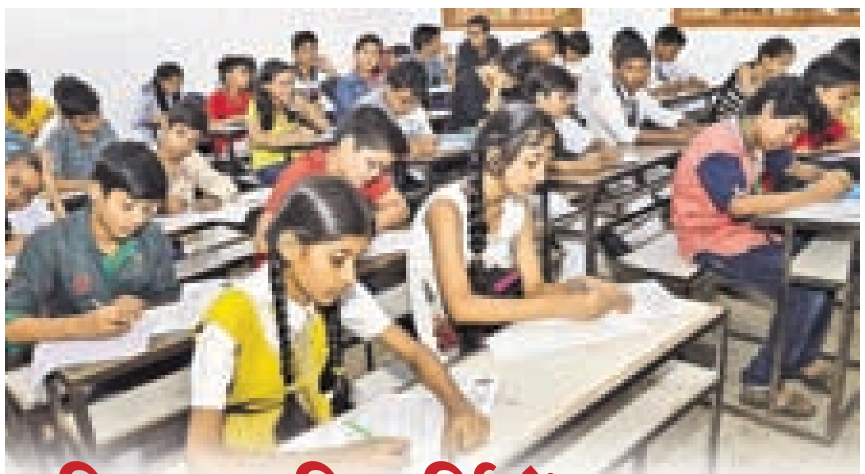

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं।

स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है।अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है।स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है।प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है।प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं।राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें।आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए।आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है।विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता।राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी।अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें।इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है:-प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)।इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे।द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे।इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे।(स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे।दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी।मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो।वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो।बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो।पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो।कोई रोजगार नहीं करता हो।राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी।यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है।विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं।वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं।एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं।इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है।हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है।एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए।इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है।कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है।विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं।वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है।वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

बासी रोटी खाने के फायदे

बची हुई रोटियों का आप क्या करते हैं ज्यादातर लोग या तो उन्हें फेंक देते हैं या उन्हें आवारा जानवरों को खिलाते हैं। क्योंकि आमतौर पर लोग खाने को 12 घंटे से अधिक समय होने पर उसे मानते है, जो कि आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। बासी खाना खाने से आपको दस्त, फूड पॉइजनिंग, एसिडिटी और अन्य कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन कम ही लोगों को यह बात पता है कि बासी रोटी खाने से आपको नुकसान नहीं, फायदे हो सकते हैं। जी हां बासी रोटी खाने से आपका ब्लड शुगर लेवल कम होता है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है। बासी रोटी के फायदों के साथ इसकी दिलचस्प बात यह है कि ये रेडी-टू-मेक फूड है, जैसे पोहा, ओट्स आदि से कहीं बेहतर है। आइए जानते हैं, क्यों बासी रोटी खाना आपके लिए अच्छा है।

बासी रोटी खाने के फायदे

गेहूं के आटे से बनी बासी रोटी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें हाई फाइबर, लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स और सोडियम की मात्रा कम होती है, जो इसे नाश्ते के लिए एकदम सही व स्वस्थ बनाता है। आइए यहां हम बासी रोटी खाने के कुछ फायदे आपको बताते हैं।

डायबिटीज में मददगार

बासी रोटी आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करके डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार है। इसलिए डायबिटीज रोगियों का बासी रोटी खाना फायदेमंद है। आप सुबह उठकर दूध के साथ बासी रोटी का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

ठंडे दूध के साथ बासी रोटी खाने से हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों में ब्लड प्रेशर लेवल कंट्रोल किया जा सकता है। इसके लिए उन्हें दूध में लगभग आधे घंटे के लिए बासी रोटी को भिगोए रखना है और फिर इसका सेवन करें। यह एक हेल्दी स्नैक्स के रूप में खाया जा सकता है। आप रात के खाने से बची रोटियों को नाश्ते में इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे खाना बर्बाद होने से भी बचेगा।

शरीर के तापमान के लिए

किसी भी इंसान के शरीर का सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है। यदि यह 40 डिग्री से अधिक है, तो यह आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में बासी रोटी खाने से आपके शरीर के तापमान को सामान्य करने में मदद मिल सकती है। बासी रोटी में मौजूद पोषक तत्व तापमान को सामान्य करते हैं और शरीर के तापमान को अधिक होने से रोकते हैं। बासी रोटी खाने से एसिडिटी भी नियंत्रित होती है जो तापमान को नियंत्रित करती है।

बेहतर पाचन

यदि आप अक्सर पेट या पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं, तो आप बासी रोटी के उपाय के तौर पर आजमाएं। यह न केवल आपको अस्वास्थ्यकर खाने से रोकेगा, बल्कि एसिडिटी, अपच, कब्ज, गैस, आदि पेट की बीमारियों से बचाने में मददगार है। इसके लिए आप रात के खाने में दूध में भीगी हुई बासी रोटी खाएं।

बासी रोटी खाने के कुछ शानदार व आसान तरीके

दूध में बासी चपाती : बासी रोटी खाने का सबसे आसान तरीका है कि आप दूध के साथ बासी रोटी को खाएं। बची रोटियों को फेंकने के बजाय, उन्हें तोड़कर थोड़ा दूध डालें और फिर खाएं। यह दिन के किसी भी समय एक अच्छा खाना है।

रोटी नूडल्सः यदि आप चाइनीज नूडल्स के शैकीन हैं, तो इसे रोटी के पतले स्लाइस के साथ नूडल्स की जगह देसी ट्विस्ट दें। यह न केवल सेहतमंद होगा, बल्कि बेहद स्वादिष्ट होगा।

रोटी चिप्सः बची हुई रोटियों का उपयोग आप एक और स्वस्थ तरीके से कर सकते हैं। इसके लिए आप बेकिंग की हुई रोटी के चिप्स का सेवन करें, जिनमें बहुत कम या कोई बिलकुल तेल नहीं होता है। आप इन्हें अपनी पसंद की चटनी या सॉस के साथ खा सकते हैं।

रोटी की खीरः अगर आप मीठे के शौकीन हैं, तो आप रोटी की खीर ट्राई कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस दूध, बची हुई रोटी के टुकड़े और स्वीटनर चाहिए। अब आप उन्हें कुछ मिनट तक पकाएं जब तक वह मिश्रण एक गाढ़ी खीर की तरह न बन जाए।

नोटः इस्तेमाल से पहले, सुनिश्चित करें कि रोटी को साफ जगह पर रखा गया हो और उससे कोई दुर्गंध न आ रही हो। क्योंकि खराब रोटी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है।

डॉक्टर कमल यादव, कंसल्टेंट डायटेटिक्स, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शालीमार बाग, दिल्ली के अनुसार, बासी रोटी का सेवन सभी के लिए सही रूप से काम नहीं करता है। यह व्यक्ति की पाचन क्षमताओं पर निर्भर करता है। वृद्ध लोगों की तुलना में युवाओं का पाचन तंत्र व पाचन शक्ति बेहतर होती है।

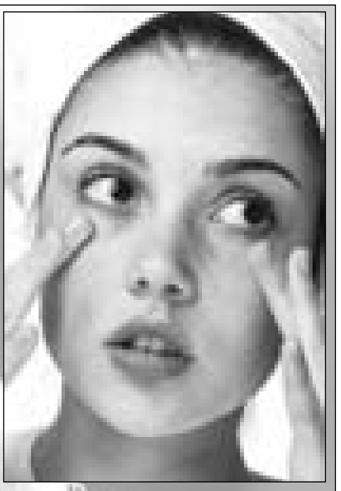

सर्दियों में ऐसे करें त्वचा की देखभाल

सर्दियों का मौसम आते ही हमारी त्वचा के लिए मुश्किल घड़ी आ जाती है और इस दौरान सही देखभाल न होने पर त्वचा फटने लगती है। इस मौसम में त्वचा सूख जाती है और इसका सबसे अधिक प्रभाव कोहनी, घुटने और ऐड़ी पर दिखाई देता है, जिससे निजात पाने के लिए त्वचा रोग विशेषज्ञ ने कुछ सुझाव दिए हैं। प्रस्तुत है कुछ अंश :-

वीएलसीसी के डर्मेटोलॉजी के हेड ऑफ डिपार्टमेंट व कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. डीजेएस तुला ने कहा, त्वचा का सर्दियों में बचाव करने के लिए यह जरूरी है कि पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन किया जाए। इससे आपके शरीर में नमी बनी रहती और सूखेपन से बचाव होता है। ठंड के मौसम में कॉफी और चाय से परहेज करें, क्योंकि ये त्वचा की सुंदरता के लिए सहायक नहीं हैं। ग्रीन टी एक बेहतर विकल्प है, क्योंकि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव होते हैं जो त्वचा को निखारने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी हो या सर्दी त्वचा की सफाई अनिवार्य है। अगर त्वचा साफ करने के बाद थोड़ी कठोर हो जाती है, तो शायद इसका मतलब यह हो सकता है कि त्वचा पर इस्तेमाल किया गया क्लिंजर सही नहीं है। सर्दियों में तेल आधारित क्लिंजर का प्रयोग करें, क्योंकि यह त्वचा में नमी बनाए रखने में मदद करता है। डॉ. डीजेएस तुला ने कहा, गर्म पानी से स्नान करने से बचें और कम गर्म पानी का उपयोग करें। ठंडे पानी से स्नान करना त्वचा के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है। स्नान करने के बाद मॉइस्चराइजिंग आवश्यक है, अन्यथा त्वचा की सतह पर दरारें दिखाई दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि सर्दियों में लोग शरीर को गर्म रखने के लिए हीटर का इस्तेमाल करते हैं, पर यह त्वचा के सूखेपन का कारण बन सकता है, इसलिए हीटर के पास ज्यादा देर तक न बैठें और छोटे अंतराल के बाद खुले में जाएं। महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए ब्लीच का उपयोग करती हैं। ब्लीच एक भयानक रसायन है जो त्वचा से प्राकृतिक तेल को सोखता है, जिससे त्वचा छिल और जल जाती है। इसका उपयोग नहीं करना चाहिए। डॉ. तुला ने कहा कि यह सोच गलत है कि सर्दियों में सूरज कि किरणों से त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचता है, ऐसा नहीं है और गर्मियों में सनस्क्रीन लगाना जितना आवश्यक है उतनी ही सर्दियों में भी है। बहुत से लोग मानते हैं कि सर्दियों के अंधेरे दिनों में सूर्य नहीं होता है, लेकिन वास्तव में सूर्य की हानिकारक यूवी किरणें बादलों को पार कर सकती हैं और नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए घर से बहार जाने से शरीर पर स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सर्दियों में फल, नट्स, हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें। यह आपके पाचन तंत्र को मजबूत करती है और साथ-साथ आपकी त्वचा को चमकने में भी मदद करती है। त्वचा की सुंदरता के लिए गाजर का सेवन करें। यह विटामिन-ए का समृद्ध स्रोत है और यह आपके लिए सुंदरता के एजेंट जैसा है। मछली, अंगूर, एवोकैडो ब्रोकोली और बेरी त्वचा के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।

बिना पानी के दवा खाने से हो सकती हैं कई परेशानियां

क्या आप बिना पानी के दवा खाना पसंद करते हैं? कभी किसी वक्त ऐसे आपने करने का प्रयास जरूर किया होगा क्योंकि ज्यादा व्यस्त होने के कारण लोग पानी का गिलास उठाने में आलस करते हैं। बिना पानी के दवा खाने के पीछे कोई भी कारण हो लेकिन ऐसा करना आपके स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। ऐसा इसलिए नहीं कि यह आपके गले में फंसकर आपकी सांस रोक सकती हैं बल्कि यह आपके लिए और भी ज्यादा घातक साबित हो सकती है।

अनचाही जटिलताओं को करें दूर

किसी भी अनचाही जटिलताओं से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि दवा लेते वक्त ढेर सारा पानी पानी। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति को दवा खाते वक्त 250 एमएल पानी जरूर पीना चाहिए। इसके अलावा आपको हमेशा दवा लेते वक्त या तो खड़े होना चाहिए या फिर बैठकर दवा लेनी चाहिए। अगर आप लेटकर दवा लेंगे तो आपका दम भी घुट सकता है। इसी कारण से आपको सोने से 15 मिनट पहले दवा लेने की सलाह दी जाती है ताकि गोली आराम से आपकी भोजन नलिका से निकल जाए।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के फायदे

बिना पानी के दवा खाना जितना मुश्किल है उतना ही इसके बिना जीवित रह पाना है। पानी न हमारी प्यास बुझाने के साथ-साथ पाचन-तंत्र से लेकर मस्तिष्क के विकास में अहम भूमिका निभाता है। पानी किसी भी बीमारी में रामबाण की तरह काम करता है। पानी डिहाईड्रेशन के कारण होने वाले सिरदर्द से राहत दिलाने के साथ-साथ शरीर को तरोताजा रखने का काम करता है। दवा को आराम से निगलने के अलावा पानी हमें ये 4 फायदे भी प्रदान करता है।

कब्ज की परेशानी होती है दूर

पानी पीने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। सुबह उठकर एक गिलास पानी पीने से हमारा पेट साफ रहता है और कब्ज की परेशानी दूर होती है।

मेटाबॉलिज्म को सुधारने का करता है काम

पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीने से मेटाबालिज्म की गति धीमी हो जाती है, जिसके कारण फैट बर्न नहीं हो पाता। जबकि वजन घटाने के लिए फैट को बर्न करना बहुत जरूरी है, जिसके लिए पानी बहुत ज्यादा जरूरी है। इसलिए दिन कम से कम 8 से 10 गिलास या दो फिर दो से तीन लीटर पानी पीएं।

सिरदर्द से दिलाता है राहत

सिरदर्द से बचने का एक उपाय है पानी पीना। दरअसल कभी-कभार डिहाइड्रेशन के कारण हमारा सिरदर्द करने लगता है इसलिए भरपूर मात्रा में पानी पीएं।

त्वचा निखारने का काम करता है पानी

त्वचा को निखारने के लिए आपने बहुत से क्रीम और अन्य उत्पादों का प्रयोग किया होगा लेकिन फिर भी मनचाहा परिणाम देखने को नहीं मिलता है। अगर आप क्रीम लगा-लगा कर थक चुके हैं तो पर्याप्त मात्रा में पानी पीकर देखें। यह त्वचा के ऊतकों को फिरसे भरता है और त्वचा को नमी व नरम बनाता है।

रन ऑफ कच्छ

रन ऑफ कच्छ 23,300 किमी में फैला हुआ है। वैसे तो ये समुद्र का ही एक हिस्सा है लेकिन 1819 में आए भूकंप के कारण यहां का भौगोलिक परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया और इसका कुछ भाग ऊपर उभर आया था। सिकंदर के समय यह एक नौगम्य झील था। रन ऑफ कच्छ दो हिस्सों में बंटा हुआ है। उत्तरी रन यानि ग्रेट रन ऑफ कच्छ 257 किमी के क्षेत्र में फैला है और पूर्वी रन जिसे लिटिल रन ऑफ कच्छ कहते हैं ग्रेट रन ऑफ कच्छ से छोटा है। ये लगभग 5178 वर्ग किमी में बसा है। बता दें कि रण का मतलब हिंदी में रेगिस्तान से है। गर्मियों में यहां का तापमान 44-50 डिग्री तक बढ़ जाता है और सर्दियों में शून्य से नीचे तक चला जाता है।

कच्छ का इतिहास

इतिहास के अनुसार कादिर नाम का कच्छ का एक द्वीप हड़प्पा की खुदाई में मिला था। कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा कहलाए। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को अंग्रेजी जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनाए गए।

कच्छ का रण विवाद

बात 1965 की है जब रण के पश्चिमी छोर पर भारत- पाक सीमा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। अप्रैल में सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई और बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप के बाद ही युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव द्वारा सिक्योरिटी काउंसिल को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस पूरे मामले को ट्रायब्यूनल को भेजा गया। ट्रायब्यूनल में 1968 में जाकर फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाक में और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। एक साल बाद 1969 में रण का विभाजन हो गया।

रन ऑफ कच्छ उत्सव

दुनिया के सबसे बड़े नमक रेगिस्तानों में से एक भारत के गुजरात राज्य में कच्छ का महान रण न केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है बल्कि यहां के स्थानीय लोगों द्वारा बनाया गया द रण उत्सव के लिए भी ये काफी पॉपुलर है। हर साल रण उत्सव 1 नवंबर से शुरू होकर 20 फरवरी तक चलता है। इस उत्सव को चांदनी रात में कच्छ के रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में देशी-विदेशी सैलानी आते हैं। यहां आकर आप चांदनी रात और खुली हवा में कल्चरल प्रोग्राम का आनंद ले सकते हैं। यहां से आप पाकिस्तान के सिंध प्रांत का नजारा भी आसानी से देख सकते हैं, जो कच्छ से बस थोड़ी ही दूरी पर स्थित है। भारत पाक सीमा पर आयोजित होने वाले इस रण उत्सव में आप ऊंठ की सवारी का लुत्फ उठा सकते हैं। कभी ये उत्सव तीन दिन तक आयोजित होता था लेकिन अब पूरे 38 दिन इस उत्सव का जश्न मनाया जाता है। यहां ढेरों कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक को दर्शाते हैं। पिछले कई साल के रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण के पात्रों से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर आप स्थानीय लोगों की हस्तकलाओं और रहन-सहन से भी रूबरू हो सकते हैं। भुज से पांच किमी दूर रण के मैदान के बीच धोरडो गांव के पास एक टूरिस्ट कैंप बस जाता है, जहां देशी- विदेशी सैलानियों को सर्व-सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोल वाहन यानि डीपीवी पर रेगिस्तान पर एकल सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। डेजर्ट सफारी इस दौरान देखने लायक होती है। इसके अलावा आप यहां हॉट एयर बैलून कच्छ का भी लुत्फ ले सकते हैं। रण उत्सव में पहले दिन भाग लेने आने वाले पर्यटकों को हमीरसर लेक के किनारे आयोजित होने वाले रण कार्निवल की सैर करई जाती है, जिससे की वे यहां की संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानें। दूसरे दिन रण सफारी और चांदनी रात में आयोजित लोक संगीत और नृत्यों का लुत्फ उठाया जाया जा सकता है।

कच्छ का खानपान

कच्छ के लोग सरल जीवन और उच्च विचार में विश्वास करते हैं। मुख्य भोजन बाजरी (बाजरा) से बना रोटलास होता है, जिसे बटर मिल्क या 'छास, बटर और जग्गरी या 'गुड़' के साथ बनाया जाता है। चावल और दाल (दाल) से बनी खिचड़ी सभी को पसंद आती है। यदि आप किसी भी घर में जाते हैं तो पहले एक गिलास पानी एक रिवाज के रूप में परोसा जाता है। चाय जो 60 साल पहले अज्ञात थी, सभी लोगों के बीच सार्वभौमिक पेय बन गई है। खाने की तैयारी में दूध आधारित चीजें जैसे दही और घी बहुत आम हैं। ग्राउंड नट ऑयल और ग्राउंड नट का उपयोग आमतौर पर भोजन को अधिक विदेशी बनाने के लिए किया जाता है। आमतौर पर कच्छी क्युसिन में रोटी या रोटला, दही, मक्खन दूध, दाल, करी, सब्जियाँ, पापड़, कचुम्बर होते हैं। सूखी रोटियाँ या थेपला और खाकरा और सेव (चने के आटे की) बनाई जाती हैं और यात्रा आदि के दौरान भोजन के रूप में संग्रहित की जाती हैं।

रन ऑफ कच्छ में क्या खरीद सकते हैं

कच्छ में एक समृद्ध संस्कृति है जो अपनी कला के माध्यम से निकलती है। यह जिला कई देहाती समुदायों का है जो विभिन्न प्रकार के शिल्पों में कुशल हैं। कच्छ में बुटीक और दुकानों सहित कुछ बेहतरीन जगहें हैं,जिसमें हथकरघा कपड़े, हाथ से पेंट किए गए लकड़ी के बक्से, कपड़े मिलते हैं। यह खरीदारी करने के लिए अपेक्षाकृत कम महंगी जगह है। कच्छी शिल्प खरीदने के लिए भी भुजोडी (भुज से 8 किलोमीटर), निरोना, भुज, अंजार और होदका जैसे गांव अच्छे स्थानों में से हैं। स्थानीय रबारी, अरी, अहीर, मुतवा और बन्नी समुदायों द्वारा प्रचलित ललित कढ़ाई प्रभावशाली हैं। कच्छ में शॉपिंग करने का आपको एक अलग ही अनुभव हासिल होगा। यहां आप दुकानों पर तेल से बनी रोगन आर्ट,कॉपर बैल्स,मिरर वर्क के एम्ब्रॉयडिड गारमेंट्स,चंकी सिल्वर ज्वेलरी,गोल्ड ज्वेलरी,अजरख ब्लॉक प्रिंटिंग शॉल,बांधनी साड़ी व दुपट्टा इन सभी चीजों की खरीददारी कर सकते हैं, जो आपको भारत में कहीं नहीं मिलेंगी।

कब जाएं रन ऑफ कच्छ

रन ऑफ कच्छ की यात्रा करने का सही समय जनवरी में मक्रर संक्रांति के बाद है। इस समय यहां का मौसम बेहद सुहावना होता है और भीड़ भी कम मिलती है। कच्छ के सफेद रेगिस्तान की यात्रा के लिए पूर्णिमा की रात सबसे अच्छा समय है। यदि आपको पूर्णिमा की रात की बुकिंग नहीं मिलती तो एक या दो दिन पहले या बाद की यात्रा की योजना बनाएं। तब भी आपको पूर्णिमा की रात जैसा आनंद का अनुभव होगा। रन ऑफ कच्छ जाने का सही समय है अक्टूबर भी है । इस महीने में यहां हर साल रण उत्सव आयोजित होता है। इस दौरान आपको रण का एक अलग ही अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। अक्टूबर से मार्च तक यह पयर्टकों के लिए पीक सीजन होता है। रण ऑफ कच्छ दिसंबर के अंत से सूखना शुरू होता है, जिसके बाद ये पूरी तरह एक सफेद रेगिस्तान जैस दिखता है। उत्सव के दौरान यह पयर्टकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। हर साल इस चमकीले रेगिस्तान को देखने के लिए 8 से 10 लाख लोग यहां आते हैं।

एनटीआरनील

फिल्म 'एनटीआरनील' की पहली झलक का बेसब्री से इंतजार, फैंस की उत्सुकता बढ़ी

[illegible]

रणदीप हुड्डा ने लीक हुई तस्वीरों पर तोड़ी चुप्पी

हाल के दिनों में रामायण, किंग और 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन से जुड़े लुक और सीन सोशल मीडिया पर लीक होने की घटनाएं चर्चा में रही हैं। अब अभिनेता रणदीप हुड्डा ने फिल्म सेट से होने वाले इन लीक्स पर खुलकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि सेट से वायरल होने वाली तस्वीरें या वीडियो हमेशा गलती से लीक नहीं होते, बल्कि कई बार यह सोची-समझी प्रचार रणनीति का हिस्सा होते हैं।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में रणदीप ने कहा कि उन्हें गहरा संदेह है कि कई लीक्स जानबूझकर किए जाते हैं, क्योंकि यह पब्लिसिटी का एक बेहतरीन जरिया बन चुका है। उन्होंने कहा, हमुझे लगता है कि बहुत कुछ जानबूझकर ही किया जाता है। हालांकि यह दुखद है, लेकिन कई लोग अपने फायदे के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं और जानबूझकर हंगामा खड़ा करते हैं।र रणदीप के मुताबिक, सोशल मीडिया पर किसी प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा बढ़ाने के लिए ऐसे लीक्स का इस्तेमाल अब आम होता जा रहा है।

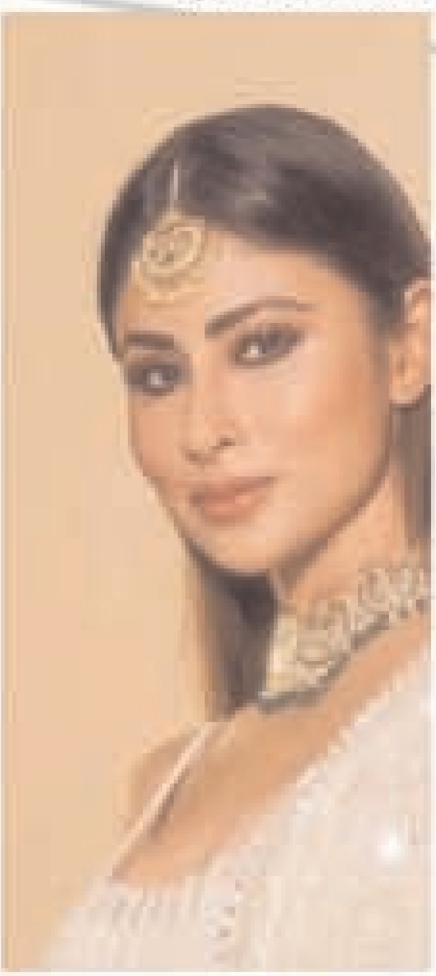

'इंस्पेक्टर अविनाश' के निर्देशक नीरज पाठक ने सोशल मीडिया लीक्स को क्रिएटर्स के लिए बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि फिल्मकार सालों तक कहानी और किरदारों पर

'इंस्पेक्टर अविनाश' के निर्देशक नीरज पाठक ने सोशल मीडिया लीक्स को क्रिएटर्स के लिए बेहद निराशाजनक बताया

नीरज पाठक

मेहनत करते हैं ताकि दर्शकों के लिए सरप्राइज बना रहे, लेकिन ऑनलाइन किसी लीक होने से पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। बता दें कि 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' करीब तीन साल बाद वापसी कर रहा है। 90 के दशक के उत्तर प्रदेश की सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह सीरीज 15 मई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शादी के 4 साल बाद अलग हुए मौनी रॉय और सूरज नांबियार

मनोरंजन जगत की मशहूर अभिनेत्री मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार ने शादी के चार साल बाद अलग होने का फैसला कर लिया है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं, जिन पर अब इस जोड़े ने आधिकारिक मुहर लगा दी है। दोनों ने संयुक्त बयान जारी कर बताया कि उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया है।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए बयान में मौनी ने निजी जीवन में हो रही दखलअंदाजी पर नाराजगी जताई। बयान में कहा गया, हहम मीडिया के कुछ तबकों द्वारा हमारे निजी जीवन में दी जा रही अनावश्यक और दखल देने वाली अफवाहों को निराशा के साथ देख रहे हैं। यह हमारे निजी जीवन का मामला है।र दोनों ने आगे स्पष्ट किया कि यह फैसला उनकी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और जीवन के अलग-अलग नजरिए को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय आपसी सम्मान और सहमति के साथ लिया गया है। मौनी और सूरज ने लोगों से इस कठिन समय में उनकी निजता का सम्मान करने की अपील की है।

साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन'

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद मेकर्स हुए सतर्क

साई पल्लवी की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'एक दिन' बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई, जिसके बाद अब उनकी आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फिल्म में सीता के किरदार के लिए साई पल्लवी की आवाज डब किए जाने पर विचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'एक दिन' में उनके हिंदी उच्चारण को लेकर सोशल मीडिया पर हुई आलोचना के बाद निर्माताओं ने यह कदम उठाने का फैसला लिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक नितेश तिवारी और उनकी टीम का मानना है कि 'रामायण' जैसी महागाथा में सीता के किरदार के लिए भावनात्मक गहराई के साथ शुद्ध हिंदी टोन भी बेहद जरूरी है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने साई पल्लवी के हिंदी उच्चारण को लेकर सवाल उठाए थे। कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि 'रामायण' जैसे बड़े प्रोजेक्ट में भाषा और संवाद अदायगी को लेकर और अधिक सावधानी बरतनी चाहिए थी।

बताया जा रहा है कि इससे पहले सीता के किरदार के लिए आलिया भट्ट का नाम लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन डेट्स की समस्या के चलते उन्होंने फिल्म से दूरी बना ली। इसके बाद यह भूमिका साई पल्लवी को मिली। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'रामायण: पार्ट 1' दिवाली 2026 पर रिलीज हो सकती है, जबकि दूसरा भाग 2027 में सिनेमाघरों में आएगा।

करुप्पु

फिल्म 'करुप्पु' की रिलीज में हुई देरी ने प्रशंसकों के उत्साह को गुस्से में बदला

साउथ भारतीय सुपरस्टार सूर्या की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'करुप्पु' की रिलीज में हुई देरी ने प्रशंसकों के उत्साह को गुस्से में बदल दिया। पुडुचेरी के कई सिनेमाघरों में फिल्म के तय समय पर शुरू नहीं होने से नाराज फैंस ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। माना जा रहा था कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर करीब 25 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड ओपनिंग कर सकती है, लेकिन तकनीकी देरी और शो रद्द होने से यह मुश्किल नजर आ रहा है। इससे फैंस में भारी नाराजगी देखने को मिली।

फिल्म की रिलीज का जश्न मनाने पहुंचे प्रशंसकों ने 'करुप्पु' नाम वाली [illegible] टी-शर्ट पहनी थी और पटाखे, ढोल-नगाड़े व कंफेटी के साथ थिएटर पहुंचे थे। फैंस ने सूर्या के पोस्टरों को माला पहनाने और दूध से नहलाने की तैयारी कर रखी थी। [illegible] वाली इस फिल्म में [illegible] भी मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, शो रद्द होने की सूचना [illegible] का माहौल गुस्से में बदल गया और [illegible] निर्माता एसआर प्रभु व टीम [illegible] खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

जानकारी के मुताबिक, फिल्म की [illegible] देरी की वजह वित्तीय विवाद और [illegible] भुगतान में हुई समस्या बताई जा रही [illegible] पुडुचेरी और चेन्नई के कई सिनेमाघरों [illegible] फैंस देर तक अपडेट का इंतजार करते [illegible] आए। इस बीच फीचैम्प आई-[illegible] स्पष्ट किया है कि 'करुप्पु' [illegible] मई को रिलीज होगी। ट्रेलर रिलीज शेयर करते हुए कंपनी ने लिखा, ह अंधेरा, भयंकर और अप्रत्याशित। एक आदमी का गुस्सा और एक ऐसी कहानी जो पर्दे हिला देगी। 15 मई को 'करुप्पु' की शक्ति देखने के लिए तैयार हो जाइए।र

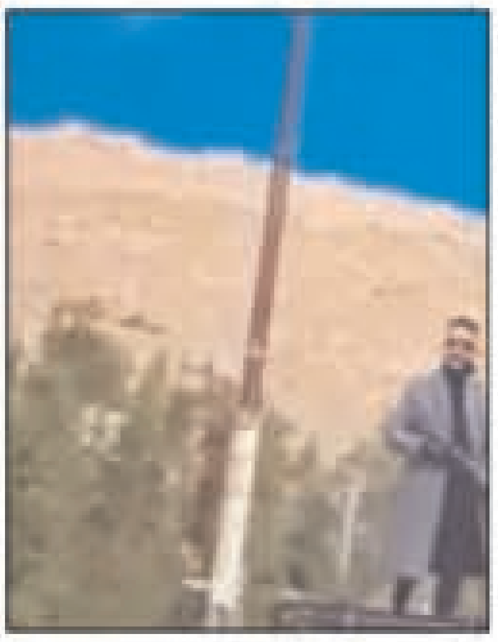

किंग' के सेट से अभिषेक बच्चन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर हुई लीक

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस बीच फिल्म के सेट से अभिषेक की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं, जिन्होंने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। वायरल तस्वीरों में उनका आक्रामक और एक्शन से भरपूर अंदाज देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर लोग उन्हें फिल्म का खतरनाक विलेन मान रहे हैं।

सामने आई तस्वीरों में अभिषेक बच्चन किसी पहाड़ी इलाके में एक वाहन के ऊपर खड़े दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने ब्लैक आउटफिट के साथ लंबा सा ओवरकोट पहन रखा है और हाथ में हथियार जैसी चीज नजर आ रही है। एक अन्य तस्वीर में कार दुर्घटना से जुड़ा हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन दिखाई देता है। सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होते ही फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है।

रोहतासगढ़ किला सड़क निर्माण में वन विभाग पर बाधा का आरोप, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

नवप्रदेश/रोहतास। वरिष्ठ अधिवक्ता सह जदयू जिला प्रवक्ता बैरिस्टर सिंह कुशवाहा ने रोहतास के रेहल से चौरासन तथा ऐतिहासिक रोहतासगढ़ किला तक पक्की सड़क निर्माण में हो रही देरी को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वन विभाग के अधिकारी, विशेष रूप से रेंजर चौहान शशि भूषण कुमार सिंह एवं डीएफओ स्तर से सड़क निर्माण कार्य में अनावश्यक बाधा उत्पन्न की जा रही है, जबकि मामला जुलाई 2025 से लंबित है। उन्होंने कहा कि पथ निर्माण विभाग, प्रमंडल डेहरी द्वारा वन विभाग की सभी आवश्यक मांगों एवं प्रक्रियाओं को पूरा कर दिया गया है तथा भूमि भी उपलब्ध करा दी गई है। बैरिस्टर सिंह कुशवाहा ने बताया कि पथ निर्माण विभाग द्वारा दिनांक 8 जुलाई 2025 को प्रवेश पोर्टल पर फॉरेस्ट वेरिफिकेशन के लिए आवेदन किया गया था। भूमि चिन्हांकन सहित सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद अब तक अनुमति नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने रेंजर से मोबाइल पर बातचीत की तो सही जवाब नहीं मिला और गोलमटोल बातें की गईं। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति अत्यंत खराब है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ रोहतासगढ़ किला आने वाले पर्यटकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रोहतास की पहाड़ी क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है, लेकिन सड़क सुविधा के अभाव में विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर शीघ्र सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। साथ ही विश्वास जताया कि सरकार इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही बची हुई सड़क का निर्माण कार्य पूरा कराएगी।

उपचुनाव में आरजेडी की हुई जीत, तेजस्वी यादव ने कहा बैलेट पेपर से अगर चुनाव हो तो राजद और महागठबंधन की ही जीत होगी

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर। बिहार विधान परिषद उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल की जीत पर तेजस्वी यादव का जोश बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अगर बैलेट पेपर से चुनाव होगा तो भारतीय जनता पार्टी और एनडीए कहीं के नहीं रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया ईवीएम से वोटिंग होने पर सरकार में बैठे लोग छल कपट करके चुनाव जीतने है। उन्होंने सभी चुनाव बैलट पेपर से करने की मांग की है। बताते चले कि भोजपुरी बक्सर स्थानीय एमएलसी सीट पर हुए उपचुनाव में जहां आरजेडी ने जदयू को हराकर अपनी जीत दर्ज कर ली। जहां

भोजपुर बक्सर से एमएलसी उपचुनाव में राजद के सोनू राय ने भारी मतों से चुनाव जीत गए। उन्होंने जदयू के कन्हैया प्रसाद को 350 से अधिक मतों से हरा दिया इस सीट पर पहले जीडीयू के राधा चरण सिंह एमएलसी थे। उनके सदेश सिट से विधायक बनने के बाद यह विधान परिषद की सीट खाली हो गई थी। जिस पर उन्हीं के पुत्र कन्हैया प्रसाद को एनडीए ने प्रत्याशी बनाकर चुनाव में उतारा था। हालांकि राधाचरण अपने पुत्र को एमएलसी नहीं बना पाए। चनावी जित पर प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के हौसले बुलंद है उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मशीन से वोटो की गिनती होती है तो पूरा दिन बीत जाता है और रात के एक दो बजे तक मत करना चलती है। पहले भी वही होता था तो कोई फर्क नहीं था। जब ईविएम से मतगणना का समय उतना ही लगता है तो वैलेट पेपर पर ही वोटिंग क्यों नहीं कराई जाती। उन्होंने कहा कि बेल्ट वोटिंग के परिणाम सभी जानते हैं। इसमें एनडीए और भाजपा कहानी टिकने वाली नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि अगर वैलेट पेपर पर पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव होता तो महागठबंधन को 150 से ज्यादा सिटे मिलती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोगों ने मशीन के साथ छल कपट करके हमें हारने का काम किया है। जहां इस चुनाव परिणाम के बाद आरजेडी कार्यकताओं में खुशी देखी जा रही है

महागठबंधन की जीत ने खड़ा किया नया समीकरण

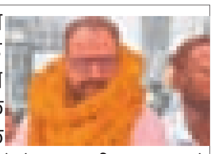

नवप्रदेश/आरा भोजपुर एवं बक्सर स्थानीय प्राधिकार के बिहार विधान परिषद के सीट पर हुए उप चुनाव के बाद मतगणना का कार्य संपन्न हुआ जिसमें की महागठबंधन के प्रत्याशी सोनू कुमार राय ने कड़े मुकाबले में एनडीए प्रत्याशी कन्हैया प्रसाद को मात दे दी उपचुनाव के हुए मतदान में सोनू कुमार राय को 2507 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी कन्हैया प्रसाद को 2153 से संतोष करना पड़ा वही इस चुनाव में जदयू के बाकी प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे निर्दलीय प्रत्याशी मनोज कुमार उपाध्याय ने पूरे खेल को बिगाड़ दिया इसके कारण एनडीए प्रत्याशी कन्हैया प्रसाद को हारका मुंह देखना पड़ा महागठबंधन के इस जीत से भोजपुर जिले में नया समीकरण सामने आया है जहां की सातों सीट पर एनडीए के विधायक के रहने के बावजूद एनडीए प्रत्याशी की करारी हार हो गई राधाचरण शाह के विधायक बनने के बाद रिक्त हुए इस सीट पर उनके पुत्र कन्हैया प्रसाद जदयू के समर्थित प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे वही इस उप चुनाव में महागठबंधन की जितने तेजस्वी यादव को टॉनिक देने का काम किया है वही जीत के बाद बातचीत के क्रम में सोनू कुमार राय ने बताया कि यह तमाम कार्यकताओं के मेहनत और त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग और आशीर्वाद का प्रतिफल है वेआगे उनके लड़ाई को लड़ने का काम करेंगे वही सोनू राय के जीत के बाद समर्थकों का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था जहां की उन लोगों ने उनकी जीत पर खूब जश्न मनाया इधर चुनाव के संपन्न हो जाने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सहजिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया ने बताया कि बिहार विधान परिषद भोजपुर एवं बक्सर का स्थानीय प्राधिकार के संख्या 6 के उप चुनाव के बाद मतगणना में सोनू कुमार राय को विजयी घोषित किया गया है शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए उन्होंने जिला प्रशासन और चुनाव करने में लगे सभी पदाधिकारी को धन्यवाद दिया

एक नजर

आरा-बक्सर एमएलसी चुनाव में महागठबंधन प्रत्याशी सोनू राय की जीत पर बधाइयों का दौर

नवप्रदेश/डेहरी ओन सोन रोहतास/आरा-बक्सर एमएलसी चुनाव में महागठबंधन प्रत्याशी सोनू राय की जीत पर राजद नेता व डेहरी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रहे गुड्डू चन्द्रवंशी ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत जनता के अटूट विश्वास, अथक संघर्ष और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं और आवाज को मजबूती से उठाने का ही परिणाम है कि महागठबंधन प्रत्याशी को शानदार विजय प्राप्त हुई है। गुड्डू चन्द्रवंशी ने आशा व्यक्त की कि सोनू राय जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए क्षेत्र के विकास एवं जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि यह जीत महागठबंधन कार्यकताओं के उत्साह और एकजुटता का भी प्रमाण है।

स्कूल वैन पलटने से कई बच्चे धायल

नवप्रदेश/बगहा गुरुवार की सुबह रामनगर थाना क्षेत्र के दिऊलिया गांव के पास एक पब्लिक स्कूल कि स्कूल बाग अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे 5 फीट गड्ढे में जाकर गिर गई। जिसमें 10 बच्चे समेत एक शिक्षिका बुरी तरह घायल हो गई। सूत्रों के मुताबिक वैन में 15 से 20 25 सवाल थे और भान तेजी में था।बहुअरी मोड के पास चालक ने नियंत्रण को दिया तथा वैन सिधे गड्ढे में जा गिरा। हादसा इतना डरावना था कि मौके पर कुछ देर के लिए चिख पुकार मच गया।ताजुब तो उस समय हो गया जब धायल बच्चों को तड़पता हुआ देख चालक मदद करने के बजाय मौके से चंपत हो गया। ग्रामीणों की मदद से सभी बच्चों को बाहर निकल गया और रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया गया। जहां चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार ने बताया कि शिक्षिका और कई बच्चों की स्थिति चिंताजनक है जिसे देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसी एच बेतिया भेज दिया गया है। हादसे के बाद मौजूद लोग और मीडिया कर्मियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा रोकने कि कोशिश की गई। हालांकि इस घटना पर अभी तक विद्यालय प्रबंधन द्वारा कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। जो उनके जवाब देही पर एक बड़ा सवाल खाडा कर रहा है। वहीं मौके पर पहुंचे रामनगर पुलिस दुर्घटनाग्रस्त वहां को कब्जे में ले लिया है। तथा फरार चालक की तलाशी की जा रही है फिलहाल घायलों के बयान पर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

अपराध की योजना बनाते 5 अपराधी हथियार सहित हुए गिरफ्तार

नवप्रदेश/बेतिया। स्थानीमनवापुलथाना क्षेत्र की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर, अपराधी योजना बनाते समय पांच अपराधियों को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की सूचना मिली के छावनीओवरब्रिज के पास कुछ अपराधी हथियार सहित जमा हुए हैं,जो बड़ी घटना को अंजाम देने का कार्यक्रम बना रहे हैं।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया,तलाशी के दौरान उनके पास से देसी कट्टा,दो डाईइगर,एक जिंदा कार्टूस, एक बाइक,दो एंड्राइड मोबाइल फोन इत्यादि जप्त किया गया सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मनवापुल थानाअध्यक्ष रवि कुमार ने संवाददाता को बताया कि सभी पकड़े हुए अपराधियों काअपराधिक इतिहास खनगाला जा रहा है, इनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करआगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रकाश पुंज पब्लिक स्कूल का इंटर परीक्षा में शानदार प्रदर्शन, चित्रांश बने अनुमंडल टॉपर

नवप्रदेश/मसौढ़ी। स्थानीय बिरची स्थित प्रकाश पुंज पब्लिक स्कूल, मसौढ़ी के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल छा गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत सफलता हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।विद्यालय के मेधावी छात्र चित्रांश कुमार ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अनुमंडल टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। वहीं राजीव नयन ने 92 प्रतिशत तथा शुभम कुमार ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। इसके अलावा 25 से अधिक विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और नियमित अध्ययन के बल पर यह उपलब्धि प्राप्त की है। परिणाम आने के बाद विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने मिठाइयाँ बांटकर खुशी का इजहार किया।इस अवसर पर पीपी शैक्षणिक समूह के चेयरमैन डॉ. अभिराम शर्मा ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। डॉ. शर्मा ने बताया कि नियमित कक्षाएं, अतिरिक्त शैक्षणिक मार्गदर्शन, मॉडल टेस्ट एवं निरंतर अभ्यास के कारण विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ा, जिसका सकारात्मक परिणाम परीक्षा में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष अनुशासित ढंग से अध्ययन किया और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे। अभिभावकों ने भी विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण एवं शिक्षकों का व्यक्तिगत मार्गदर्शन बच्चों की सफलता में महत्वपूर्ण साबित हुआ। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जिला परिषद की जमीन पर कब्जे की साजिश बर्दाश्त नहीं संरक्षण की लड़ाई जारी रहेगी : कृष्णा कुमारी यादव

नवप्रदेश/खगड़िया जिला परिषद अध्यक्ष सह जिप अध्यक्ष संघ की प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा कुमारी यादव ने गुरुवार को थाना रोड स्थित जिला परिषद कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला परिषद की बहुमूल्य भू-संपदाओं पर कब्जे की साजिश का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में किसी भी कीमत पर जिला परिषद की जमीनों पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिला परिषद की संपत्तियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा और भूमाफियाओं को बेनकाब कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि खगड़िया नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिला परिषद की करोड़ों की भूमि पर भूमाफियाओं एवं धन्ना सेठों की नजर है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में श्यामलाल ट्रस्ट, अवध बिहारी संस्कृत महाविद्यालय तथा सन्हौली गोशाला जैसी संस्थाओं की जमीनों में जमाबंदी में हेराफेरी कर बड़े पैमाने पर अवैध खरीद-बिक्री की गई और लोगों ने अकूत संपत्ति अर्जित की। इतना ही नहीं, शत्रु संपदा, गैरमजरूआ आम-खास, टोपोलैंड और सर्वे भूमि तक को अपने नाम कर बेचने का खेल चला। उन्होंने कहा कि अब कुछ अधिकारी एवं पदाधिकारी की मिलीभगत से जिला परिषद की जमीनों पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है, जिसे किसी भी हाल में सफल नहीं होने दिया जाएगा। जिप अध्यक्ष ने कहा कि बलुआही बस स्टैंड स्थित जिला परिषद की भूमि, जिसका मौजा हाजीपुर, खाता संख्या 153, खेसरा संख्या 131 एवं खाता संख्या 160, खेसरा संख्या 132 में दर्ज है, जिला परिषद की वैध संपत्ति है। उन्होंने बताया कि खगड़िया जिला गठन से पूर्व यह भूमि जिला परिषद मुंगेर के अधीन थी और जिला गठन के बाद इस पर जिला परिषद खगड़िया का स्वामित्व स्थापित हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 1989 में जिला योजना मद से बस पड़ाव का निर्माण तो कराया गया, लेकिन जिला परिषद से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया गया। बाद में एक सुनियोजित साजिश के तहत नगर परिषद को बस स्टैंड की बंदोबस्ती और वसूली का अधिकार दे दिया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में नगर परिषद द्वारा जिला लोक निवारण समिति में वाद संख्या 02/2014 दायर किया गया है, जो अभी विचाराधीन है। ऐसे में विवादित भूमि पर आधुनिक बस स्टैंड का शिलान्यास न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। राजेंद्र चौक और बूढ़ी गंडक किनारे की भूमि भी जिला परिषद की श्रीमती यादव ने कहा कि बूढ़ी गंडक नदी के उत्तरी किनारे से कचरदेवा तक की सड़क डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, मुंगेर की संपत्ति पंजी में दर्ज है। वहीं राजेंद्र चौक स्थित भूखंड भी जिला परिषद की भूमि है। उन्होंने कहा कि वहां पांच फीट जगह छोड़कर अस्थायी संरचना लगाने की अनुमति दी गई है ताकि लोगों को धूप और बारिश से राहत मिल सके। भविष्य में कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स निर्माण के दौरान इसे हटा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दावन टोल स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड की छह बीघा से अधिक भूमि जिला परिषद की है, जहां महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज निर्माण का प्रस्ताव पूर्व में पारित किया गया था। लेकिन कुछ भूमाफियाओं ने साजिश के तहत लोगों को बसाकर पक्के मकान बनवा दिए। इस मामले में पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की तैयारी की जा रही है। जिप अध्यक्ष ने दावा किया कि नगर परिषद कार्यालय एवं उससे सटी परती भूमि भी जिला परिषद की संपत्ति है। इस संबंध में विभागीय निर्देश के आलोक में किराया मांगते हुए पत्र भेजा गया है तथा किसी प्रकार के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है। जिला परिषद की संपत्ति हस्तांतरित करने का अधिकार राज्य सरकार को भी नहीं श्रीमती यादव ने कहा कि जिला परिषद की संपत्ति को किसी अन्य विभाग को हस्तांतरित करने का अधिकार राज्य सरकार को भी नहीं है।

एक नजर

सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में डिलीवरी को आई महिला डिलीवरी होने से पहले ही हुई मौत, आक्रोश

डीएम ने पीड़ित जनों को बताया होगी जांच, जबकि सिविल सर्जन ने कहा जांच रिपोर्ट में खून काफी मात्रा में संक्रमित पाया गया है

नवप्रदेश/शिवहर एक्सप्रेस - पिपराही प्रखंड के परसौनी बैज वार्ड नंबर 7 निवासी ललन पासवान की 32 वर्षीय पत्नी रिंकू देवी की मौत सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में डिलीवरी होने से पहले ही हो जाने पर परिवारजनों सहित उनके समाज के लोगों में काफी आक्रोश का माहौल है। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई है। उनके ग्रामीण शत्रुघ्न साह, मृतका के पति ललन पासवान सहित लोगों ने बताया है कि चिकित्सकों के द्वारा सही तरीके से इलाज नहीं करने पर मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की लापरवाही के कारण मृतिका के पेट में ही बच्चे एवं मां की मौत हो गई है। वे लोग पोस्टमार्टम कराने की भी मांग कर रहे हैं। मृतिका रिंकू देवी को तीन लड़की एवं एक लड़का भी है। उसके परिजनों को रो रो का बुरा हाल है। इस बाबत सिविल सर्जन डॉक्टर दीपक कुमार ने बताया है कि महिला को 12 बजे के आसपास डिलीवरी रूम में लाया गया जहां चिकित्सा महिला चिकित्सक डॉ सुधा कुमारी के द्वारा डिलीवरी से पूर्व जो जांच होती है कराया गया रिपोर्ट भी 1 घंटे के अंदर मंगा लिया गया,इस रिपोर्ट में मृतिका का ब्लड काफी मात्रा में संक्रमित पाया गया है। डिलीवरी रूम में तैनात डॉक्टर सुधा कुमारी ने बताया है कि लगता है कि दो-तीन दिन पूर्व ही मां के पेट में बच्चे की मौत हो गई हो जिस कारण ब्लड संक्रमित हो गया है। अस्पताल प्रशासन हर संभव इलाज कर ही रही थी कि अचानक धड़कन रुक जाने के कारण उसकी मृत्यु हो गई है। लोगों के द्वारा पोस्टमार्टम की मांग पर सिविल सर्जन डॉक्टर दीपक कुमार ने बताया कि इसमें पोस्टमार्टम नहीं होता है। पुलिस बल आई है लोगों को समझाया जा रहा है।

8 दिनों से चल रहे श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ संपन्न

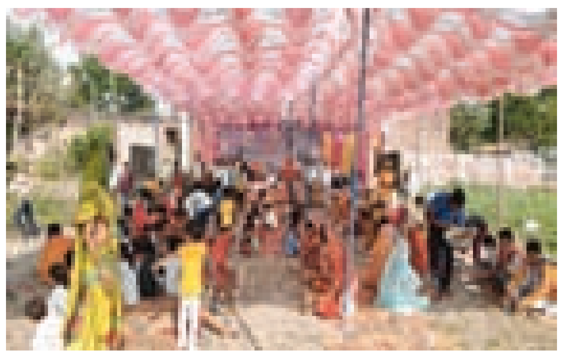

नवप्रदेश/सूर्यपुरा सदर पंचायत के पश्चिम मोहल्ला स्थित शिव शक्ति शिवालय में बीते 8 दिनों से चल रहे श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का गुरुवार को हवन पूजा एवं बृहद भंडारे के साथ भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ. यज्ञ के मुख्य कार्यकर्ता लाल बाबू सिंह ने बताया कि पूणार्हुति के पूर्व यज्ञ स्थल पर अहले सुबह में यज्ञ आचार्य कृष्णानंद जी महाराज के परम सानिध्य में भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक तथा माता बगलामुखी के मंत्रों द्वारा मिर्च का सामूहिक हवन पूजन किया गया ताकि जीवन में सभी कष्ट कम से कम हो सके और सभी के कार्यों की सिद्धि के लिए सभी ग्राम वासियों के साथ महा आरती का आयोजन किया गया. वही कथा वाचक आचार्य यतींद्र शास्त्री जी महाराज के द्वारा गणेश जन्म और कार्तिकेय जन्म की कथा को प्रस्तुत कर सभी श्रोताओं को भक्ति रस से सराबोर कर दिया. वही प्रवचन के पश्चात उपस्थित सभी श्रद्धालु महिलाओं ने सामूहिक शिव भक्ति एवं गणेश वंदना प्रस्तुत कर पूरे वातावरण में भक्ति का माहौल बना दिया. वह आयोजित वृहद भंडारे में सैकड़ो श्रद्धालु भक्तों ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया.

द डिवाइन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने JEE Main में लहराया परचम

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। बिक्रमगंज अनुमंडल स्थित द डिवाइन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष आयोजित देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा JEE Main 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के कुल 30 विद्यार्थियों ने JEE Main क्वालिफाई कर सफलता प्राप्त की है। जिससे पूरे विद्यालय परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। JEE Main देश की सबसे महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में से एक मानी जाती है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित NIT, IIIT एवं अन्य केंद्रीय संस्थानों में प्रवेश का अवसर प्राप्त होता है। इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करना विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण का प्रतीक माना जाता है। **विद्यालय के टॉप सफल विद्यार्थियों में —** तनमय भारती - 98.8 परसेनटाईल, कृष कुमार पांडेय - 97.8 परसेनटाईल, रौनक कुमार - 97.7 परसेनटाईल, आशीष कुमार - 97.29 परसेनटाईल, दिनेश कुमार - 97 परसेनटाईल अमन कुमार - 95.8 परसेनटाईल, रौशनी कुमारी - 95.1 परसेनटाईल, रॉकी राज - 91 परसेनटाईल रजनीश राज दुबे-94.9 परसेनटाईल, रौशन कुमार - 94.8 परसेनटाईल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का गौरव बढ़ाया है। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन अखिलेश कुमार ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आने वाले समय में विद्यालय के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को इस ऐतिहासिक सफलता पर शुभकामनाएं दी हैं।

जमीन के लालच में जननी को ही बेटों ने गाला रेत कर कर दि हत्या

नवप्रदेश/नालंदा चंडी थाना क्षेत्र के बदौरा गांव में जिलवी देवी जो मूल रूप से भाषीन बिगहा कि रहने वाली थी।उनही के दो पुत्र रवि शंकर कुमार तथा चंद्रभूषण कुमार ने जमिन के चक्कर में अपनी मां का गाला रेत कर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है। बताते चलेगी स्वर्गीय रामचंद्र प्रसाद की पत्नी जिल्वी देवी अपने मायके बदौरा में रहती थी। मृतका के पुत्र रवि शंकर जो की पटना में वाहन चलाता था और बड़ा लड़का चंद्रभूषण कुमार मां के नाम से जमीन होने पर दोनों भाई अक्सर अपनी मां के साथ जमीन के बेचने को लेकर बराबर झगड़ा और मारपीट करते थे। बाद इतना बढ़ गया था कि दोनों बेटो के हिंसक व्यवहार से मानसिक रूप से काफी डरी और शमी रहती थी। मृतिका को अपने जान को खतरा भी था। इसको लेकर चंडी थाना में पुलिस के पास अपनी सुरक्षा को लेकर शनिवार को एक लिखित शिकायत भी की थी। इससे पूर्व भी उन पर जानलेवा हमला हुआ था तब पड़ोसियों ने उन्हें शरण दिया था। तब जाकर उनकी जान बची थी। लेकिन अब चूंकि अब दो दिन पूर्व उनकी हत्या गला रेत कर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते हैं पूरे गांव में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और गुस्सा है ग्रामीणों ने जहां घंटा प्रदर्शन किया इसी बीच मौके पर पहुंची पुलिस से ग्रामीणों की नोंक-झोंक भी हुई। ग्रामीणों का कहना था कि इस प्रकार के जगन्य अपराध करने वाली दोनों बेटो को पुलिस से गिरफ्तार कर सजा दिलवाए। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपित पुत्रों की तलाश में छापामारी शुरू कर दी है इस संबंध में डीएसपी संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है।

कृषि कार्यालय के बड़ा बाबू 8 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

नवप्रदेश/शिवहर/ जिले में बुधवार की शाम निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला कृषि कार्यालय में पदस्थापित बड़ा बाबू बिजेन्द्र कुमार गिरी को 8,000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी जिला कृषि कार्यालय, शिवहर स्थित उनके कार्यालय कक्ष से की गई। इस कार्रवाई से सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बड़ा बाबू बिजेन्द्र कुमार एक महिला लाभुक से प्रेसिंग फ्लोर योजना के अनुदान की राशि जारी कराने के एवज में 8,000 की मांग कर रहे थे। महिला ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की थी। शिकायत के सत्यापन के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और बुधवार को जैसे ही रिश्वत की रकम ली गई, टीम ने मौके पर ही उन्हें दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। निगरानी टीम ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी अधिकारी को अपने साथ पटना ले गई, जहां आगे की पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया की जाएगी। नगर थानेदार ने भी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। इस घटना के बाद कृषि विभाग समेत अन्य सरकारी दफ्तरों में चर्चा तेज हो गई है। आम लोगों का कहना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए रिश्वत मांगना गंभीर अपराध है और ऐसे अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि इसी वर्ष पूरनहिया प्रखंड में भी राजस्व कर्मचारी रामप्रीत महतो को 10,000 रिश्वत लेते निगरानी विभाग ने गिरफ्तार किया था। लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से यह साफ है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार और निगरानी विभाग सख्त रुख अपनाए हुए है। शिवहर में हुई इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि रिश्वतखोरी करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

चचेरी बहनों की हत्या में हैवानियत का मामला आया सामने

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर। मुजफ्फरपुर दो चचेरी बहनों की हत्या कर शव को फेक दिया गया।शव का पोस्टमार्टम होने पर दिल दहलाने वाला बात उभर कर सामने आया है। जिससे बच्चियों के साथ हैवानियत कि धटना होने कि प्रबल संभावना होने अशका बट गया है इससे पूर्व कहां जा रहा था कि बड़ी बहन 12 साल के साथ गलत कार्य करते हुए देख लिया तो दोनों को हैवानों ने मार डाला। बुधवार को ईंट के भट्टे के पास घर से लापता दोनों बहनों का शव से इलाके में सनसनी फैल गई थी। जहां उनका गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। वहीं अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छाती की हड्डी टूटने, तीन उंगलियां काटने, और पेट में चाकू, तथा जाबडा टूटने समेत शरीर के कई अंगों पर जख्म के निशान मिले हैं। मीडिया के अनुसार एक बच्ची के नाजुक अंग में खून का थक्का मिला। जिससे दुष्कर्म होने की आशंका प्रबल हो गई है पोस्टमार्टम कर रहे चिकित्सक और कमी भी शवो कि स्थिति देखकर भावुक हो गए। माना जा रहा है कि गायब होने की रात को ही दोनों की हत्या कर दिया गया था। बताते चले कि सोमवार को भूईया बाबा के पूजा को देखने के लिए दोनों घर से निकली थी तो घर नहीं लौटी थी। और उनका शव गूरुवार को उनके ईंट भट्टे के पास दोनों का मृत शरीर मिला था। गायब होने की बाद खोज बिन करने के लिए परिजन भट्टे के पास भी गए थे पर शव नहीं मिला था और उसके अगले दिन गुरुवार को भट्टे के पास दोनों का शव मिला। जो अपने आप में जांच का विषय है। एक बच्ची की मां ने बताया कि सोमवार की सुबह 10:00 बजे से बछिया गायब थी और मंगलवार की शाम को ईंट भट्टे के पास 10 बार तलाशी की गई थी तब भी शव वाहा नहीं था। ऐसी अशका है कि हतया के बाद जब शव सड़ने लगा तो उसे भट्टे के पास फेंक दिया गया होगा। बच्ची की मां ने पेट और सीना चीर कर अंदरूनी अंग निकालने की भी आशंका जताई है। तथा भट्ठा पर टारगेट लोगों पर भी घटना में संलिप्त की आशंका जताई जा रही है। परिजनों का मानना है कि दोनों चचेरी बहनें घर के पास सोमवार की सुबह खेल रही थी। जब गायब हुई तो परिजनों को लगा कि घर के बगल में बाबा कि हो रही पूजा में गई होगी। और जब घर नहीं लौटी तो परिवार वालों ने खोजबीन शुरू की। जहां शव कि स्थिति को देखकर पुलिस को आशंका है कि दोनों मासूम बच्चियों की हत्या सोमवार को ही किया गया होगा। पक्षियों के सर और पैर में चोट के निशान है तथा गला पूरी तरह रहता हुआ है वहीं हाथ पैर की हड्डी तक कटा हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। इधर आकर्षित परिजन और ग्रामीण आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए पुलिस को 48 घंटे का समय दिया है।

हवन-पूणार्हुति और भंडारे के साथ श्री शतचंडी महायज्ञ का भव्य समापन, उमड़े श्रद्धाल

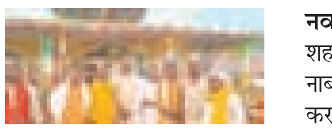

चारों धाम मिश्रा/नवप्रदेश/ दावथ (रोहतास), दावथ प्रखंड के उसरी पंचायत के केदार चवरी में पिछले सात दिनों से चल रहे श्री शतचंडी महायज्ञ का गुरुवार को हवन, पूणार्हुति और विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। समापन के दिन श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। सुबह से ही यज्ञ मंडप में वैदिक मंत्रों की गूंज रही। मुख्य यजमानों द्वारा आचार्य राहुल मिश्रा सुनील भारद्वाज,के सान्निध्य में सवा लाख मंत्रों की पूणार्हुति डाली गई। इसके बाद कन्या पूजन और महाआरतीका आयोजन हुआ। 108 कन्याओं को भोजन कराकर दक्षिणा व उपहार भेंट किए गए। पूणार्हुति के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के दर्जनों गांवों से आए 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन जय माता दीर के जयकारों से क्षेत्र गूंजता रहा। यज्ञ समिति के अध्यक्ष ने बताया, सात दिनों तक चले इस महायज्ञ में प्रतिदिन देवी भागवत कथा, राम जन्मोत्सव, राम-विवाह और झांकियों का आयोजन हुआ। क्षेत्र की सुख-शांति, अच्छी बारिश और विश्व कल्याण के लिए यह यज्ञ कराया गया।

बेरोजगार, नाबालिग लड़कियों को नौकरी दिलाने के नाम पर शोषण, समाज पर तमाचाः सुरैया सहाब

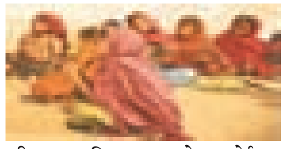

नवप्रदेश/बेतिया। इन दिनों शहरी,ग्रामीण क्षेत्र से बेरोजगार नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर उनको काम दिलाने, प्रेम प्रसंग,नौकरी दिलाने के नाम पर शारीरिक,आर्थिक, मानसिक शोषण किया जा रहा है,जो सभ्य समाज के मुंह पर एक तमाचा है। इन नाबालिक,बेरोजगार लड़कियों को बहला फुसलाकर एक राजय से दूसरे राज्य में ले जाकर आर्केस्ट्रा संचालकों,रेड लाइट एरिया में,बड़े-बड़े होटलों, प्रतिष्ठानों में पुरुषों के लिए शारीरिक सुख देने,शोभा बनाकर देह व्यापार कराया जा रहा है,जो बहुत ही शर्मनाक है। प्रशासन की सूचना मिलने पर इन स्थानों पर छापेमारी की जा रही है, जहां से दर्जनों की संख्या में नाबालिक लड़कियां पकड़ी जा रही हैं,इन्हें मुक्त भी कराया जा रहा है। इन नाबालिक,बेरोजगार लड़कियों से अवैध रूप से गलत काम कराने वाले व्यक्तियों को सरकारी तंत्र पकड़ भी रहे हैं।

इन बिंदुओं पर पुलिस को गंभीर एवं संवेदनशील होना पड़ेगा ताकि इन नाबालिक,बेरोजगार बच्चियों का जीवन सुरक्षित रह सके।आर्केस्ट्रा के नाम पर किसी को कुछ भी करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए, पुलिस के पास इसका रिकॉर्ड,डाटाबेस रखना होगा।

पुलिस को रिकॉर्ड केआधार पर हमेशा छापेमारी करनी होगी,जांच पड़ताल करनी होगी,ऐसी घटनाओं पर रोक भी लगानी होगी। पुलिस प्रशासन एवं सामाजिक कार्यकर्ता,गैर सरकारी संगठन,महिला पुलिस प्रशासन को हमेशा सतर्क रहना पड़ेगा,ताकि किसी भी नाबालिक,बेरोजगार लड़कियों का किसी भी प्रकार का शोषण नहीं हो सके। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को इस बिंदु पर हमेशा संज्ञान लेते रहना चाहिए,ताकि समाज में किशोरियों, युवतियों,महिलाका सम्मान रह सके,वे सभी निर्भीक रहकर अपना जीवन व्यतीत कर सकें।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के बीएड छात्रों के लिए 20 सप्ताह की इंटर्नशिप अनिवार्य

नवप्रदेश/आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध बीएड कॉलेजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए अब 20 सप्ताह की इंटर्नशिप अनिवार्य कर दी गई है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के निदेशों के अनुसार बीएड पाठ्यक्रम में यह बड़ा बदलाव लागू किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबद्ध बीएड संस्थानों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।नई व्यवस्था के तहत बीएड प्रथम वर्ष के छात्रों को 4 सप्ताह तथा द्वितीय वर्ष के छात्रों को 16 सप्ताह की इंटर्नशिप करनी होगी। इस दौरान प्रशिक्षु छात्रों को माध्यमिक विद्यालयों में भेजा जाएगा, जहां वे शिक्षण कार्य का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक कक्षा शिक्षण की प्रक्रिया से जोड़ना है।विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार इंटर्नशिप के लिए प्राथमिकता सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को दी जाएगी। यदि किसी बीएड कॉलेज के आसपास सरकारी विद्यालय उपलब्ध नहीं होंगे, तो निजी विद्यालयों में भी छात्रों को भेजा जा सकेगा। इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी और विद्यालय निरीक्षकों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

बीएड कॉलेजों को निर्देश दिया गया है कि वे इंटर्नशिप पर जाने वाले छात्रों की सूची समय पर संबंधित जिलों को उपलब्ध कराएं। इसके बाद जिला शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों का आवंटन किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एनसीटीई के मानकों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई भी की जा सकती है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यवस्था बीएड छात्रों की शिक्षण क्षमता को मजबूत करेगी। लंबे समय तक विद्यालयों में रहकर छात्र कक्षा संचालन, विद्यार्थियों से संवाद, पाठ योजना निर्माण तथा मूल्यांकन प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। इससे भविष्य में योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या बढ़ेगी।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के इस कदम को शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। छात्रों और शिक्षकों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है।

संक्षिप्त खबरें

ईरानी विदेश मंत्री ने ब्रिक्स देशों से अमेरिका-इजराइल की निंदा का किया आह्वान

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सदस्य देशों से अमेरिका और इजराइल के कथित अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघनों की स्पष्ट निंदा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ की गई अवैध आक्रामक कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ है और ब्रिक्स देशों को युद्धोन्माद रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की भारत मंडपम में आयोजित बैठक में अराघची ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के ह्यराजनीतिक इस्तेमालह्व को रोकने की भी मांग की। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि अमेरिका की दबाव और धमकी की राजनीति का सामना केवल ईरान ही नहीं बल्कि कई विकासशील देश कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि क्षेत्रीय अस्थिरता संघर्ष को बढ़ावा देने वाले देशों सहित सभी देशों के लिए नुकसानदायक साबित होती है। अराघची ने कहा कि अब समय आ गया है कि विश्व समुदाय मिलकर ऐसी नीतियों को इतिहास के कूड़ेदान में भेजे। उन्होंने ब्रिक्स को उभरती वैश्विक व्यवस्था का प्रतीक बताया और कहा कि ग्लोबल साउथ अब विश्व व्यवस्था के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह नई व्यवस्था अभी नाजुक स्थिति में है और पुरानी महाशक्तियां इसे कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं।

नेपाल के पूर्व गृह मंत्री सुदन गुरूंग पर लगे आरोपों की जांच के लिए न्यायिक समिति गठित

काठमांडू। नेपाल सरकार ने पूर्व गृह मंत्री सुदन गुरूंग पर लगे आरोप का अध्ययन एवं जांच के लिए एक न्यायिक समिति का गठन किया है। गुरुवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अच्युत प्रसाद भण्डारी के नेतृत्व में समिति गठन करने का निर्णय लिया गया। महालेखा नियंत्रक शोभाकान्त पौडेल और सहन्यायाधिवक्ता अच्युत मणि न्यौपाने को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की प्रेस सलाहकार दीपा दाहाल के अनुसार समिति को प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में रहे गुरूंग के खिलाफ सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोप का तथ्यपरक अध्ययन और जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है। समिति को 15 दिनों के भीतर अपनी सिफारिशों सहित रिपोर्ट सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया। यदि जांच में गुरुङ को क्लीन चिट मिलती है, तो प्रधानमंत्री शाह उन्हें दोबारा गृह मंत्री नियुक्त करने पर विचार करेंगे। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि उनके खिलाफ लगे आरोप इतने गंभीर हैं कि उन्हें आसानी से क्लीन चिट मिलना मुश्किल है।फिलहाल गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी स्वयं प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह संभाल रहे हैं।

नेपाल की संसद से विपक्षी दलों का वॉकआउट, प्रधानमंत्री के जवाब नहीं दिए जाने का विरोध

काठमांडू। नेपाल के सभी विपक्षी दलों ने गुरुवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक से बहिर्गमन कर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री के नहीं आने के कारण विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट किया। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के स्थान पर राष्ट्रपति के अभिभाषण का जवाब देने के लिए जैसे ही वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने बोलना शुरू किया विपक्षी सांसदों ने सदन में ही नारेबाजी करते हुए बहिष्कार कर दिया। नेपाली कांग्रेस, यूएमएल, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी, श्रम संस्कृति पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातन्त्र पार्टी (आरपीपी) के सांसदों ने सरकार के रवैये का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया। इन दलों ने सरकार की कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त करते हुए बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। वित्त मंत्री जहां रोस्ट्रम से सरकार की नीति तथा कार्यक्रम का बचाव कर रहे थे, वहीं विपक्षी दल कार्यवाही पर लगातार आपत्ति जताते रहे थे।

अमेरिका का दावा- होर्मुज नाकेबंदी के बाद 70 जहाजों का रास्ता बदला

वॉशिंगटन। अमेरिका ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव और कथित नाकेबंदी के बाद अब तक करीब 70 व्यापारिक जहाजों ने अपना मार्ग बदल लिया है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को देखते हुए समुद्री यातायात पर बड़ा असर पड़ा है। सेंटकॉम के अनुसार, अमेरिकी नौसेना ने इस दौरान चार जहाजों को ह्लडिएक्टिवह्व भी किया है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इन जहाजों के खिलाफ किस प्रकार की कार्रवाई की गई या उन्हें किस कारण से रोका गया। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों के दौरान कई व्यापारिक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दी गई। ईरानी पक्ष का कहना है कि इनमें चीन से जुड़े कुछ जहाज भी शामिल थे। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में गिना जाता है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का सैन्य तनाव या नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और वैश्विक व्यापार पर सीधा असर डाल सकती है।

ब्रिटेन की राजनीति में हलचल, स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के प्रमुख सहयोगियों में शामिल स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने सरकार से इस्तीफा दे दिया। स्ट्रीटिंग ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर अब भरोसा नहीं रहा और ऐसे माहौल में सरकार में बने रहना अनुचित और सिद्धांतों के खिलाफ होगा। स्ट्रीटिंग का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब लेबर पार्टी हालिया स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद आंतरिक असंतोष का सामना कर रही है। इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में हुए चुनावों में पार्टी को झटके लगे, जिसके बाद करीब 90 लेबर सांसदों ने सार्वजनिक रूप से स्टार्मर से पद छोड़ने की मांग की है। अपने इस्तीफा पत्र में स्ट्रीटिंग ने कहा कि देश में बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता और राष्ट्रवादी ताकतों के उभार ने यूनाइटेड किंगडम की एकता के लिए चुनौती पैदा कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि लेबर पार्टी अपने समर्थकों को स्पष्ट दिशा और मजबूत नेतृत्व देने में विफल रही है।

रेलवे सुधारों से सीमेंट ढुलाई में 170 प्रतिशत वृद्धि

अब फ्लाई ऐश परिवहन पर फोकस

नई दिल्ली। रेलवे में किए गए सुधारों के चलते पिछले चार महीनों में सीमेंट की ढुलाई में 170 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रेलवे मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि गत वर्ष नवंबर में लागू किए गए सुधारों और आधुनिक बल्क सीमेंट टैंक कंटेनरों के इस्तेमाल से यह उपलब्धि हासिल हुई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कंटेनर क्षेत्र में किए गए सुधारों और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की।
रेल मंत्रालय के अनुसार, सीमेंट परिवहन में सुधार का उद्देश्य सड़क परिवहन पर निर्भरता कम कर रेल आधारित, स्वच्छ और अधिक दक्ष लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देना है। इसके तहत रेलवे ने विशेष टैंक कंटेनर और बल्क सीमेंट टर्मिनल नीति लागू की है, जिससे मल्टीमॉडल परिवहन को प्रोत्साहन मिला है।
रेल मंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था से सीमेंट की लोडिंग और अनलोडिंग पहले की तुलना में आसान हो गई है तथा सामग्री की बबार्दी भी कम हुई है। अब सीमेंट उत्पादन केंद्रों से विशेष टैंक कंटेनरों के जरिए सीधे उपभोग केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे कई चरणों की हैंडलिंग समाप्त हुई है और प्लांट से बाजार तक आपूर्ति अधिक कुशल बनी है। मंत्रालय के मुताबिक, ये मेक इन इंडिया टैंक कंटेनर ट्रेन से ट्रेलर और फिर वापस ट्रेन तक निर्बाध आवाजाही के लिए डिजाइन किए गए हैं। कंटेनरों की संरचना रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) मशीनों के अनुकूल होने के कारण सीमेंट सीधे निर्माण स्थलों तक उपयोग योग्य स्थिति में पहुंच रहा है। इससे लॉजिस्टिक्स लागत कम हुई है और टर्नअराउंड समय में भी सुधार आया है।
रेल मंत्रालय का कहना है कि सीमेंट लॉजिस्टिक्स में सुधार से निर्माण क्षेत्र में एक ह्लमूक क्रांतिह्व आ रही है। लागत घटने से निर्माण सामग्री सस्ती होने की संभावना है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लिए आवास निर्माण की लागत कम करने में मदद मिलेगी।
मंत्रालय ने कहा कि यह प्रणाली पर्यावरण के अनुकूल भी है। बल्क कंटेनरों के इस्तेमाल से लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान धूल कम उत्पन्न हो रही है, जबकि सड़क परिवहन की तुलना में ईंधन की खपत और उत्सर्जन में भी कमी आ रही है। इससे सड़कों पर ट्रकों का दबाव कम होने और यातायात जाम घटने की उम्मीद है।
सीमेंट परिवहन में सफलता के बाद रेलवे अब फ्लाई ऐश परिवहन क्षेत्र में भी इसी तरह के सुधार लागू करने की तैयारी कर रहा है। रेल मंत्री ने अधिकारियों से फ्लाई ऐश परिवहन बाजार की विशाल संभावनाओं का लाभ उठाने और ताप विद्युत संयंत्रों से निकलने वाले अपशिष्ट को ह्लराष्ट्रीय संपदाह्व में बदलने की दिशा में काम करने को कहा।
उन्होंने कहा कि देश में हर वर्ष लगभग 300 मिलियन मीट्रिक टन फ्लाई ऐश का उत्पादन होता है, लेकिन रेलवे के माध्यम से वर्तमान में केवल 13 मिलियन टन का ही परिवहन हो रहा है। रेल मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि फ्लाई ऐश को ईंट भट्टों, सीमेंट उद्योगों और निर्माण स्थलों तक पहुंचाने में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाई जाए।
मंत्रालय के अनुसार, फ्लाई ऐश का व्यापक उपयोग प्रदूषण कम करने, औद्योगिक कचरे के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने तथा ईंट और सीमेंट जैसी निर्माण सामग्री की लागत घटाने में सहायक होगा।

पुलिस विभाग में एक सशक्त 'फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन' की स्थापना करना जरूरी : किरण बेदी

नई दिल्ली। पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी (आईपीएस) ने गुरुवार को कहा कि परिवारों के हितों की रक्षा के लिए पुलिस विभाग में एक सशक्त 'फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन' की स्थापना करना जरूरी है।
किरण बेदी ने दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में वीर सैनिकों के सम्मान में आयोजित 'सिटिजन्स ग्रैटिट्यूड टू गैलेंट वॉरियर्स' के पांचवें संस्करण में यह बात कही। यह कार्यक्रम नागरिकों की ओर से देश के रक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना था।
बेदी ने कहा, एक पुलिस अधिकारी तभी बहादुरी से काम कर सकता है, जब उसे घर की चिंता न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस एक राज्य का विषय है, इसलिए यह जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है कि वे अपने बहादुर अधिकारियों के परिवारों का ख्याल रखें ताकि वे तनावमुक्त होकर देश की सेवा कर सकें। बेदी ने कहा कि पुलिस अधिकारी शहर में तो होता है लेकिन उसके पास परिवार के लिए समय नहीं होता। कई राज्यों में पुलिसकर्मियों के परिवार लगभग 'सिंगल पैरेंट फैमिली' की तरह जीवन बिताते हैं क्योंकि पुरुष अधिकारी ड्यूटी के कारण घर नहीं जा पाते। इसलिए, पुलिसकर्मियों की पत्नियों के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर पैदा किए जाने चाहिए। यदि पुलिस परिवार की महिलाएं कमाना शुरू करेंगी, तो परिवार की आय दोगुनी हो जाएगी। इससे पुलिस विभाग में व्याप्त 'ऊपर की कमाई' (भ्रष्टाचार) की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस आयोजन का उद्देश्य राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा करने वाले सैनिकों और वीर योद्धाओं के साहस, बलिदान तथा अटूट भावना को सम्मानित करना और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इस कार्यक्रम को 'एक ही रास्ता' (ट्रस्ट) ने त्रेहन ग्रुप (चीफ पेट्रन), बीकेटी मीडिया (मीडिया पार्टनर) और सार्क एसोसिएट्स (नॉलेज पार्टनर) सहित कई अन्य संस्थानों के सहयोग से आयोजित किया। इस मौके पर कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति, गैलेंट वॉरियर' कैलेंडर और 'एक ही रास्ता' की पूरी यात्रा की एक बुकलेट जारी की गयी। विशेष अतिथियों को 'गैलेंट्री अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

सांसद प्रिया सरोज की एआई से बनी फोटो वायरल करने के मामले में

भाजपा नेता समेत दो के खिलाफ केस दर्ज

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मछलीशहर लोकसभा सीट से सांसद प्रिया सरोज की फर्जी और मॉर्फ्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने केमामले में पुलिस ने भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सहित दो लोगों के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में गुरुवार को एफआईआर दर्ज की है। इन तस्वीरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके बनाना बताया गया है। साइबर क्राइम थाने में सांसद प्रिया सरोज ने अपनी शिकायत में बताया है कि भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अमोद सिंह और विशाल सिंह ने फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स से उनकी एडिटेड व फर्जी तस्वीरें तथा भ्रामक सामग्री प्रसारित की जा रही थी। इन पोस्टों के माध्यम से उनकी राजनीतिक और सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की सुनियोजित कोशिश की गई। सांसद ने अपने शिकायती पत्र में कहा है कि यह केवल व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि एक निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि की गरिमा को ठेस पहुंचाने और जनता के बीच उनकी छवि खराब करने की साजिश है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ जिन सोशल मीडिया अकाउंट्स और लिंक्स का उल्लेख किया गया है, उनके स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे गए हैं।
मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम थाना जौनपुर ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ आईटी एक्ट की धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया है। साइबर सेल अब संबंधित अकाउंट्स की तकनीकी जांच कर पोस्ट अपलोड करने वालों की पहचान करने में जुट गई है। सांसद प्रिया सरोज ने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल अभिव्यक्ति के लिए होना चाहिए, न कि किसी की प्रतिष्ठा खराब करने के लिए। उन्होंने एआई तकनीक का दुरुपयोग कर फर्जी तस्वीरें बनाने और उन्हें वायरल करने को गंभीर अपराध बताया। सांसद ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न कर सके।

दिल्ली के सरकारी कार्यालयों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम

मेरा भारत मेरा योगदान अभियान की घोषणा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सरकार के कार्यालयों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम, सरकारी वाहनों के ईंधन की खपत 20 फीसदी कम करने और मेरा भारत मेरा योगदान अभियान जैसी कई घोषणाएं कीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचत की अपील के मद्देनजर दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक में इससे संबंधित फैसले लिए गए।
मुख्यमंत्री ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अस्थिरता, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईंधन संकट और बढ़ती आयात लागत का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे समय में देशहित को सर्वोपरि रखते हुए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संसाधनों की बचत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दे।
मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने ईंधन बचत और ट्रैफिक प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिए हैं। दिल्ली सरकार के सभी विभागों में सप्ताह में दो दिन ह्यवर्क फ्रॉम होमह्ण व्यवस्था लागू की जाएगी। निजी कंपनियों और संस्थानों को भी अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू करने की सलाह दी जा रही है। इस संबंध में श्रम विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए सिंगल विंडो हेल्प डेस्क व कॉल सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। साथ ही सरकार बड़ी कंपनियों और संस्थानों से व्यक्तिगत स्तर पर संवाद कर सहयोग सुनिश्चित करेगी।
उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था उन आवश्यक सेवाओं पर लागू नहीं होगी, जो सीधे जन-सुविधाओं और सार्वजनिक कार्यों से जुड़ी हैं। इनमें पब्लिक डीलिंग से संबंधित विभाग, फायर सर्विस, अस्पताल, जेल प्रशासन, सार्वजनिक परिवहन, बिजली एवं जल आपूर्ति इत्यादि जैसी आवश्यक सेवाएं शामिल हैं।
उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर वाहनों के उपयोग को न्यूनतम किया जाएगा। नए निर्णय के अनुसार अधिकारियों के पेट्रोल अलाउंस में 20 प्रतिशत तक की कटौती की गई है। जिन वाहनों की पहले 200 लीटर पेट्रोल की सीमा थी, उसे घटाकर 160 लीटर तथा 250 लीटर की सीमा को घटाकर 200 लीटर किया गया है।
उन्होंने बताया कि हर सोमवार को मेट्रो मंडे के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और सरकारी कर्मचारी जहां तक संभव होगा, मेट्रो एवं सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करेंगे। दिल्ली सरकार के कार्यालयों का समय अब सुबह 10:30 बजे से शाम 7 बजे तक निर्धारित किया गया है, जबकि दिल्ली नगर निगम कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे। केंद्र सरकार के कार्यालयों का समय सुबह 9 से शाम 5:30 बजे है। कार्यालयों के समय के इस अंतराल से ट्रैफिक का दबाव कम किया जा सकेगा।
मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता से सप्ताह में एक दिन ह्यनो व्हीकल डेह्ण मनाने की अपील करते हुए कहा कि नागरिक अपनी सुविधा अनुसार एक दिन निजी वाहन का उपयोग न करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि अगले छह महीने तक दिल्ली सरकार कोई नया पेट्रोल, डीजल, सीएनजी या हाइब्रिड वाहन नहीं खरीदेगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि ग्रेड-1 से ग्रेड-8 तक के कर्मचारियों और अधिकारियों को यदि वे अपने ट्रांसपोर्ट अलाउंस का कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो आदि पर खर्च करते हैं तो सरकार की ओर से 10 प्रतिशत अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट अलाउंस दिया जाएगा।

बांसुरी केवल एक वाद्ययंत्र नहीं हमारी श्वास है : चेतन जोशी

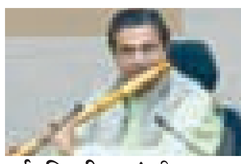

नई दिल्ली। बांसुरी वादक एवं संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित पं. चेतन जोशी ने गुरुवार को कहा कि बांसुरी केवल एक वाद्ययंत्र नहीं, हमारी श्वास है। इसे बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।
पं चेतन जोशी ने यह बात दिल्ली स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में भारतीय कला, सौंदर्य शास्त्र एवं सांस्कृतिक धरोहर व्याख्यानमाला के अंतर्गत भारतीय कला धरोहर : बांसुरी के विशेष संदर्भ में विषय पर एक विशेष व्याख्यान के दौरान कही। यह कार्यक्रम भारतीय शास्त्रीय संगीत की परम्परा में बांसुरी के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और कलात्मक आयामों पर केंद्रित था।
उन्होंने कहा, पश्चिम में कला की अवधारणा आर्ट फॉर द सेक ऑफ आर्ट (कला केवल कला के लिए) है, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। भारत में कला कभी निरुद्देश्य नहीं होती। यहां कला का उद्देश्य 'सत्यम, शिवम, सुंदरम' है।
पं. जोशी ने कहा कि बांसुरी मानव निर्मित प्राचीनतम वाद्यों में से एक है। इसका तीनों प्रकार की कलाओं परफॉर्मिंग आर्ट, विजुअल आर्ट और साहित्यिक कला में प्रमुख स्थान है। इतिहास और अध्यात्म दोनों में इसकी प्रमुखता है। अत्यंत प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक इसकी निरंतरता बनी हुई है। यह कभी लुप्त नहीं हुई। हिन्दुस्तानी, कर्नाटक संगीत से लेकर लोक संगीत तक, इसका प्रयोग सभी परम्पराओं में होता है।
इस मौके पर आईजीएनसीए के डीन एवं कलानिधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. रमेश चंद्र गौड़, प्रो ऋचा कंबोज, ध्रुपद गायक उस्ताद फैयाज वसीफुद्दीन डागर और शास्त्रीय गायक पं. विद्याधर व्यास सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे।

ताइवान पर अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं : मार्को रुबियो

बीजिंग। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ताइवान को लेकर अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बीजिंग में अमेरिकी और चीनी अधिकारियों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद रुबियो ने यह बयान दिया।
एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा कि चीन हर बैठक में ताइवान का मुद्दा उठाता है और अमेरिका भी हमेशा अपना रुख स्पष्ट करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की नजर में ताइवान की मौजूदा स्थिति में किसी भी तरह का जबरन बदलाव दोनों देशों के लिए नुकसानदायक होगा।
रुबियो ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच ह्लरणनीतिक स्थिरताह्व बनाए रखना बेहद जरूरी है और दोनों पक्ष इस बात से सहमत हैं। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि ताइवान को हथियारों की बिक्री का मुद्दा दोनों देशों के संबंधों में संवेदनशील बना हुआ है।
अमेरिकी विदेश मंत्री के मुताबिक, इस बार की बातचीत में ताइवान को हथियार बेचने का मुद्दा प्रमुखता से नहीं उठा, लेकिन चीन पहले भी इस पर अपनी नाराजगी जता चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका ने दिसंबर में भी ताइवान को हथियार बेचे थे, जिस पर बीजिंग ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी।
रुबियो ने कहा कि ताइवान को हथियार बेचने का फैसला केवल राष्ट्रपति का नहीं होता, बल्कि इसमें अमेरिकी कांग्रेस की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। कांग्रेस की मंजूरी और नीतिगत प्रक्रिया के आधार पर अमेरिका आगे निर्णय लेता रहेगा।
इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ताइवान को अमेरिकी हथियार बिक्री के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। ट्रंप के इस बयान के बाद आशंका जताई जा रही थी कि भविष्य में ताइवान को हथियारों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।
ताइवान का मुद्दा लंबे समय से अमेरिका और चीन के बीच तनाव का प्रमुख कारण बना हुआ है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है,

महाराष्ट्र विधान परिषद में दस नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

सभापति राम शिंदे ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

मुंबई। विधान परिषद के द्वि-वार्षिक चुनाव में 9 और उप-चुनाव में एक सहित कुल 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचित हुए सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को विधान भवन के मध्यवर्ती सभागृह में सम्पन्न हुआ। विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने सभी सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसमें भाजपा से 6, और अन्य दलों के प्रतिनिधि शामिल थे।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सहित कई मंत्री उपस्थित थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायक जिशान सिद्दीकी ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। विधान परिषद की 10 सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया आयोजित की गई थी। इनमें 09 सीटों के लिए नियमित चुनाव और एक सीट के लिए उप-चुनाव घोषित किया गया था। 12 मई 2026 को मतदान होना था लेकिन सभी दस सीटों के लिए केवल 10 उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल होने के कारण चुनाव निर्विरोध हो गया।

विधानसभा में वर्तमान पार्टी संख्याबल के अनुसार

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

- ◆ प्रमोद जठार
- ◆ सुनील कर्जतकर
- ◆ माधवी नाईक
- ◆ संजय भेंडे
- ◆ विवेक कोल्हे
- ◆ प्रज्ञा सातव (उपचुनाव)

शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट)

- ◆ डॉ. नीलम गोहे
- ◆ बच्चू कडू

शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे गुट)

- ◆ अंबादास दानवे

राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट)

- ◆ जिशान सिद्दीकी

वर्तमान विधानसभा में भाजपा के 131 सदस्य हैं, शिवसेना (शिंदे गुट) के 57 और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के 40 सदस्य हैं।

विपक्षी दलों में:

- ◆ शिवसेना (ठाकरे गुट) – 20 सदस्य
- ◆ कांग्रेस – 16 सदस्य
- ◆ राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) – 10 सदस्य

इसके अलावा समाजवादी पार्टी, जनसुराज्य शक्ति, राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष, एमआईएम, सीपीआई (एम), पीडब्ल्यूपीआई, राजर्षि शाहू विकास आघाडी और निर्दलीय सदस्य भी विधानसभा में शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)